RNI No. : TNHIN/2013/52520 ▪ वर्ष - 14 ▪ अंक - 3 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » शनिवार » 25-07-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

4 सच पर बुलडोजर चला रहे हैं मुख्यमंत्री : अशोक गहलोत
6 चातुर्मास : आत्मपरिष्कार का अनुष्ठान
7 बड़े पर्दे पर पहली बार खुद को देख इमोशनल हुईं डोनल बिष्ट

फर्स्ट टेक

बुजुर्ग नागरिक क्रिप्टोकरेंसी धोखाधड़ी में 65.95 लाख रुपये गंवा बैठा

ठाणे/भाषा। महाराष्ट्र में ठाणे के 64 वर्षीय एक व्यक्ति को कथित तौर पर साइबर जालसाजों ने क्रिप्टोकरेंसी में निवेश करने का लालच देकर 65.95 लाख रुपये का चूना लगा दिया। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि शिकायत के आधार पर, कलवा पुलिस ने बृहस्पतिवार को दो मोबाइल फ़ोन ऐप के संचालकों और दो अन्य लोगों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 318(4) (धोखाधड़ी) और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के संबंधित प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया। पुलिस के मुताबिक नौ जनवरी एवं 17 जुलाई के बीच ज़्यादा रिटर्न का लालच देकर शिकायतकर्ता से मोबाइल ऐप के जरिए 95,000 रुपये निवेश करवाया गया, लेकिन जब उसने अपनी मूल रकम और कमाई निकालने की कोशिश की, तो ऐप ने लेन-देन को रोक दिया।

तीन बड़े केमिकल पार्कों की स्थापना के लिए 3,030 करोड़ रुपये की योजना मंजूर

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने तीन बड़े केमिकल पार्कों की स्थापना के लिए शुक्रवार को 3,030 करोड़ रुपये की एक नई योजना की घोषणा की। इसके जरिए भारत को रसायन क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने का लक्ष्य है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में 'भारत औद्योगिक विकास योजना रसायन' (भव्य-रसायन) को मंजूरी दी गई। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इस फैसले की जानकारी दी। वित्त वर्ष 2026-27 के बजट में घोषित इस योजना की कुल लागत 3,030 करोड़ रुपये है। इसमें से 3,000 करोड़ रुपये साझा अवसंरचना एवं बुनियादी सुविधाओं के विकास पर खर्च किए जाएंगे, जबकि 30 करोड़ रुपये प्रशासनिक व्यय के लिए निर्धारित हैं।

ईमानदार करदाताओं को सहूलियत दें, कर चोरी पर सख्ती करें : सीतारमण

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को आयकर अधिकारियों से ईमानदार करदाताओं को सहूलियत देने और कर चोरी के मामलों में कड़ी कार्रवाई करने को कहा। सीतारमण ने 167वें आयकर दिवस के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में कहा, कर निर्धारण में निश्चितता अर्थव्यवस्था के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कर अधिकारियों को संवेदनशील होने की सलाह देते हुए कहा कि जानबूझकर कर चोरी करने वालों और अनजाने में गलती करने वालों के बीच स्पष्ट अंतर किया जाना चाहिए।

25-07-2026 सूर्यास्त 6:38 बजे | 26-07-2026 सूर्योदय 5:55 बजे

BSE	NSE
76,391.39	23,767.45
(-331.62)	(-102.15)

सोना	चांदी
15,056 रु.	240,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने दी मंजूरी

प्रश्नपत्र लीक के लिए कड़ी सजा के प्रावधान

मौजूदा कानून में व्यक्तिगत रूप से शामिल लोगों के लिए तीन से पांच साल तक की कैद का प्रावधान है, जबकि संगठित रूप से धोखाधड़ी और प्रश्नपत्र लीक जैसे अपराधों में शामिल लोगों के लिए पांच से 10 साल तक की कैद और कम से कम एक करोड़ रुपये के जुर्माने का प्रावधान है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने प्रश्नपत्र लीक के मामलों में कड़ी सजा का प्रावधान सुनिश्चित करने के लिए एक विधेयक के मसौदे को शुक्रवार को मंजूरी दे दी। इसमें 10 करोड़ रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान भी शामिल है। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को घोषणा की थी कि अगले हफ्ते संसद में एक विधेयक पेश किया जाएगा, जिसमें प्रश्नपत्र लीक के खिलाफ सख्त प्रावधान होंगे। इस घोषणा के कुछ घंटे बाद मंत्रिमंडल ने मसौदे को मंजूरी दी। सूत्रों ने बताया कि संसद भवन परिसर में प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में प्रश्नपत्र लीक के मामलों में शामिल लोगों को मौजूदा कानूनों की तुलना में अधिक कड़ी सजा देने का प्रावधान करने के लिए एक विधेयक के मसौदे को मंजूरी दी गई। सूत्रों ने बताया कि इस विधेयक के जरिये लोक परीक्षा (अनुचित साधनों का निवारण) विधेयक, 2024' में संशोधन किया जायेगा। इसमें प्रश्नपत्र लीक में शामिल व्यक्तियों के लिए कम से कम पांच साल की जेल की सजा और/या जुर्माने का प्रस्ताव किया गया है। सूत्रों के अनुसार इसमें संगठित तरीके से किए गए प्रश्नपत्र लीक के मामलों में 10 साल तक की जेल की सजा और अधिकतम 10 करोड़ रुपये के जुर्माने का प्रावधान प्रस्तावित किया गया है।

मौजूदा कानून में व्यक्तिगत रूप से शामिल लोगों के लिए तीन से पांच साल तक की कैद का प्रावधान है, जबकि संगठित रूप से धोखाधड़ी और प्रश्नपत्र लीक जैसे अपराधों में शामिल लोगों के लिए पांच से 10 साल तक की कैद और कम से कम एक करोड़ रुपये के जुर्माने का प्रावधान है। इस विधेयक का उद्देश्य उन संगठित गिरोहों और संस्थानों को गलत कृत्य करने से रोकना है, जो आर्थिक लाभ के लिए अनुचित साधनों का सहारा लेते हैं। साथ ही अभ्यर्थियों को इसके प्रावधानों से संरक्षण प्रदान करना है। मौजूदा कानून का उद्देश्य यूपीएससी, एसएससी आदि जैसी भर्ती परीक्षाओं और नीट, जेईई तथा सीयूईटी जैसी प्रवेश परीक्षाओं में प्रश्नपत्र लीक, कदाचार और संगठित कदाचार पर रोक लगाना है। सूत्रों ने बताया कि संशोधित विधेयक के सोमवार को संसद में पेश किए जाने की संभावना है।

प्रधानमंत्री ने बृहस्पतिवार की मध्यरात्रि को एक वीडियो संदेश में कहा था, ''सोमवार को जब संसद के मानसून सत्र का दूसरा सप्ताह शुरू होगा, तो प्रश्नपत्र लीक के मामलों में सख्त कार्रवाई के प्रावधानों वाला एक विधेयक लाया जाएगा और हम उसे जल्द से जल्द पारित कराने की कोशिश करेंगे।' ' यह घोषणा ऐसे समय में की गई, जब कॉकरोच जनता पार्टी (कॉजपा) शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे, परीक्षा में हुई अनियमितताओं के लिए जवाबदेही तय करने, शिक्षा प्रणाली में सुधार और मई में नीट-यूजी परीक्षा के प्रश्नपत्र लीक होने के बाद आत्महत्या करने वाले छात्रों के परिवारों को एक करोड़ रुपये का मुआवजा देने की मांग को लेकर जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रही है।

वंदे मातरम् के अपमान को दंडनीय बनाने के प्रावधान वाला विधेयक राज्यसभा में पेश

नई दिल्ली/भाषा। राज्यसभा में सरकार ने शुक्रवार को एक विधेयक पेश किया, जिसके प्रावधानों के तहत राष्ट्रगीत वंदे मातरम के गायन के दौरान किसी भी तरह का व्यवधान डालना या उसका अपमान करना आपराधिक कृत्य माना जायेगा और इसके लिए तीन वर्ष तक की सजा हो सकती है। सदन ने इस विधेयक के विरोध में विपक्ष द्वारा लाये गये प्रस्तावों को ध्वनिमत से खारिज कर दिया। नीट प्रश्न पत्र लीक होने के मुद्दे पर उच्च सदन में विपक्ष के हंगामे के बीच गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने आसन की अनुमति से राष्ट्र गौरव अपमान निवारण (संशोधन) विधेयक, 2026 पेश किया। इस विधेयक के तहत 1971 के मूल अधिनियम में संशोधन का प्रावधान किया गया है।

संशोधन विधेयक के विरोध में प्रस्ताव रखते हुए मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के जॉन ब्रिटास ने कहा कि संविधान में जो बात तय हो चुकी है, संसद उसे सामान्य अधिनियम के जरिये संशोधित नहीं कर सकती है। उन्होंने कहा कि यह संशोधन विधेयक पूर्णत: देश के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद की मंशा पर आधारित है किंतु यह संविधान के उन संदर्भो की अनदेखी करता है जिनके आधार पर मूल कानून बनाया गया था। ब्रिटास ने कहा कि संविधान सभा ने लगातार तीन वर्ष तक गहन विचार विमर्श करने के बाद राष्ट्रगान और राष्ट्रगीत को एक समान दर्जा नहीं दिया था।

गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल शुक्रवार को अहमदाबाद जिले में भारी बारिश से प्रभावित इलाकों का जायज़ा लेते हुए जलभराव वाले रास्ते से गुजरते हुए।

सेना के दलों ने अहमदाबाद के बाढ़ प्रभावित लोगों को सुरक्षित निकाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। पिछले कुछ दिनों से गुजरात में हो रही भारी बारिश के बीच शुक्रवार को सेना ने अहमदाबाद के पॉश इलाके बोपल से कम से कम 100 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। बृहस्पतिवार सुबह छह बजे से शुक्रवार दोपहर 12 बजे तक, यानी 36 घंटों में बोपल इलाके में 491 मिलीमीटर (मिमी) बारिश हुई है। रक्षा विभाग के जन संपर्क अधिकारी अभिषेक तिवारी ने बताया कि बोपल इलाके में छनालाल जोशी मार्ग पर चार ट्रकों और चार नावों के साथ सेना की बाढ़ राहत की दो टीम तैनात हैं ताकि फंसे हुए लोगों को सुरक्षित निकाला जा सके।

उन्होंने बताया कि शुक्रवार दोपहर तक बोपल से लगभग 100 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया रक्षा जन संपर्क अधिकारी द्वारा साझा किये गये वीडियो में सेना के जवान बोपल में घुटने तक भरे पानी में लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाते नजर आ रहे हैं। उनमें एक परिवार अपने पालतू कुत्ते के साथ भी था। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने बाढ़ से प्रभावित बोपल का दौरा किया तथा पानी से भरी गलियों में जाकर बचाव, राहत और पानी निकासी के कामों का जायजा लिया। जन संपर्क अधिकारी (गुजरात-रक्षा) ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''गोल्डन कतार डिवीजन की बाढ़ राहत टुकड़ियों को वलसाड, नवसारी, अहमदाबाद शहर और ग्रामीण इलाकों में तैनात किया गया है। बाढ़ राहत के जवान फंसे हुए लोगों को बचाने, जरूरी मदद पहुंचाने और प्रभावित समुदायों में उम्मीद जगाने के लिए पूरी तरह तैयार और प्रतिबद्ध हैं।''

अधिकारियों ने बताया कि शुक्रवार को लगातार तीसरे दिन भी गुजरात में भारी बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त रहा; कई गांव बाकी इलाकों से कट गए, 38,000 लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया गया और 352 से ज़्यादा लोगों को बचाया गया। कुछ जगहों पर 24 घंटों में 400 मिमी से अधिक बारिश दर्ज की गई, जिसके बाद राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) और सेना की टीम बाढ़ प्रभावित इलाकों में राहत एवं बचाव कार्य में जुट गईं, जबकि प्रशासन ने स्कूल बंद कर दिए और मुंबई जाने वाली ट्रेनें रद्द कर दीं। दक्षिण गुजरात के वलसाड, नवसारी और सूरत ज़िलों के साथ-साथ राज्य के मध्य भाग के अहमदाबाद और खेड़ा ज़िलों में सुबह छह बजे तक के 24 घंटों के दौरान बहुत भारी बारिश हुई।

नीट प्रश्नपत्र लीक को रोकने संबंधी कदमों की कड़ी निगरानी करेगा उच्च न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को केंद्र सरकार से कहा कि वह राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा (नीट) के प्रश्नपत्र लीक को रोकने के लिए उठाए जा रहे कदमों की कड़ी निगरानी करेगा। न्यायालय ने यह भी कहा कि वर्षों से चली आ रही तदर्थ व्यवस्थाओं ने परेशानी खड़ी की है। 'फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया मेडिकल एसोसिएशन' (एफएआईएमए) की अर्जी समेत कई याचिकाओं पर सुनवाई कर रही न्यायमूर्ति पी. एस. नरसिम्हा और न्यायमूर्ति आलोक अराधे की पीठ ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से कहा कि केंद्र सरकार परीक्षा प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने, भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के पूर्व अध्यक्ष डॉ. के. राधाकृष्णन समिति की सिफारिशों के लागू करने तथा भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों की परीक्षा प्रणाली से जुड़े मॉडल को अपनाने के संबंध में विस्तृत हलफनामा दाखिल करे। शिक्षा मंत्रालय ने सात-सदस्यीय राधाकृष्णन समिति का गठन नीट-यूजी प्रश्नपत्र लीक के बाद परीक्षा प्रक्रिया, डेटा सुरक्षा व्यवस्था तथा राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) की संरचना और कार्यप्रणाली में सुधार संबंधी सिफारिशें देने के लिए किया था। याचिकाओं में से एक में नीट-यूजी आयोजित करने वाली राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी के पुनर्गठन अथवा उसके स्थान पर मेडिकल प्रवेश परीक्षाओं के संचालन के लिए अधिक सशक्त और स्वायत्त निकाय गठित करने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया है। मेहता ने कहा कि इस मामले में कुछ नए घटनाक्रम हुए हैं और केंद्र सरकार एक विस्तृत रिपोर्ट दाखिल करेगी।

पूर्व अनुमति के बिना कार्यवाही सोशल मीडिया पर पोस्ट या अपलोड करने पर रोक : उच्चतम न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को उसकी कार्यवाही की ऑडियो-वीडियो रिकॉर्डिंग को संबंधित सेक्रेटरी जनरल या उच्च न्यायालयों के रजिस्ट्रार जनरल की पूर्व अनुमति के बिना सोशल मीडिया और अन्य डिजिटल मंचों पर 'पोस्ट' करने, दोबारा साझा (रीपोस्ट) करने या अपलोड' करने पर अंतरिम रोक लगा दी।

भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने अदालत की कार्यवाही के 'लाइव-स्ट्रीम' और उसके वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित किए जाने के कथित दुरुपयोग का मुद्दा उठाने वाली एक याचिका पर केंद्र सरकार तथा अन्य पक्षों से जवाब भी मांगा। पीठ ने कहा, ''अंतरिम उपाय के तौर पर निर्देश दिया जाता है कि इस न्यायालय के सेक्रेटरी जनरल या संबंधित उच्च न्यायालयों के रजिस्ट्रार जनरल की पूर्व अनुमति के बिना न्यायिक कार्यवाही की ऑडियो-वीडियो रिकॉर्डिंग का कोई भी अंश निकालने (क्लिप तैयार करने), उसमें बदलाव करने, उसका प्रसार करने, सोशल मीडिया या अन्य डिजिटल मंचों पर पोस्ट करने, दोबारा साझा (रीपोस्ट) करने अथवा अपलोड करने की अनुमति नहीं होगी।'' याचिकाकर्ता की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता विकास सिंह ने अदालत की कार्यवाही के वीडियो का सोशल मीडिया और अन्य डिजिटल मंचों पर कथित दुरुपयोग किए जाने का मुद्दा उठाया। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने विकास सिंह की दलील से सहमति जताते हुए कहा कि इस संबंध में कुछ न कुछ नियमन होना चाहिए।

हिमाचल प्रदेश के लाहौल-स्पीति ज़िले में उदयपुर-किलार मार्ग पर कडू नाला के पास शुक्रवारको हुए भूस्खलन के बाद मलबे और पत्थरों के बीच पड़ी एक क्षतिग्रस्त टैक्सी। इस हादसे में 13 लोगों की जान चली गई।

हिमाचल प्रदेश में वाहन पर चट्टानें गिरने से 13 लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिमला/भाषा। हिमाचल प्रदेश के लाहौल-स्पीति में उदयपुर-पांगी मार्ग पर पहाड़ी से विशाल चट्टानें एक टैक्सी पर गिरने से 13 लोगों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य लोग बाल-बाल बच गये। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मृतकों में छह महीने का एक शिशु भी शामिल है। पुलिस ने बताया कि कुल्लू से किलाड़ जा रहे वाहन में 15 लोग सवार थे। पुलिस ने बताया कि विशाल चट्टानें गिरने से वाहन पूरी तरह उसके नीचे दब गया और वाहन के पिछले हिस्से में आग लग गई। मौके पर मौजूद राहगीरों और सेना के जवानों ने आग बुझाने का प्रयास किया। इस घटना के वीडियो भी सामने आए हैं, जिनमें वाहन को पूरी तरह क्षतिग्रस्त और आग की लपटों से घिरा हुआ देखा जा सकता है। घटना की पुष्टि करते हुए भरमौर के विधायक जनक राज ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा कि वाहन में सवार 15 लोगों में से 13 की मौत हो गई, जबकि वाहन से बाहर कूदे दो लोग बच गए।

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

उपवास का उपहास

था उपवास त्यागमय लेकिन,
मिडिया में उपहास हुआ।
राजनीति के गलियारों में,
अनशन नकली रास हुआ।
मुक्त हुए सोनम मुश्किल से,
सबको यह आभास हुआ।
जो मुद्दा सबसे प्रधान था,
इस्तीफा इतिहास हुआ।।

विपक्ष प्रधान के इस्तीफे पर अड़ा, मानसून सत्र का पहला सप्ताह हंगामे की भेंट चढ़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। नीट परीक्षा प्रश्नपत्र लीक मामले पर चर्चा से पहले शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग पर अड़े विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण शुक्रवार को भी संसद के दोनों सदनों में गतिरोध कायम रहा और लोकसभा एक बार के स्थगन, वहीं राज्यसभा दो बार के स्थगन के बाद दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई। मानसून सत्र की शुरुआत से ही दोनों सदनों में कोई महत्वपूर्ण विधायी कामकाज नहीं हो सका तथा प्रश्नकाल और शून्यकाल भी नहीं चल सके। लोकसभा की बैठक सुबह शुरू होते ही अध्यक्ष ओम बिरला ने 26 जुलाई को मनाए जाने वाले कारगिल विजय दिवस का उल्लेख किया। इसके बाद सदन ने कारगिल संघर्ष में सर्वोच्च बलिदान देने वाले सशस्त्र बलों के जवानों को मौन रखकर श्रद्धांजलि दी। कारगिल विजय दिवस हर वर्ष 26 जुलाई को मनाया जाता है। इस बार 26 जुलाई को रविवार होने के कारण अवकाश है, इसलिए शुक्रवार को ही कारगिल के शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई।श्रद्धांजलि के बाद विपक्षी सदस्य नीट प्रश्नपत्र लीक मामले को लेकर सोमवार को राजधानी में प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर पुलिस की कार्रवाई सहित विभिन्न मुद्दों को उठाते हुए सरकार के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने विपक्षी सदस्यों से प्रश्नकाल चलने देने की अपील करते हुए कहा कि प्रश्नकाल समाप्त होने के बाद उन्हें अपनी बात रखने का अवसर दिया जाएगा। बिरला ने यह भी कहा कि प्रश्नकाल के बाद नियमों के तहत किसी भी विषय पर चर्चा की अनुमति दी जाएगी। हालांकि, विपक्षी सदस्यों का हंगामा जारी रहने पर उन्होंने सदन की कार्यवाही दोपहर 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दी।

कॉजपा धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे पर अडिग

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा से जुड़े विवाद के खिलाफ प्रदर्शनों का नेतृत्व कर रही कॉकरोच जनता पार्टी ने केंद्रीय मंत्रियों से शुक्रवार को कहा कि शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की उसकी मांग को लेकर कोई समझौता नहीं हो सकता। कॉजपा ने सरकार से 20 जुलाई को बेरहमी से पीटे गए प्रदर्शनकारी छात्रों से सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग की। कॉजपा के प्रवक्ता सौरभ दास ने कहा कि केंद्रीय मंत्रियों जे. पी. नड्डा और जितेंद्र सिंह के साथ हुई बैठक में तीन मई को हुई नीट परीक्षा रद्द होने के बाद ''आत्महत्या करने वाले'' छात्रों के परिवारों को एक-एक करोड़ रुपये का मुआवजा दिए जाने की भी मांग की।

असम बाढ़ : 47 लोगों की मौत, 40 लापता, 7.21 लाख लोग प्रभावित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम में लगातार बारिश के कारण कई नदियों का जलस्तर बढ़ने से बाढ़ की स्थिति शुक्रवार को भी गंभीर बनी रही। राज्य में बाढ़ से अब तक 47 लोगों की मौत हो चुकी है और 11 जिलों में 7.21 लाख से अधिक लोग प्रभावित हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बताया कि करीब 40 लोग अब भी लापता हैं और मृतकों की संख्या भी बढ़ सकती है।

मुख्यमंत्री शर्मा बाढ़ प्रभावित जिलों में स्थिति की समीक्षा के लिए जिला आयुक्तों और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से बैठक करेंगे। इस दौरान वह संकट से निपटने के लिए प्रशासन की ओर से किए जा रहे उपायों का जायजा लेंगे।

उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, स्थिति में थोड़ा सुधार हुआ है, लेकिन हम अब भी करीब 20 प्रतिशत प्रभावित लोगों तक नहीं पहुंच पाए हैं। मेरा मानना है कि आज हम उन तक पहुंचने में सफल होंगे। शर्मा ने कहा कि जानकारी के अनुसार करीब 40 लोग लापता हैं और मृतकों की संख्या भी बढ़ने की आशंका है। उन्होंने कहा, सरकार बाढ़ पीड़ितों के साथ है और हर संभव मदद करेगी। बाढ़ से हुए नुकसान का आकलन करने के लिए केंद्र सरकार की एक टीम 25 जुलाई को राज्य का दौरा करेगी। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) के एक प्रवक्ता ने बताया कि शुक्रवार सुबह नौ बजे शिवसागर शहर में दिखौ नदी का जलस्तर अब भी गंभीर बाढ़ स्तर से ऊपर था। उन्होंने कहा, दिखौ नदी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। इसे देखते हुए लोगों को नदी से दूर रहने की सलाह दी गई है। फिलहाल खोवांग में बुरीदिहिंग, नांगला मुराघाट में दिसांग, शिवसागर में दिखौ, नुमालीगढ़ में धनसिरी और श्रीभूमि में कुशियारा नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। एएसडीएमए की ओर से बृहस्पतिवार रात जारी बाढ़ बुलेटिन के अनुसार, 24 घंटों के दौरान बाढ़ से छह लोगों की मौत हो गई है। इसमें बताया गया कि शिवसागर जिले में बाढ़ के पानी में डूबने से चार लोगों, जिनमें एक महिला और एक बच्चा शामिल हैं, की मौत हुई है। वहीं चराइदेव जिले में दो लोगों, जिनमें एक बच्चा शामिल है, की मौत हुई है।

कड़ी सुरक्षा के बीच पुरी में बहुड़ा यात्रा शुरू

लाखों लोगों ने भगवान जगन्नाथ की शोभायात्रा देखी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुरी/भाषा। ओडिशा के पुरी में भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा की वापसी की रथयात्रा 'बहुड़ा यात्रा' शुक्रवार को भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच शुरू हो गई और इस यात्रा में शामिल होने के लिए लाखों श्रद्धालु पुरी में उमड़ पड़े। 'बहुड़ा यात्रा' इस वार्षिक रथयात्रा का दूसरा चरण है जिसमें भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा गुंडिचा मंदिर से 12वीं सदी के जगन्नाथ मंदिर लौटते हैं। गुंडिचा मंदिर यहां से लगभग 2.6 किलोमीटर दूर है। अनुष्ठानों की शुरुआत सेवादारों द्वारा पारंपरिक 'गोटी पहंडी' (एक कतार में शोभायात्रा) के जरिए भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा को मंदिर के बाहर खड़े रथों तक ले जाने के साथ हुई।

'पहंडी' की प्रक्रिया अपराह्न के समय शुरू होनी थी लेकिन यह सुबह 10 बजकर 50 मिनट पर शुरू हो गई। 'जय जगन्नाथ'' और 'हरिबोल'' के जयघोष के बीच भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा को एक-एक करके उनके संबंधित रथों में विराजमान कराया गया। तीनों रथ भगवान बलभद्र का 'तालध्वज', देवी सुभद्रा का 'दर्पदलन' और भगवान जगन्नाथ के 'नंदीघोष' को बाद में श्रद्धालु जगन्नाथ मंदिर तक खींचकर ले जाएंगे।

मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी, विपक्ष के नेता नवीन पटनायक और कई अन्य नेताओं ने इस मौके पर श्रद्धालुओं का अभिवादन किया। माझी ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, पवित्र बहुड़ा यात्रा के अवसर पर हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं। भगवान जगन्नाथ, माता सुभद्रा और भगवान बलभद्र की असीम कृपा सभी के जीवन को खुशी, शांति, समृद्धि और आनंद से भर दे। भगवान जगन्नाथ के दिव्य चक्र चक्रराज 'सुदर्शन' को सबसे पहले श्री गुंडिचा मंदिर से बाहर लाया गया और देवी सुभद्रा के 'दर्पदलन' रथ पर रखा गया।

इसके बाद भगवान बलभद्र को लाया गया, जबकि देवी सुभद्रा को विशेष शून्य 'पहंडी' शोभायात्रा में उनके रथ तक ले जाया गया। इस शोभायात्रा में सेवादारों द्वारा ले जाते समय देवी का मुख आकाश की ओर होता है। शोभायात्रा के अंत में भगवान जगन्नाथ को उनके 'नंदीघोष' रथ तक ले जाया जाता है। श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन (एसजेटीए) के कार्यक्रम के अनुसार, पुरी के गजपति महाराजा दिब्यसिंह देब अपराह्न ढाई बजे से अपराह्न साढ़े तीन बजे के बीच 'छेरा पहनरा' (रथों की सफाई) की विधि करेंगे जिसके बाद श्रद्धालु शाम चार बजे रथ खींचना शुरू करेंगे। उत्सव का आयोजन कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच किया जा रहा है क्योंकि पिछली रथ यात्रा के दौरान भीड़ बढ़ने से दो लोगों की मौत हो गई थी और कई अन्य घायल हो गए थे। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजी) सौमेंद्र प्रियदर्शी ने कहा, उत्सव के लिए हमने बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की है क्योंकि श्रद्धालुओं की संख्या दिन-ब-दिन बढ़ रही है। हमारी सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन की व्यवस्था 16 जुलाई को आयोजित रथयात्रा के दौरान किए गए बंदोबस्त के समान ही रहेगी।

केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) के जवानों सहित 13,000 से अधिक सुरक्षाकर्मियों की तैनाती के अलावा समूचे शहर में निगरानी और भीड़ प्रबंधन के लिए 400 से अधिक कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। पुलिस महानिदेशक वाई.बी. खुरानिया ने कहा, ''हम यह सुनिश्चित करने के लिए हरसंभव कोशिश कर रहे हैं कि उत्सव शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो।'' इस बीच, भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने पुरी में बादल छाए रहने का अनुमान जताया है। साथ ही, आर्द्रता 80 से 90 प्रतिशत के बीच रहने तथा तापमान 29 से 30 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है।

दिल्ली में जारी विरोध-प्रदर्शनों के पीछे विदेशी ताकतों का हाथ : आरएसएस नेता इंद्रेश कुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य इंद्रेश कुमार ने पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक से अपील की है कि वह अपने आंदोलन को 'भारतीय' बनाए रखें। वांगचुक के अपनी भूख हड़ताल खत्म करने के बाद कुमार ने आरोप लगाया कि 'विदेशी ताकतों' ने आंदोलन पर कब्जा कर लिया है। कुमार ने युवाओं को देश-विरोधी ताकतों का एजेंट' बनने के खिलाफ चेतावनी दी।

कुमार ने कहा कि वांगचुक और कॉकरोच जनता पार्टी (कॉजपा) अलग-अलग चीज हैं और आरोप लगाया कि कॉजपा विदेशी ताकतों की 'एजेंसी' के तौर पर काम कर रही है। कुमार ने कहा, ''ये दोनों प्रकृति के लिहाज से अलग-अलग हैं। सोनम वांगचुक एक व्यक्ति हैं और कॉजपा बिल्कुल अलग है। राजनीतिक पार्टियों के एजेंडे भी अलग-अलग होते हैं। उन्होंने सबकी छवि खराब करने के लिए इन्हें मिला दिया है। इसीलिए सोनम वांगचुक ने खुद को इससे अलग कर लिया है।'' कुमार ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''मैं कहूंगा कि उन्हें यह समझना चाहिए कि उनके आंदोलन पर विदेशियों ने कब्जा कर लिया है। इसलिए उन्हें अपने आंदोलन को भारतीय बनाए रखना चाहिए। उन्हें विदेशियों के हाथों की कठपुतली नहीं बनना चाहिए।'' यह आरोप लगाते हुए कि कॉजपा विदेशी हितों के लिए काम कर रही है, उन्होंने कहा, ''मैं वहां आने वाले युवाओं से कहूंगा कि वे सावधान रहें। जो लोग देश के साथ गद्दारी करते हैं और देश को धोखा देते हैं, उनकी कठपुतली या एजेंट न बनें।'' उन्होंने राजनीतिक पार्टियों को राजनीति के लिए देश-विरोधी गतिविधियों को बढ़ावा देने के खिलाफ चेतावनी दी। कुमार ने कहा, ''उन्हें सकारात्मक राजनीति करनी चाहिए।''

प्रियंका गांधी वायनाड के भूस्खलन प्रभावित स्थल का आज दौरा करेंगी

वायनाड (केरल)/भाषा। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाद्रा यहां कल्लाडी स्थित भूस्खलन प्रभावित स्थल का 25 जुलाई को दौरा करेंगी। यह आठ लोगों की जान लेने वाली आपदा के बाद उनका पहला दौरा होगा। पार्टी सूत्रों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

वायनाड की कांग्रेस सांसद शनिवार सुबह कोझिकोड पहुंचेंगी और वहां से सड़क मार्ग से कल्लाडी जाएंगी। वह अनाक्कमपॉयल सुरंग सड़क परियोजना के पास आपदा स्थल का दौरा करेंगी और उसके बाद 7 जुलाई की घटना में घायल हुए लोगों से मिलेंगी। सूत्रों के मुताबिक, वाद्रा बचाव अभियान में शामिल लोगों के सम्मान में आयोजित कार्यक्रम में भी शामिल होंगी। वायनाड और कोझिकोड जिलों को जोड़ने के लिए बनाए जा रहे अनाक्कमपॉयल-मेप्पाडी सुरंग परियोजना स्थल पर हुए भूस्खलन में आठ लोगों की मौत हो गई थी।

क्वांटम शोध के लिए आदर्श केंद्र है अमरावती : आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री

अमरावती/भाषा। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने शुक्रवार को कहा कि राज्य अमरावती क्वांटम वैली की स्थापना के प्रयास तेज कर रहा है और इस दिशा में क्वांटम कंप्यूटिंग तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) विकास के प्रमुख आधार बनने चाहिए। क्वांटिन्यूम के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) रजीब हाजरा के नेतृत्व में वैश्विक फुल-स्टैक क्वांटम कंप्यूटिंग कंपनी के एक प्रतिनिधिमंडल ने सचिवालय में मुख्यमंत्री से मुलाकात की। इस दौरान अमरावती क्वांटम वैली को क्वांटम नवाचार, उन्नत अनुसंधान और अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी विकास के वैश्विक केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए रणनीतिक साझेदारी पर चर्चा की गई। नायडू ने एक विज्ञप्ति में कहा, अमरावती क्वांटम अनुसंधान और नवाचार के लिए एक आदर्श स्थान है।

जेएनयू ने छात्रों को जंतर-मंतर पर प्रदर्शन से दूर रहने की सलाह दी

नई दिल्ली/भाषा। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) ने शुक्रवार को छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों को सलाह दी कि वे जंतर-मंतर या उसके आसपास होने वाले किसी भी सभा में शामिल होने बचें। विश्वविद्यालय ने विरोध प्रदर्शनों के बीच सभी से अपनी सुरक्षा को प्राथमिकता देने और सोशल मीडिया पर जिम्मेदारीपूर्वक व्यवहार करने की अपील की। विश्वविद्यालय ने अपने आधिकारिक एक्स' हैंडल पर जारी परामर्श में कहा कि जेएनयू से जुड़े सभी लोगों को जिम्मेदारी से काम करना चाहिए और सार्वजनिक प्रदर्शनों से जुड़े उच्चतम न्यायालय के निर्देशों के अनुसार जंतर-मंतर के आसपास प्रदर्शन स्थलों पर जाने से बचना चाहिए।

मुनिश्री निपुणरत्नविजय का कल भायंदर में होगा चातुर्मास प्रवेश

प्रवेश के मौके पर जापान सहित देश भर के श्रद्धालु होंगे शामिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुम्बई। सौधर्म बृहत्तपागच्छीय त्रिस्तुतिक जैनाचार्य जयन्तसेनसूरीश्वरजी के शिष्य मुनिश्री निपुणरत्नविजयजी का इस वर्ष का चातुर्मास भायंदर में रविवार को होने जा रहा है उनका यह प्रथम चातुर्मास होने के कारण पूरे जैन समाज में उत्साह और श्रद्धा का वातावरण बना हुआ है। थराद त्रिस्तुतिक जैन संघ, मुंबई द्वारा 'मग्गदयाणं' के नाम से आयोजित इस का चातुर्मास मंगल प्रवेश की तैयारी की गई है।

चातुर्मास मंगल प्रवेश की शुरुआत 52 जिनालय से होगी। मंगल प्रवेश के उपरांत अग्रवाल ग्राउंड में अस्थायी बनाए मंडप में धर्मसभा आयोजित की जाएगी जिसमें मुनिश्री निपुणरत्न विजयजी धर्म, संयम, आत्मकल्याण, अहिंसा और सदाचार का संदेश देंगे। मुनिश्री निपुणरत्न विजयजी का संयम जीवन लगभग 25 वर्षों का हो चुका है। इस दौरान उन्होंने देशभर में धर्म प्रचार, प्रवचन, स्वाध्याय, तप और समाज में नैतिक मूल्यों के प्रसार का कार्य किया है। भायंदर का यह चातुर्मास उनके संयम जीवन का दूसरा स्वतंत्र चातुर्मास माना जा रहा है, जो उनके आध्यात्मिक जीवन की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। चातुर्मास प्रवेश में महाराष्ट्र सहित गुजरात, राजस्थान एवं दक्षिण भारत के राज्यों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है, इस चातुर्मास प्रवेश में जापान से 81 नागरिकों आ रहे हैं। मुंबई संघ द्वारा आयोजन को सफल बनाने के लिए अलग-अलग समितियों का गठन किया गया है।

अश्लील सामग्री प्रदर्शित करने व कानूनों का उल्लंघन करने पर 50 ओटीटी प्लेटफॉर्म बंद किए गए

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने शुक्रवार को संसद में कहा कि अश्लील सामग्री प्रदर्शित करने और संबंधित कानूनों का उल्लंघन करने पर पिछले दो वर्ष में 50 ओटीटी प्लेटफॉर्म को बंद किया गया है। इसके साथ ही सरकार ने कहा कि उसने सोशल मीडिया मंचों पर बाल यौन शोषण सामग्री (सीएसएएम) से जुड़े विज्ञापनों की हालिया खबरों को गंभीरता से लिया है और उन्हें तत्काल सुधारात्मक उपाय करने के लिए नोटिस जारी किए गए हैं। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने भी इन सोशल मीडिया मंचों को नोटिस जारी किया है।

सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि पिछले दो वर्ष में अश्लील सामग्री प्रदर्शित करने और आईटी अधिनियम, भारतीय न्याय संहिता और महिलाओं का अश्लील प्रतिनिधित्व (निषेध) अधिनियम, 1986 के प्रावधानों के उल्लंघन के लिए भारत में सार्वजनिक पहुंच हेतु 50 ओटीटी प्लेटफॉर्म को भी बंद कर दिया गया है। वैष्णव ने सवाल के लिखित जवाब में राज्यसभा को यह जानकारी दी। उनसे सवाल किया गया था, ''क्या सरकार ने इस बात पर ध्यान दिया है कि बच्चों के लिए बने मोबाइल ऐप पर अश्लील विज्ञापन दिखाए जाते हैं?''

सड़क दुर्घटनाएं रोकने के लिए किफायती, व्यावहारिक उपायों की जरूरत : विशेषज्ञ

नई दिल्ली/भाषा। सड़क सुरक्षा विशेषज्ञों ने शुक्रवार को देश में सड़क सुरक्षा की चिंताजनक स्थिति पर चिंता जताते हुए सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए व्यावहारिक, व्यापक स्तर पर लागू किए जा सकने वाले और कम लागत वाले समाधानों की तत्काल जरूरत बतायी। विशेषज्ञों ने कहा कि भारत शहरों में साक्ष्य आधारित और किफायती उपायों को अपनाकर सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों को काफी हद तक कम कर सकता है। अंतरराष्ट्रीय सड़क महासंघ (आईआरएफ) की भारतीय इकाई की ओर से आयोजित एक सम्मेलन में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) दिल्ली के प्रोफेसर गीतम तिवारी ने कहा कि रात के समय सड़कों पर बेहतर दृश्यता के लिए सड़क चिह्नों (रोड मार्किंग) में सुधार से शहरों में सड़क सुरक्षा को काफी बढ़ाया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनाई जा रही बेहतर प्रक्रियाओं को लागू करने से दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सकती है और सभी सड़क उपयोगकर्ताओं के लिए आवागमन को सुरक्षित बनाया जा सकता है। आईआरएफ के मानद अध्यक्ष के के कपिला ने कहा कि ज्यादातर शहरी सड़क दुर्घटनाएं सामान्य यातायात गति वाली सड़कों के डिजाइन में मौजूद रोजमर्रा की कमियों के कारण होती हैं।

छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ करने वालों को मिलेगी कड़ी सजा : सिंधिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ग्वालियर/भाषा। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने शुक्रवार को कहा कि छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ करने वालों को कड़ी सजा दी जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रश्न पत्र लीक के मामलों में त्वरित न्याय सुनिश्चित करने के लिए सरकार त्वरित अदालतें स्थापित करेगी। ग्वालियर में संवाददाताओं से बातचीत में सिंधिया ने नीट प्रश्न पत्र लीक की 'घटना को गलत' बताते हुए कहा कि मेहनत करने वाले छात्रों के हितों की रक्षा करना हर सरकार की सर्वोच्च जिम्मेदारी है।

राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट)-यूजी 2026 के प्रश्न पत्र लीक, केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की ऑन-स्क्रीन मूल्यांकन प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं तथा अन्य परीक्षाओं के संचालन में व्यापक सुधारों की मांग को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी (कॉजपा) और कई छात्र संगठनों के बैनर तले जून की शुरुआत से ही नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन जारी है। प्रदर्शनकारी केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की भी मांग कर रहे हैं। सिंधिया ने जंतर-मंतर पर चल रहे प्रदर्शन का उल्लेख करते हुए कहा, छात्रों का कल्याण देश के भविष्य से जुड़ा है। अनियमितताओं के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। त्वरित अदालतें त्वरित न्याय सुनिश्चित करेंगी और दोषियों को शीघ्र सजा मिलेगी। जो भी छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ करेगा, उसे कड़ी सजा दी जाएगी। छात्र केवल अपने लिए नहीं, बल्कि देश के भविष्य के लिए भी दिन-रात मेहनत करते हैं और उनके हितों की रक्षा करना हर सरकार का दायित्व है।

दिल्ली में प्रदर्शनकारी छात्रों के खिलाफ पुलिस बल का इस्तेमाल 'बदले' की कार्रवाई लगती है : ठाकरे

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) अध्यक्ष राज ठाकरे ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि कॉकरोच जनता पार्टी (कॉजपा) के 'संसद चलो' मार्च के दौरान दिल्ली पुलिस की ओर से बल का इस्तेमाल किया जाना भीड़ प्रबंधन के बजाय 'बदले' की कार्रवाई लगती है। ठाकरे ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) के कथित पेपर लीक के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे छात्रों के विरुद्ध बल प्रयोग के आरोपों को लेकर सवाल उठाया।

उन्होंने कहा कि अगर शारीरिक सजा देने पर शिक्षकों के खिलाफ कार्रवाई होती है, तो यही नियम उन पुलिसकर्मियों पर भी लागू होना चाहिए जिन्होंने छात्रों के साथ मारपीट की और उन लोगों पर भी यह नियम लागू होता है जिन्होंने उन्हें ऐसा करने का आदेश दिया। उन्होंने लिखा, ''अगर पुलिस विरोध कर रहे छात्रों को तितर-बितर करने के लिए हल्का लाठीचार्ज करती तो बात समझ में आती, लेकिन जो हुआ वह किसी बदले की कार्रवाई जैसा लग रहा था।'' उन्होंने दावा किया कि सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में न केवल विरोध कर रहे छात्र, बल्कि कई राहगीर भी पुलिस की कार्रवाई के दौरान पिटते हुए दिख रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि उच्च अधिकारियों के आदेश के बिना इतना बल प्रयोग नहीं किया गया होगा।

आंध्र, कर्नाटक में रेल खंड के विस्तार की 1,264 करोड़ रुपये की परियोजना स्वीकृत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) ने शुक्रवार को कर्नाटक और आंध्र प्रदेश में बेल्लारी-गुंटकल रेल खंड पर तीसरी एवं चौथी लाइन बिछाने की 1,264 करोड़ रुपये की परियोजना को मंजूरी दी।

यह परियोजना रेलवे की क्षमता बढ़ाने, माल एवं यात्री आवागमन को बेहतर बनाने और दोनों राज्यों के बीच संपर्क सुविधा मजबूत करने के उद्देश्य से 'प्रधानमंत्री गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान' के तहत लाई गई है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई सीसीईए की बैठक में इस परियोजना को मंजूरी दी गई। आधिकारिक बयान के अनुसार, यह परियोजना एकीकृत नियोजन एवं हितधारकों से परामर्श के जरिए बहु-स्तरीय संपर्क और लॉजिस्टिक दक्षता को बढ़ाने पर केंद्रित है। इससे लोगों, माल और सेवाओं के आवागमन में निर्बाध संपर्क सुनिश्चित होगा। दोनों राज्यों के तीन जिलों में फैली इस परियोजना से भारतीय रेलवे नेटवर्क में करीब 46 किलोमीटर की वृद्धि होगी। सरकार ने कहा, कई ट्रैक वाली इस परियोजना से करीब 99 गांवों को बेहतर रेल संपर्क मिलेगा, जिनकी कुल आबादी लगभग सात लाख है। इससे बेल्लारी किला और श्री कुमारस्वामी मंदिर जैसे पर्यटन स्थलों तक रेल संपर्क बेहतर होगा।

यह मार्ग लौह अयस्क, डोलोमाइट, चूना पत्थर, इस्पात, कोयला, उर्वरक और खाद्यान्न जैसी वस्तुओं के परिवहन के लिए महत्वपूर्ण है। परियोजना से सालाना 1.62 करोड़ टन अतिरिक्त माल की ढुलाई क्षमता विकसित होगी। सरकार ने कहा कि इस परियोजना से लॉजिस्टिक लागत घटेगी, तेल आयात में 1.32 करोड़ लीटर की कमी आएगी और 6.67 करोड़ किलोग्राम कार्बन उत्सर्जन घटेगा, जो लगभग 0.27 करोड़ पेड़ लगाने के बराबर है।

आईफोन की जगह दाढ़ी बढ़ाने का तेल मिला

फ्लिपकार्ट, विक्रेता को 1.11 लाख रु. के भुगतान का आदेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। मुंबई में आईफोन के ऑर्डर के बदले दाढ़ी बढ़ाने वाला तेल मिलने पर मुंबई की एक उपभोक्ता अदालत ने ई-कॉमर्स कंपनी फ्लिपकार्ट' और विक्रेता को आदेश दिया कि वे पीड़ित उपभोक्ता को 1.11 लाख रुपये से अधिक की रकम वापस दे। साथ ही, अदालत ने उन्हें 70,000 रुपये का मुआवजा और मुकदमा लड़ने में हुए खर्च का भुगतान करने का भी आदेश दिया। मुंबई (उपनगरीय) स्थित जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग ने इस महीने की शुरुआत में दिए अपने आदेश में कहा कि ग्राहक की शिकायतों को बार-बार बिना कोई प्रभावी राहत दिए बंद कर देना ''अनुचित व्यापार व्यवहार'' के अंतर्गत आता है।

उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग ने यह भी गौर किया कि ऑनलाइन मंच के जरिए जरूरी भुगतान करके ऑर्डर दिया गया था। आयोग ने कहा, ''इसलिए, प्रतिवादी पक्ष नंबर एक (फ्लिपकार्ट) की यह जिम्मेदारी थी कि वह यह सुनिश्चित करे कि ग्राहक को ऑर्डर किया गया उत्पाद मिले और ग्राहकों की शिकायतों के समाधान के लिए एक असरदार व्यवस्था उपलब्ध कराए।'' आयोग ने कहा कि कोई ई-कॉमर्स संस्था केवल बिक्री की सुविधा प्रदान करने के बाद उस लेनदेन से खुद को अलग नहीं कर सकती, खासकर तब जब उपभोक्ता तुरंत यह शिकायत करे कि उसे पूरी तरह से अलग उत्पाद की आपूर्ति की गई है। आयोग ने कहा कि शिकायत की जांच नहीं करना, गलत तरीके से आपूर्ति किए गए उत्पाद को वापस नहीं लेना, गलत उत्पाद की जगह उचित वस्तु की आपूर्ति नहीं करना या धनराशि वापस नहीं करना और बिना कोई प्रभावी राहत दिए बार-बार शिकायत को बंद कर देना साफ तौर पर सेवा में कमी और ''अनुचित व्यापार व्यवहार'' है। आयोग ने इस बात पर भी जोर दिया कि विक्रेता इंटरनेशनल 'वैल्यू रिटेल प्राइवेट लिमिटेड' द्वारा तय किए गए उत्पाद की आपूर्ति नहीं करना और बार-बार अनुरोध करने के बावजूद शिकायत का समाधान नहीं करना, स्पष्ट तौर पर उनकी तरफ से सेवा में कमी को साबित करता है। आयोग ने फैसले में कहा कि शिकायतकर्ता को हुए नुकसान और परेशानी के लिए ऑनलाइन मंच और विक्रेता दोनों ही संयुक्त रूप से और अलग-अलग तौर पर जिम्मेदार हैं। मुंबई के पवई इलाके में रहने वाले शिकायतकर्ता ने 22 अप्रैल 2023 को फ्लिपकार्ट से 'नो-कॉस्ट ईएमआई' योजना के तहत 1,11,793 रुपये में आईफोन-14 प्रो (128 जीबी) खरीदा था।

पश्चिम बंगाल में सशस्त्र लूट के मामले में वांछित दंपति चेन्नई से गिरफ्तार

चेन्नई। पश्चिम बंगाल के नंदी गांव में कुछ महीने पहले हुई सशस्त्र लूट की घटना के सिलसिले में वांछित एक दंपति को पश्चिम बंगाल पुलिस और स्थानीय पुलिस के संयुक्त अभियान में चेन्नई के मदुरावोयल इलाके से गिरफ्तार किया गया। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आरोपियों की पहचान अलीम खान (45) और सीमा खान (32) के रूप में हुई है। दोनों मदुरावोयल में एक रिश्तेदार के घर में छिपे हुए थे। पुलिस सूत्रों के अनुसार, इस मामले में पहले गिरफ्तार किए गए अन्य आरोपियों से पूछताछ के दौरान पश्चिम बंगाल पुलिस को दंपति के मदुरावोयल में होने की सूचना मिली।

तमिलनाडु सरकार औद्योगिक क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव लाने के लिए प्रतिबद्ध : विधानसभा अध्यक्ष

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु विधानसभा के अध्यक्ष जे. सी. टी. प्रभाकर ने शुक्रवार को कहा कि राज्य सरकार औद्योगिक वृद्धि के लिए प्रतिबद्ध है और आगामी बजट सत्र में अर्थव्यवस्था को गति देने वाले सक्रिय बदलावों की घोषणा की जाएगी।

प्रभाकर ने तमिझर 4.0 ग्लोबल ट्रेड एंड बिजनेस समिट' के इतर संवाददाताओं से कहा, सरकार की विभिन्न घोषणाओं से यह स्पष्ट है कि वह विशेष रूप से औद्योगिक क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव लाने के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री लोगों की अपेक्षाओं और जरूरतों के अनुरूप बदलाव लाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं और उनसे जुड़े सभी विषयों की विस्तृत जानकारी रखते हैं।

सम्मेलन की अध्यक्षता करने वाले प्रभाकर ने उद्योग जगत के प्रतिनिधियों से मांगों का एक ज्ञापन भी प्राप्त किया। सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र की जरूरतों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि उन्हें क्षेत्र की वृद्धि से संबंधित 10 सूत्री मांगपत्र सौंपा गया है। उन्होंने कहा, उद्योग प्रतिनिधियों ने स्पष्ट रूप से 10 ऐसी मांगें रखी हैं, जिन्हें सरकार के संज्ञान में लाया जाना चाहिए।

प्रभाकर ने बताया कि संगठन ने इन प्रस्तावों और योजनाओं पर विस्तार से चर्चा के लिए मुख्यमंत्री से औपचारिक मुलाकात का समय भी मांगा है। इस सम्मेलन का आयोजन 'तमिलियन ट्रेड, बिजनेस एंड एग्रीकल्चर काउंसिल' (तमिझर थोजिल वणिगा वेलन पेरुमंद्रम) ने किया।

नीट समाप्त कर 12वीं के अंकों के आधार पर हों मेडिकल दाखिले : द्रमुक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के प्रवक्ता टी. के. एस. एलंगोवन ने राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा (नीट) को लेकर अपनी पार्टी का रुख दोहराते हुए शुक्रवार को कहा कि मेडिकल पाठ्यक्रमों में दाखिला पूरी तरह से कक्षा 12 की बोर्ड परीक्षा के अंकों के आधार पर दिया जाना चाहिए। एलंगोवन ने कावेरी जल विवाद को लेकर कर्नाटक सरकार के रुख की भी आलोचना की। एलंगोवन ने 'पीटीआई वीडियो' से कहा, ''नीट ने स्कूली शिक्षा व्यवस्था को नुकसान पहुंचाया है। कक्षा एक से 12वीं तक लगातार अच्छे अंक हासिल करने वाले छात्र मेडिकल सीट पाने से वंचित रह जाते हैं, जबकि महंगे कोचिंग संस्थानों पर भारी रकम खर्च करने वाले छात्रों को प्रवेश मिल जाता है।''

नीट परीक्षा की संरचनात्मक असमानता का उल्लेख करते हुए उन्होंने अरियलूर जिले की छात्रा अनीता का उदाहरण दिया। एलंगोवन ने कहा कि अनीता ने स्कूल की परीक्षाओं में उत्कृष्ट अंक प्राप्त किए थे, लेकिन नीट के आधार पर मेडिकल सीट नहीं मिलने के बाद उसने आत्महत्या कर ली थी। उन्होंने कहा कि इस वर्ष नीट उत्तीर्ण करने वाले करीब नौ लाख अभ्यर्थियों के मुकाबले मेडिकल पाठ्यक्रमों में लगभग 91,000 सीट ही उपलब्ध हैं। द्रमुक नेता ने कहा कि सरकारी मेडिकल कॉलेज की लगभग 46,000 सीट पर पूरी तरह मेधा के आधार पर प्रवेश दिया जाता है, जबकि निजी संस्थानों की करीब 43,000 सीट पर कई मामलों में योग्यता से अधिक आर्थिक क्षमता को महत्व मिलता है। एलंगोवन ने कहा कि मेडिकल सीट का आवंटन पूरी तरह कक्षा 12 की बोर्ड परीक्षा के अंकों के आधार पर होना चाहिए।

अगस्त के प्रारंभ में तमिलनाडु और कर्नाटक के नेताओं के बीच प्रस्तावित वार्ता से पहले एलंगोवन ने साझा नदी जल संसाधनों पर राज्यों के अधिकारों का उल्लेख करते हुए कहा, अंतरराष्ट्रीय सिद्धांतों के अनुसार ऊपरी तटवर्ती राज्य निचले तटवर्ती राज्यों की ओर पानी के प्रवाह को नहीं रोक सकते।

एलंगोवन ने दोहराया कि कावेरी नदी के जल बंटवारे का अधिकार केवल कावेरी जल विवाद न्यायाधिकरण और कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण के पास है, न कि कर्नाटक सरकार के पास।

कर्नाटक ने मुख्यमंत्री विजय को राज्य के दौरे के लिए आधिकारिक निमंत्रण दिया : मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तंजावुर/भाषा। तमिलनाडु के कृषि मंत्री आर. विनोद ने शुक्रवार को पुष्टि की कि मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय को कर्नाटक सरकार की ओर से आधिकारिक निमंत्रण मिला है और तमिलनाडु के हितों की रक्षा के उद्देश्य से उनके पड़ोसी राज्य के दौरे पर जाने की संभावना है।

विनोद ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''कर्नाटक ने मुख्यमंत्री विजय को राज्य के दौरे के लिए आधिकारिक निमंत्रण दिया है।'' मीडिया के एक वर्ग में ऐसी खबरें हैं कि मुख्यमंत्री विजय तीन अगस्त को बेंगलूरु का दौरा कर सकते हैं। विनोद ने कहा कि यह निमंत्रण विशेष तौर पर मुख्यमंत्री को ही दिया गया है।

बेंगलूरु दौरे के एजेंडा के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि इसका मकसद लोगों और तमिलनाडु के लिए जो अच्छा है, उसे ''हासिल करना'' है। उन्होंने विवादित मेकेदातु बांध परियोजना के बारे में राज्य का रुख फिर से दोहराते हुए कहा, ''हमने अब तक हमेशा यही कहा है... हम इसे कभी भी बनने नहीं देंगे।''

आधिकारिक निमंत्रण कर्नाटक के नेतृत्व की हालिया कूटनीतिक पहल के बाद आया है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने 18 जून को सार्वजनिक रूप से कहा था कि वह मेकेदातु मुद्दे पर मुख्यमंत्री विजय के साथ किसी भी समय बातचीत के लिए तैयार हैं। उन्होंने दोनों राज्यों से राजनीति से ऊपर उठकर समाधान तलाशने की बात कही थी। इसके बाद 20 जून को कर्नाटक के बृहद सिंचाई मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने भी इसी रुख को दोहराते हुए कहा था कि यदि तमिलनाडु बातचीत के लिए तैयार हो, तो कर्नाटक द्विपक्षीय वार्ता के लिए पूरी तरह तैयार है।

तमिलनाडु सरकार ने 'जन नायकन' की रिलीज के लिए अघोषित अवकाश जैसा माहौल बना दिया : अन्नाद्रमुक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मदुरै। अन्नाद्रमुक के वरिष्ठ नेता आर. बी. उदयकुमार ने शुक्रवार को तमिलनाडु सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि 23 जुलाई को मुख्यमंत्री विजय की फिल्म 'जन नायकन' की रिलीज के लिए पूरे राज्य में अघोषित ''सरकारी अवकाश'' जैसा माहौल बना दिया गया। उन्होंने कहा, ''क्या तमिलनाडु के इतिहास में कभी ऐसा हुआ है कि पूरे राज्य में अघोषित सरकारी छुट्टी जैसा माहौल बना दिया गया हो?''

मदुरै में मीडिया से बातचीत में पूर्व मंत्री उदयकुमार ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ने कार्यदिवस होने के बावजूद फोर्ट सेंट जॉर्ज में अपनी नियमित प्रशासनिक जिम्मेदारियां नहीं निभाईं। उन्होंने दावा किया कि मुख्यमंत्री की राह पर चलते हुए राज्य के मंत्रियों और सत्तारूढ़ दल के विधायकों ने भी अपनी जिम्मेदारियों को किनारे रखकर सिनेमाघरों का रुख किया और फिल्म की रिलीज का जश्न मनाते हुए सोशल मीडिया पर 'रील' पोस्ट कीं। उदयकुमार ने कहा, ''प्रशासन पर ध्यान देने के बजाय, कल सरकार का मुख्य काम फिल्म का आनंद लेना ही लगता था।''

विल्लुपुरम के एक गांव में उत्पाती बंदर को पकड़ने के लिए वन विभाग ने पिंजरे लगाए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

विल्लुपुरम। विल्लुपुरम जिले के एक गांव में ग्रामीणों के बीच दहशत का पर्याय बने उत्पाती बंदर को पकड़ने के लिए वन विभाग ने पिंजरे लगाए हैं।

जिंजी के पास स्थित मरुथेरी गांव के निवासियों ने बताया कि पिछले तीन महीनों में यह बंदर कम से कम 40 लोगों पर हमला कर चुका है। स्थिति 21 जुलाई को उस समय गंभीर हो गई, जब जंगली बंदर ने स्कूल जा रही आठवीं कक्षा की एक छात्रा पर हमला कर दिया और उसका कान नोच लिया। वल्लम के सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की छात्रा का मुंडियामपक्कम सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में इलाज किया गया, जिसके बाद उसे छुट्टी दे दी गई।

अधिकारियों को संदेह है कि यह बंदर, जो कथित तौर पर बच्चों को निशाना बनाता है और झुंड के बजाय अकेला घूमता है, किसी का छोड़ा हुआ पालतू बंदर, सर्कस का बंदर या मानसिक रूप से अस्थिर हो सकता है। वन विभाग के सूत्रों के अनुसार, अधिकारियों को उम्मीद है कि बंदर को दो दिनों के भीतर पकड़ लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि जरूरत पड़ने पर सहायता के लिए वंडालूर चिड़ियाघर की बेहोश करने वाली (ट्रैंक्विलाइज़र) टीम को भी तैयार रखा गया है।

मेकेदातु बांध विवाद पर हम हर किसी से बात करने और मिलकर काम करने के लिए तैयार : शिवकुमार

बेंगलूरु। मेकेदातु में कावेरी नदी पर नया बांध बनाने के कर्नाटक के प्रस्ताव पर तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय के साथ संभावित बैठक की खबरों के बीच, मुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने कहा कि उनकी सरकार सभी से बातचीत करने, बातें साझा करने और मिलकर काम करने के लिए तैयार है। जब शिवकुमार से प्रस्तावित बैठक के विवरण के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कोई भी जानकारी साझा करने से मना कर दिया। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, तमिलनाडु की ओर से बैठक का अनुरोध किया गया। इसके जवाब में शिवकुमार ने विजय को बेंगलूरु में बातचीत के लिए आमंत्रित किया है जो संभावित रूप से तीन अगस्त के लिए निर्धारित है।

फर्जी पीएचडी प्रमाणपत्र जमा करने वाले 249 अतिथि व्याख्याताओं के खिलाफ मामले दर्ज करने के निर्देश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक कॉलेज शिक्षा विभाग ने वर्ष 2025-26 की भर्ती प्रक्रिया के दौरान कथित तौर पर फर्जी या अमान्य पीएचडी प्रमाण पत्र जमा करके सरकारी कॉलेजों में अतिथि व्याख्याताओं के रूप में नियुक्ति पाने वाले 249 लोगों के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज करने का आदेश दिया है। विभाग ने इन सभी 249 अभ्यर्थियों को भविष्य की चयन प्रक्रियाओं में भाग लेने से रोकते हुए स्थायी रूप से काली सूची में डाल दिया है।

इस सप्ताह के प्रारंभ में जारी आदेश में कहा गया, विभागीय ईएमआईएस (शिक्षा प्रबंधन सूचना प्रणाली) पोर्टल पर संबंधित कॉलेजों के प्राचार्यों द्वारा दर्ज की गई जानकारी और मुख्यालय स्तर पर गठित विभागीय जांच समिति की रिपोर्ट के आधार पर, शैक्षणिक वर्ष 2025-26 के दौरान कार्य करने वाले और फर्जी या अमान्य पीएचडी प्रमाण पत्र जमा करने वाले अतिथि व्याख्याताओं की सूचियां तैयार की गई हैं। इन अतिथि व्याख्याताओं को भविष्य के सभी शैक्षणिक वर्षों के लिए चयन प्रक्रिया से बाहर कर दिया गया है।

आदेश में कहा गया, चूंकि सूचीबद्ध अतिथि व्याख्याताओं ने कथित तौर पर फर्जी/अमान्य पीएचडी प्रमाण पत्र जमा किए और झूठी जानकारी/दस्तावेज प्रस्तुत करके सरकार को धोखा देने का प्रयास किया, इसलिए भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के प्रासंगिक प्रावधानों के तहत संबंधित थानों में उनके खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज करने, एक सप्ताह के भीतर इस कार्यालय को रिपोर्ट प्रस्तुत करने और विभागीय ईएमआईएस पोर्टल पर प्रासंगिक जानकारी अपलोड करने के निर्देश जारी किए गए हैं।

राज्य सरकार ने प्रथम श्रेणी के सरकारी कॉलेज में आवश्यकताओं और आवेदकों द्वारा प्रस्तुत जानकारी के आधार पर ऑनलाइन परामर्श प्रक्रिया के माध्यम से शैक्षणिक वर्ष 2025-26 के लिए लगभग 10,000 अतिथि शिक्षकों की भर्ती की थी। विभाग ने कहा कि कॉलेज और मुख्यालय दोनों स्तरों पर वरिष्ठ अधिकारियों की अध्यक्षता वाली समितियों ने अतिथि व्याख्याताओं की शैक्षणिक योग्यताओं की जांच की और पाया कि 249 उम्मीदवारों ने फर्जी या अमान्य पीएचडी प्रमाण पत्र जमा किए थे।

टास्मैक कर्मचारी मौत मामला : परिजनों ने शव लेने से किया इनकार, निष्पक्ष जांच की मांग की

तूतीकोरिन। तमिलनाडु राज्य विपणन निगम (टास्मैक) के कर्मचारी एन. अरुणाचलम की पुलिस हिरासत में मौत के मामले में उनके परिजनों ने निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए शव लेने से इनकार कर दिया। अरुणाचलम के भाई सुडलाईमनी ने पुलिस के इस दावे को खारिज कर दिया कि हिरासत के दौरान उनके भाई अचानक अचेत हो गए थे। उन्होंने उनकी मौत को संदिग्ध बताते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की।

सुडलाईमनी ने शुक्रवार संवाददाताओं से कहा, ''यह झूठ है कि मेरे भाई को मिर्गी या ऐसी कोई अन्य बीमारी थी। ऐसा कोई रिकॉर्ड भी नहीं है कि वह इस तरह की किसी बीमारी की दवा ले रहे थे।'' परिजनों ने कहा कि जब तक मामले की निष्पक्ष जांच सुनिश्चित नहीं की जाती और अरुणाचलम की मौत के लिए न्याय नहीं मिलता, तब तक वे शव नहीं लेंगे। इस बीच, पुलिस शव को पोस्टमार्टम के लिए ले गई। तूतीकोरिन पुलिस ने बृहस्पतिवार को एक सीसीटीवी फुटेज जारी किया जिसमें अमूथा नगर निवासी अरुणाचलम को हवालात के भीतर कथित तौर पर अचानक गिरते देखा जा सकता है। पुलिस का कहना है कि ड्यूटी पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने तत्काल मामले को संभाला, प्राथमिक उपचार दिया, पीने का पानी उपलब्ध कराया और अरुणाचलम को सही तरीके से बैठाया। गिरफ्तारी के एक दिन बाद अरुणाचलम को तूतीकोरिन सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां पांच दिन तक उपचार के बाद उनकी मौत हो गई। तूतीकोरिन दक्षिण पुलिस ने हिरासत में प्रताड़ना के आरोपों से इनकार करते हुए कहा कि अरुणाचलम को 17 जुलाई को तमिलनाडु निषेध अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत गिरफ्तार किया गया था। पुलिस के अनुसार, उनके पास से शराब की 120 बोतलें बरामद की गई थीं।

चेन्नई में 100 करोड़ रुपये के निजी स्कूल घोटाले में दो और गिरफ्तार

चेन्नई। तमिलनाडु में निजी स्कूल संचालकों से सरकारी मंजूरी दिलाने के नाम पर कथित रूप से करीब 100 करोड़ रुपये की ठगी करने के मामले में दो और लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

ग्रेटर चेन्नई पुलिस की केंद्रीय अपराध शाखा ने बताया कि गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान मदुरै जिले के आरोकियाराज (उर्फ राजा, 39) और तिरुचिरापल्ली जिले के सुरेश (49) के रूप में हुई है।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, यह जांच तमिलनाडु के निजी स्कूल संघों के महासंघ के पदाधिकारी डीसी इलनगोवन की ओर से दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर शुरू की गई।

शिकायत में आरोप लगाया गया है कि तमिलनाडु निजी स्कूल एसोसिएशन नामक गैर-पंजीकृत संगठन के प्रमुख बीटी अरसुकुमार ने अन्य लोगों के साथ मिलकर स्कूल संचालकों से ठगी की। आरोपियों ने लंबित सरकारी मंजूरियां दिलाने का झूठा भरोसा देकर बड़ी रकम वसूली। इनमें स्थायी मान्यता, स्कूलों के उन्नयन, डीटीसीपी भवन अनुमति और शिक्षा का अधिकार (आरटीई) मंजूरी जैसी स्वीकृतियां शामिल थीं।

मुख्य आरोपी अरसुकुमार को 27 जून को उसके चेन्नई स्थित आवास से गिरफ्तार किया गया था। पुलिस हिरासत में चार दिन की पूछताछ और जांच के बाद उसे 13 जुलाई को गुंडा अधिनियम के तहत हिरासत में लेकर पुज़ल जेल भेज दिया गया। पुलिस जांच में पता चला कि 2024 से अरसुकुमार ने धनराशि जुटाने के लिए वडापलानी के एक निजी होटल और पोरूर के एक विवाह भवन में स्कूल संचालकों के साथ बैठकें आयोजित की थीं।

अधिकारियों ने बताया कि जारी जांच के दौरान केंद्रीय अपराध शाखा (सीसीबी) ने अरसुकुमार और उसके सहयोगियों से जुड़े 61 बैंक खातों को फ्रीज कर दिया है।

शिवकुमार ने बेंगलूरु से परे बुनियादी ढांचा विकास योजना पेश की

बेंगलूरु/भाषा। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने शुक्रवार को बेंगलूरु से परे विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचे का विस्तार करने, उद्योग की भागीदारी से एक एआई विश्वविद्यालय स्थापित करने तथा प्रौद्योगिकी पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के लिए नई नीतियां लागू करने की योजना की घोषणा की।

उन्होंने उद्योग जगत के नेताओं से राज्य के विकास के अगले चरण को आकार देने में सरकार के साथ साझेदारी करने का भी आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने मुख्य कार्यकारी अधिकारियों के साथ आयोजित बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि बेंगलूरु की सबसे बड़ी ताकत उसकी प्रतिभा और नवाचार का माहौल है। उन्होंने भारत की प्रौद्योगिकी राजधानी के रूप में शहर की सफलता का श्रेय यहां के लोगों और कंपनियों को भी दिया।

उन्होंने उद्योग जगत के नेताओं से कहा, ''आप बेंगलूरु के दूत हैं। आप कर्नाटक के दूत हैं।'' उन्होंने कहा कि कई लोग दशकों पहले इस शहर में आए थे, लेकिन यहां उपलब्ध अवसरों और प्रतिभा के कारण यहीं रहना चुना। बैठक में सूचना प्रौद्योगिकी तथा गृह मंत्री प्रियंक खरगे, विधायक एवं कर्नाटक राज्य इलेक्ट्रॉनिक्स विकास निगम लिमिटेड (केईओएनआईसीएस) के अध्यक्ष शरथ बाचे गौड़ा, बायोकॉन संस्थापक किरण मजूमदार-शॉ, इन्फोसिस के सह-संस्थापक क्रिस गोपालकृष्णन तथा वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

शिवकुमार ने कर्नाटक के आर्थिक प्रदर्शन का उल्लेख करते हुए कहा कि सॉफ्टवेयर निर्यात 4.36 लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गया है और इस वर्ष इसके 5.5 लाख करोड़ रुपये से अधिक होने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि अगले 100 दिन के भीतर सरकार ऐसी नीति लाएगी, जिसके तहत उद्योगों को बेंगलूरु से बाहर भी अपनी इकाइयां स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इसके तहत कर्नाटक के अन्य शहरों में अत्यंत किफायती दरों पर विश्वस्तरीय कार्यालय अवसंरचना उपलब्ध कराई जाएगी। शिवकुमार ने कहा कि कर्नाटक उद्योग जगत के सहयोग से एक एआई विश्वविद्यालय की स्थापना कर रहा है।

उन्होंने कहा, कल इस पहल को लेकर गूगल के साथ हमारी विस्तृत चर्चा हुई। हम नहीं चाहते कि केवल सरकार ही इसे बनाए। हम उद्योग के साथ साझेदारी चाहते हैं। आप नेतृत्व करें और सरकार आपके साथ खड़ी रहेगी।

उत्तर पश्चिम रेलवे

शुद्धिपत्र-5

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, उप मुख्य विद्युत इंजीनियर/निर्माण-II, उत्तर पश्चिम रेलवे, जयपुर EPC टेंडर नंबर EL-C-EPC-TRD-JP-T01-25-26 उत्तर पश्चिम रेलवे के जयपुर डिवीजन के जयपुर-सवाईमाधोपुर सेक्शन में 2 x 25 KV AT फीडिंग सिस्टम और SCADA के लिए संबंधित स्विचिंग पोस्ट के साथ 132KV/2X25KV ट्रैक्शन सब-स्टेशन (स्कॉट कनेक्टेड ट्रांसफॉर्मर) के डिज़ाइन, सप्लाई, इरेक्शन, टेस्टिंग और कमीशनिंग'' से संबंधित है।'' के लिए निम्नलिखित संशोधन जारी करते हैं। **प्रकाशित विवरण:**- EPC टेंडर दस्तावेज़, **संशोधन का विवरण:**- 20.07.2026 की प्री-बिड मीटिंग के जवाब का शुद्धिपत्र-5 (corrigendum-5) IREPS की वेबसाइट **www.ireps.gov.in.** पर उपलब्ध हैं। बाकी सभी नियम और शर्तें यथावत रहेंगी।

उप. मुख्य बिजली इन्जीनियर (निर्माण-II), जयपुर
1079-DO/26

उत्तर पश्चिम रेलवे

संशोधन-4

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, उप मुख्य विद्युत इंजीनियर/निर्माण-II, उत्तर पश्चिम रेलवे, जयपुर EPC टेंडर नंबर EL-C-EPC-TRD-JP-T01-25-26 ''उत्तर पश्चिम रेलवे के जयपुर डिवीजन के जयपुर-सवाईमाधोपुर सेक्शन में 2 x 25 KV AT फीडिंग सिस्टम और SCADA के लिए संबंधित स्विचिंग पोस्ट के साथ 132KV/2x25KV ट्रैक्शन सब-स्टेशन (स्कॉट कनेक्टेड ट्रांसफॉर्मर) के डिज़ाइन, सप्लाई, इरेक्शन, टेस्टिंग और कमीशनिंग'' से संबंधित है।'' के लिए निम्नलिखित संशोधन जारी करते हैं। **प्रकाशित विवरण:**- EPC टेंडर दस्तावेज़, **संशोधन का विवरण:**- EPC टेंडर डॉक्यूमेंट का corrigendum-4 IREPS की वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। बाकी सभी नियम और शर्तें यथावत रहेंगी।

उप. मुख्य बिजली इन्जीनियर (निर्माण-II), जयपुर
1078-DO/26

भारत सरकार, अंतरिक्ष विभाग
भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन
(निर्माण एवं अनुरक्षण प्रभाग)
इसरो टेलिमेट्रि ट्रैकिंग एवं कमांड नेटवर्क (इस्ट्रैक)
प्लाट नं. 12 एवं 13, तीसरा मेन, द्वितीय फेज, पीण्या औद्योगिक क्षेत्र, बेंगलूरु-560058
फोन : 080-28094196, 4184, 4541, 4542 फैक्स :080-28094180

संक्षिप्त ई-निविदा सूचना

1. भारत के राष्ट्रपति की ओर से, समुचित वर्ग के ठेकेदरों से निम्नलिखित कार्यों के लिए नग दर ई-निविदाएं ऑनलाइन आमंत्रित आमंत्रित की जाती हैं।

एनआईटी सं	इस्ट्रैक/सीएमजी/एमएआईएनटी/सी/ईटीएन-58 / 2026-27 दिनांक 24.07.2026
कार्य का नाम	एमओएक्स परिसर, इसट्रैक, बेंगलूरु में एमओएक्स-1 और एमओएक्स-2 इमारतों की अंदरूनी और बाहरी सतहों की पेंटिंग का कार्य (सिविल कार्य)
निविदा का अनुमानित मूल्य	रु. 72.50 लाख
निविदा दस्तावेज विवरण	ई-निविदा
कार्य समापन अवधि	04 (चार) महीने
निविदा प्रलेख डाउनलोड करने की अवधि	27.07.2026 को 14.30 बजे से 17.08.2026 को 16.30 बजे तक
बोली स्पष्टीकरण	27.07.2026 को 15.30 बजे से 18.08.2026 को 16.30 बजे तक
बोली स्पष्टीकरण के जवाब देने की अंतिम तारीख	19.08.2026 को 16.30 बजे तक
निविदा प्राप्ति की अंतिम तारीख और समय	20.08.2026 को 14.30 बजे तक
निविदा खोलने की नियत तारीख और समय	21.08.2026 को 11.30 बजे के बाद
अग्रदाय रकम जमा (ईएमडी)	रु. 1,45,000/-

पात्रता मानदंड और दूसरी जानकारी के लिए, इच्छुक निविदाकार कृपया वेबसाइट www.isro.gov.in/Tenders.html पर टेंडर इनवाइटिंग का विस्तृत द्विभाषी (हिंदी- अंग्रेजी) नोटिस (NIT) देख सकते हैं और टेंडर फ्री में देख सकते हैं https://www.tenderwizard.com/ISRO पर।

ह/- समूह प्रमुख- सीएमजी

उत्तर पश्चिम रेलवे

ई-निविदा आमन्त्रण सूचना

मंडल रेल प्रबन्धक, गति शक्ति, उत्तर पश्चिम रेलवे, जोधपुर द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से ई-निविदा के माध्यम से प्रचलित नियमो के अन्तर्गत निर्धारित प्रपत्रो में निविदा निम्न कार्यों के लिए क्रमानुसार आमंत्रित की जाती है - **ई-निविदा सूचना सं० 2026-27:** 09, **कार्य का नाम व स्थान:** Proposed New Block station along with development of goods shed at Manaklav station, **अनुमानित लागत रूपये:** 32,25,91,591.34, **बयाने की राशि रूपये:** 64,51,800.00. निविदा सूचना संख्या एवं निविदा प्रस्तुत/खुलने की तिथी GSU-09 Of 2026-27 Date 14.08.2026 को 15.00 बजे तक है। वेबसाईट का विवरण जहाँ पर ई-निविदा देखी व भरी जा सकती है www.ireps.gov.in 1071-PS/26

हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

जल संचयन बने जन आंदोलन, भावी पीढ़ियों का भविष्य करें सुरक्षित : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रदेश में सरकार के गठन के तुरंत बाद से ही हमने जल आत्मनिर्भरता के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं, जिनका असर धरातल पर नजर आ रहा है। उन्होंने कहा कि रामजल सेतु लिंक परियोजना से लेकर यमुना जल समझौते जैसे अभूतपूर्व कार्यों को मूर्त रूप देकर जल आपूर्ति के क्षेत्र में एक नए राजस्थान की आधारशिला रखी जा रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में डबल इंजन सरकार के इन्हीं प्रयासों से राजस्थान आने वाले समय में जल प्रबंधन एवं जल संचयन का राष्ट्रीय मॉडल बनेगा।

मुख्यमंत्री शुक्रवार को जयपुर में 'राजस्थान वाटर कॉन्क्लेव' को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जल संरक्षण को राष्ट्रीय कर्तव्य मानते हैं और आने वाली पीढ़ियां हमारे जल संरक्षण के प्रयासों के आधार पर हमारा मूल्यांकन करेंगी। कैच द रेन, नमामि गंगे, जल संचय-जन भागीदारी, जल जीवन मिशन, अटल भूजल योजना, अमृत सरोवर, हर खेत को पानी तथा प्रति बूंद अधिक फसल जैसे दूरदर्शी कार्यक्रमों ने देश में जल सुरक्षा को नई दिशा प्रदान की है।

मुख्यमंत्री ने जल संरक्षण के क्षेत्र में कार्यरत विभिन्न संस्थाओं एवं विषय विशेषज्ञों से संवाद कर उनके अनुभव, नवाचारों एवं सुझावों की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण वर्तमान और भावी पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य से जुड़ा महत्वपूर्ण विषय है। सरकार के प्रयासों, संस्थाओं के सहयोग, विशेषज्ञों के अनुभव और आमजन की सक्रिय भागीदारी से राजस्थान जल आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने संस्थाओं एवं विशेषज्ञों से आह्वान किया कि वे स्थानीय स्तर की जल चुनौतियों को समझते हुए आधुनिक तकनीक आधारित मॉनिटरिंग, नवाचारपूर्ण समाधानों और वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ जल संचयन, संरक्षण एवं प्रबंधन के क्षेत्र में अपना योगदान दें।

उन्होंने कहा कि रामजल सेतु लिंक परियोजना राजस्थान के जल इतिहास का नया अध्याय है। इस परियोजना से प्रदेश के 17 जिलों में पेयजल सुरक्षा सुनिश्चित होने के साथ ही लगभग 4 लाख 84 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी। वहीं, यमुना जल समझौते के तहत लगभग 295 किलोमीटर लंबी पाइपलाइन से 1,917 क्यूसेक यमुना जल शेखावाटी पहुंचेगा, जिससे सीकर, झुंझुनूं और चूरू जिले के लगभग 75 लाख लोगों को स्थायी पेयजल राहत मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि उदयपुर शहर की पेयजल आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए 1 हजार 691 करोड़ रुपये की लागत से देवास तृतीय एवं देवास चतुर्थ परियोजनाओं पर तेजी से कार्य किया जा रहा है। इसी प्रकार पश्चिमी राजस्थान के लिए आइजीएनपी के नहरी क्षेत्रों का सुदृढ़ीकरण किया जा रहा है। वहीं, नर्मदा के पानी को रानीवाड़ा और भीनमाल तक पहुंचाने और ब्राह्मणी नदी के पानी को बीसलपुर तक लाने की कार्ययोजना को अंतिम रूप दिया जा रहा है। साथ ही, परवन बहुउद्देशीय सिंचाई परियोजना कोटा, बारां और झालावाड़ जिलों की जीवनरेखा साबित होगी। इस परियोजना पर राज्य सरकार अब तक 1 हजार 164 करोड़ रुपये व्यय कर चुकी है। इन सभी प्रयासों से पेयजल, कृषि और उद्योग सहित अन्य सभी क्षेत्रों में राजस्थान जल आत्मनिर्भर बनेगा। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण को जन आंदोलन बनाने के लिए कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान संचालित किया जा रहा है। इसके तहत भामाशाहों, प्रवासी राजस्थानियों तथा सीएसआर सहयोग से जल संरक्षण संरचनाओं का निर्माण करवाया जा रहा है। जिससे प्रदेश के कई क्षेत्रों के भूजल स्तर में सुधार हुआ है। इसी प्रकार, वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के माध्यम से जल स्रोतों की सफाई, पौधारोपण, जनजागरूकता तथा जल संरक्षण गतिविधियों को व्यापक जनभागीदारी के साथ संचालित किया गया।

सच पर बुलडोजर चला रहे हैं मुख्यमंत्री : अशोक गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने प्रश्नपत्र लीक के मामलों को लेकर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के दावों पर शुक्रवार को पलटवार करते हुए आरोप लगाया कि राज्य सरकार 'सच पर बुलडोजर' चला रही है और शिकायतों की निष्पक्ष जांच नहीं होने दे रही है। गहलोत ने एक बयान में कहा, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा दावा करते हैं कि करीब तीन साल में एक भी प्रश्नपत्र लीक नहीं हुआ। उन्हें कहना चाहिए कि हमने एक भी शिकायत की निष्पक्ष जांच नहीं होने दी जिससे सच सामने न आ जाए।

शर्मा ने बृहस्पतिवार को एक कार्यक्रम में कहा था कि राज्य सरकार ने प्रश्न पत्र लीक माफिया के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए 450 से अधिक आरोपियों को सलाखों के पीछे पहुंचाया है और भर्ती परीक्षाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित की है। उनके इस दावे के बाद गहलोत ने कहा, मुख्यमंत्री को याद करना चाहिए कि देश की सबसे बड़ी परीक्षा नीट-यूजी के प्रश्न पत्र लीक का 'केंद्र' आपके राज में राजस्थान बना और लाखों बच्चों को दोबारा परीक्षा देनी पड़ी। राजस्थान की भाजपा सरकार और पुलिस ने तो प्रश्न पत्र लीक की शिकायत को छिपाया। जब राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) को विद्यार्थियों ने सीधी शिकायत दी तब जाकर प्रश्न पत्र लीक का पता चला।

पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत ने आरोप लगाया कि झुंझुनूं के नवलगढ़ में आरएएस (राजस्थान प्रशासनिक सेवा) का प्रश्नपत्र खुले लिफाफे में मिला। प्राध्यापक भर्ती का प्रश्नपत्र खुली सील के साथ पहुंचा। जैसलमेर के स्वामी विवेकानंद मॉडल स्कूल सेंटर पर एलडीसी (कनिष्ठ लिपिक) भर्ती में परीक्षा केंद्र से खिड़की से प्रश्नपत्र बाहर भेजकर नकल करायी गयी। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि जयपुर स्थित आरएसएसबी (राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड) का कर्मचारी 'ओएमआर शीट' बदलकर घोटाला करता पकड़ा गया, लेकिन यह आजतक पता नहीं चला कि उसने कितनी परीक्षाओं में बेईमानी की।

गहलोत ने कहा, हर बार आपकी सरकार का एक ही काम रहा, सच पर पर्दा डालना। आपने अपने कार्यकाल की परीक्षाओं की निष्पक्ष जांच न करवाने की कसम खा रखी है, क्योंकि जांच हुई तो 'एक भी लीक नहीं' के झूठ के परखच्चे उड़ जाएंगे। गहलोत ने आरोप लगाया, 2013 से 2018 के बीच भाजपा सरकार में 12 प्रश्नपत्र लीक हुए, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई और प्रश्नपत्र लीक माफिया को पोषित करने का पाप भाजपा सरकार ने किया।

उन्होंने दावा किया कि राज्य में उनकी अगुवाई वाली कांग्रेस सरकार ने प्रश्नपत्र लीक माफिया के खिलाफ सख्त कार्रवाई की थी। उन्होंने कहा, 400 से अधिक गिरफ्तारियां की गईं, माफिया की संपत्तियों पर बुलडोजर चलाया गया, राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी) के एक सदस्य को जेल भेजा गया और बोर्ड के अध्यक्ष को बर्खास्त किया गया। इसके अलावा, आजीवन कारावास, 10 करोड़ रुपये तक के जुर्माने और संपत्ति जब्त करने का प्रावधान वाला देश का सबसे सख्त कानून बनाया गया। आज जो भी कार्रवाई होती दिख रही है, वह कांग्रेस सरकार द्वारा बनाए गए इसी कानून के तहत हो रही है। गहलोत ने कटाक्ष करते हुए कहा, फर्क साफ है।

राजनीतिक दलों के पदाधिकारी भी बन सकेंगे सीएलजी के सदस्य

जयपुर। राजस्थान की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार ने पुलिस नियमों में संशोधन कर राजनीतिक दलों और उनसे संबद्ध संगठनों के सदस्यों को सामुदायिक संपर्क समूह (सीएलजी) का सदस्य बनने की अनुमति दे दी है। सीएलजी पुलिस को खुफिया जानकारी जुटाने, अपराध की रोकथाम और कानून-व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करता है। इस संशोधन के तहत उस प्रावधान को हटा दिया गया है, जिसके तहत राजनीतिक दलों या उनसे संबद्ध संगठनों के सदस्य सीएलजी में शामिल होने के पात्र नहीं थे। राजस्थान पुलिस नियम, 2008 के नियम के उपनियम (5) के खंड (सी) को हटाने संबंधी राजपत्र अधिसूचना 20 जुलाई को जारी की गई। अधिसूचना के अनुसार, राजनीतिक दल या उससे संबद्ध संगठन के सदस्य को सीएलजी की सदस्यता के लिए अयोग्य ठहराने वाले प्रावधान को हटा दिया गया है।

आपराधिक मामले का सामना कर रहा व्यक्ति, आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त होने का संदेह रखने वाला अथवा अपराधियों से संबंध रखने वाला व्यक्ति, या संपत्ति, भूमि अथवा अन्य दीवानी विवादों में शामिल व्यक्ति सीएलजी का सदस्य बनने के लिए अब भी अयोग्य रहेगा।

राजस्थान में बारिश का दौर जारी, कई जगह भारी वर्षा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। दक्षिण पश्चिम मानसून के असर से राजस्थान में बारिश का दौर जारी है जहां बीते चौबीस घंटे में कई जगह मध्यम से भारी बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग के अनुसार आज भी राज्य में कई जगह भारी बारिश हो सकती है। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार शुक्रवार सुबह तक के चौबीस घंटे में राजस्थान में कई जगह मध्यम से भारी बारिश हुई।

सबसे अधिक 90 मिलीमीटर (भारी) बारिश बाड़मेर के पचपदरा में दर्ज की गई। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार राज्य के अधिकांश भागों में आगामी कुछ दिन मानसून सक्रिय रहेगा।

आज शुक्रवार को अजमेर, कोटा, जोधपुर व उदयपुर संभाग में मध्यम से भारी बारिश व कहीं-कहीं अत्यंत भारी बारिश हो सकती है। वहीं जयपुर, भरतपुर व बीकानेर संभाग के कुछ भागों में भी हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। दक्षिण पश्चिमी व दक्षिणी राजस्थान के कुछ भागों में मध्यम से भारी बारिश की गतिविधियां 25 जुलाई को भी होंगी जबकि बाकी हिस्सों में हल्की मध्यम बारिश होने की पूरी संभावना है।

राजस्थान में नशामुक्ति के लिए सभी स्तरों पर जवाबदेही तय हो : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने नशामुक्ति अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए सभी स्तरों पर जवाबदेही तय करने पर बल देते हुए राज्यभर में एक माह का विशेष अभियान चलाने का आह्वान किया है। राज्यपाल ने शुक्रवार को लोकभवन में मादक पदार्थों के नियंत्रण, 'नशामुक्त भारत' अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन और भावी कार्ययोजना की समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए मुख्य सचिव स्तर पर इस संबंध में तत्काल परिपत्र जारी करने तथा नशामुक्ति के लिए प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने 'नशामुक्त राजस्थान' अभियान के तहत एक माह तक विशेष अभियान चलाने का भी आह्वान किया।

आधिकारिक बयान के अनुसार, बागड़े ने कहा कि यदि किसी सरकारी विभाग का कोई कर्मचारी या अधिकारी मादक पदार्थों के अवैध कारोबार में लिप्त पाया जाता है तो उसे तत्काल निलंबित किया जाए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों में भी यह सुनिश्चित किया जाए कि मादक पदार्थों का सेवन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो।

राज्यपाल ने प्रदेश के सीमावर्ती क्षेत्रों में ड्रोन के माध्यम से नशीले पदार्थों की तस्करी पर चिंता जताते हुए कहा कि इस पर त्वरित और प्रभावी कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि स्कूलों में नैतिक मूल्यों के प्रसार को बढ़ावा देकर ही समाज में मादक पदार्थों के सेवन की प्रवृत्ति पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सकता है।

इस बैठक में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने कहा कि केंद्र सरकार की पहल पर नशामुक्ति अभियान को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। उन्होंने 'नशामुक्त भारत' अभियान तथा राजस्थान में मादक पदार्थों पर नियंत्रण के लिए तय की गई प्राथमिकताओं की जानकारी दी। पुलिस महानिदेशक राजीव शर्मा ने भी नशामुक्ति के लिए पुलिस विभाग द्वारा किए जा रहे प्रयासों और कार्रवाई की जानकारी दी।

थार मरुस्थल में तैयार हुई 28 किमी परिधि की विशाल कृत्रिम झील

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान को सुजलाम-सुफलाम बनाने के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के भागीरथ प्रयासों से प्रदेश के हर कोने में जल प्रबंधन की एक नई तस्वीर उभर कर सामने आ रही है। हाल ही, थार मरुस्थलीय क्षेत्र में जल संचय की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि सामने आई है। इंदिरा गांधी नहर परियोजना की मुख्य नहर पर स्थित आरडी-1356 पर बनी एस्केप संरचना को अब 28 किलोमीटर परिधि के बड़े जलाशय के रूप में विकसित कर दिया गया है। मानसून के दौरान पंजाब की ओर से आने वाला अतिरिक्त पानी इस विशाल कृत्रिम झील में जब इकट्ठा होगा तो ऐसा लगेगा मानो रेत में एक विशाल समंदर हिलोरें ले रहा हो। जैसलमेर जिले के घांटियाली क्षेत्र में निर्मित यह जलाशय जैलसमेर-बाड़मेर जिलों में पानी की बढ़ती मांग को पूरा करेगा।

उल्लेखनीय है कि इंदिरा गांधी मुख्य नहर की लंबी प्रणाली में शुरू से ही कई स्थानों पर एस्केप संरचनाएं बनी हुई हैं, जिनका मूल उद्देश्य नहर में अधिक डिस्चार्ज या आपात स्थिति के दौरान अतिरिक्त पानी को सुरक्षित बाहर निकालना है। मानसून के समय जब सिंचाई की मांग घट जाती है, तब भारी मात्रा में पानी संग्रहण व्यवस्था के अभाव में अंतरराष्ट्रीय सीमा से बहकर बेकार चला जाता है। इसी समस्या को ध्यान में रखते हुए इंदिरा गांधी नहर परियोजना क्षेत्र में चार एस्केप रिजर्वायर जल जीवन मिशन के तहत सत्तासर (बीकानेर) में आरडी-507 के पास, गजनेर लिफ्ट परियोजना क्षेत्र (बीकानेर) में आरडी-750 के पास, जोधपुर जिले में आरडी-1121 के पास और जैसलमेर जिले में बुर्जी 1356 जलाशय बनाने की योजना को मंजूरी दी गई थी। लम्बे समय से सुस्त पड़ी इस योजना में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में सरकार बनने के बाद इनके काम में तेजी आई और अब तक आरडी-507 एवं बुर्जी 1356 एस्केप रिजर्वायर का काम पूरा हो चुका है। इन चार जलाशयों से जल जीवन मिशन की 43 वृहद पेयजल परियोजनाओं के लिए अतिरिक्त पानी उपलब्ध हो सकेगा, जिससे 6 हजार 707 गांवों में 20 लाख से अधिक परिवारों को फायदा होगा।

औसतन 13 मीटर गहरे बुर्जी 1356 एस्केप रिजर्वायर में 1406 एमसीएफटी जल इकट्ठा हो सकेगा। निर्माण के दौरान जलाशय की तली और ढलानों पर विशेष एचडीपीई शीट बिछाई गई है, जो रेतीली मिट्टी में पानी के रिसाव को रोकती है।

नरवर किले से चोरी हुई 400 साल पुरानी तोप की तलाश में राजस्थान-मध्यप्रदेश पुलिस का संयुक्त अभियान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान और मध्यप्रदेश पुलिस की संयुक्त टीम ने नरवर किले से चोरी हुई तोप की तलाश में राजस्थान के करौली जिले में व्यापक तलाशी अभियान चलाया। अधिकारियों ने बताया कि करीब 400 वर्ष पुरानी और 3.5 टन वजनी यह तोप पिछले सप्ताह मध्यप्रदेश के शिवपुरी जिले में स्थित नरवर किले से चोरी हो गई थी।

करौली पुलिस ने हालांकि शुक्रवार को बताया कि अब तक इस अभियान में कोई सफलता नहीं मिली है। करौली के सदर थाना प्रभारी गिर्राज प्रसाद ने कहा, ऐसी सूचना मिली थी कि तोप को नरवर किले से करीब 250 किलोमीटर दूर करौली जिले के गांवड़ी मीणा गांव लाया गया है। इसी सूचना के आधार पर गांव में तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। प्रारंभिक जांच के अनुसार, कुछ लोग पिछले सप्ताह एक वाहन से नरवर किले के पिछले हिस्से में पहुंचे और वहां रखी 3,500 किलोग्राम वजनी तोप चोरी कर ले गए। करौली के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सत्येंद्र पाल सिंह ने बताया कि मध्यप्रदेश पुलिस ने जांच में सहयोग मांगा था।

उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, हम मामले की जांच कर रही मध्यप्रदेश पुलिस की टीम की सहायता कर रहे हैं। चार-पांच स्थानों पर खुदाई कराई गई, लेकिन अभी तक कोई सुराग नहीं मिला है।

पुलिस को आशंका है कि चोरों ने तोप को जमीन में गाड़ दिया हो सकता है। इसी आशंका के मद्देनजर करौली जिले में कई स्थानों पर एक्सकेवेटर मशीनों से खुदाई कराई गई। तलाशी अभियान में मदद के लिए भरतपुर से भूमिगत धातु का पता लगाने वाले उपकरण (अंडरग्राउंड मेटल डिटेक्टर) से लैस एक विशेष टीम को भी बुलाया गया है। अधिकारियों के अनुसार, अभियान के लिए 50 से अधिक पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है तथा गांव और उसके आसपास सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। थाना प्रभारी ने बताया कि जहां भी हाल में खुदाई के निशान दिखाई दे रहे हैं, उन सभी स्थानों की जांच की जा रही है। मध्यप्रदेश पुलिस को आशंका है कि यदि चोरी हुई तोप शीघ्र बरामद नहीं की गई तो वह प्राचीन कलाकृतियों की तस्करी करने वाले किसी संगठित गिरोह के हाथ लग सकती है।

राजस्थान सरकार को मिला डब्ल्यूएचओ का विश्व तंबाकू निषेध दिवस अवार्ड-2026

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में और चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के निर्देशन में जनस्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाने और तंबाकू नियंत्रण के क्षेत्र में किए गए प्रभावी प्रयासों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बड़ी पहचान मिली है। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, राजस्थान सरकार को विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा विश्व तंबाकू निषेध दिवस अवार्ड-2026 से सम्मानित किया गया है। नई दिल्ली में शुक्रवार को आयोजित समारोह में राजस्थान सरकार की ओर से राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के राज्य नोडल अधिकारी एवं संयुक्त निदेशक डॉ. एस.एन. धोलपुरिया ने डब्ल्यूएचओ कंट्री हेड से यह प्रतिष्ठित सम्मान प्राप्त किया।

प्रमुख शासन सचिव, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, श्रीमती गायत्री राठौड़ ने बताया कि राजस्थान को यह सम्मान वर्ष 2025-26 के दौरान राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन, नवाचारों और जनसहभागिता आधारित गतिविधियों के लिए प्रदान किया गया है। राज्य ने तंबाकू नियंत्रण के विभिन्न मानकों पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विश्व स्वास्थ्य संगठन के दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र में प्रथम स्थान प्राप्त किया है।

प्रश्न पत्र लीक मामले को लेकर जयपुर में छात्रों का प्रदर्शन जारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान की राजधानी जयपुर में प्रश्न पत्र लीक मामले को लेकर बड़ी संख्या में छात्रों ने जवाहर सर्किल पर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में शामिल छात्रों और अन्य युवाओं ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे, जंतर-मंतर पर प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज करने वाले दिल्ली पुलिस के कर्मियों के खिलाफ कार्रवाई तथा प्रतियोगी परीक्षाओं को अधिक पारदर्शी बनाने के लिए व्यापक सुधारों की मांग की। इस प्रदर्शन में बड़ी संख्या में छात्राएं और युवतियां भी शामिल हुईं। प्रदर्शनकारी बृहस्पतिवार शाम जवाहर सर्किल पर एकत्र हुए और धरने पर बैठ गए। इस दौरान उन्होंने केंद्र और राजस्थान सरकार के खिलाफ नारेबाजी की तथा बैनर और तख्तियां लेकर विरोध जताया। यह प्रदर्शन शुक्रवार को भी जारी रहा।

प्रदर्शनकारियों ने राजस्थान में पारदर्शी तरीके से भर्ती परीक्षा प्रणाली लागू करने, प्रश्न पत्र लीक की घटनाओं पर रोक लगाने के लिए कड़े उपाय करने तथा कोचिंग संस्थानों की फीस और उनके कामकाज को विनियमित करने की मांग की। बृहस्पतिवार रात पुलिस अधिकारी प्रदर्शन स्थल पर पहुंचे और प्रदर्शनकारियों से धरना समाप्त कर घर लौटने की अपील की, लेकिन उन्होंने अपना विरोध जारी रखा। प्रदर्शन के दौरान एक युवक कथित तौर पर चाकू लेकर भीड़ में घुस आया। प्रदर्शनकारियों ने उसे पकड़ लिया और पुलिस के हवाले करने से पहले उसके साथ कथित रूप से मारपीट की। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि क्षेत्र में शांति और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है।

पीएम सेतु के क्रियान्वयन में उत्तर भारत का पहला एवं देश का पाँचवां राज्य बना राजस्थान

जयपुर। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के स्किल इंडिया मिशन एवं विकसित भारत-2047 के संकल्प के अनुरूप राज्य सरकार प्रदेश के राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) को आधुनिक तकनीक, उद्योग सहभागिता एवं गुणवत्तापूर्ण कौशल प्रशिक्षण से सशक्त बनाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। इसी क्रम में केन्द्र सरकार के कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय की महत्वाकांक्षी पीएम सेतु योजना के प्रभावी क्रियान्वयन में राजस्थान ने महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए उत्तर भारत का पहला तथा देश का पाँचवाँ राज्य बनने का गौरव प्राप्त किया है। योजना के अंतर्गत राजस्थान में भिवाड़ी, जोधपुर, जयपुर, बालोतरा, बांसवाड़ा, भरतपुर, बीकानेर एवं कोटा सहित आठ क्लस्टरों के लिए प्रस्ताव आमंत्रित किए गए थे। इनमें भिवाड़ी क्लस्टर के लिए एम/एस एच.जी. इंफ्रा इंजीनियरिंग लिमिटेड के प्रस्ताव को शुक्रवार का मुख्य सचिव की अध्यक्षता में आयोजित स्टेट स्टीयरिंग कमेटी की बैठक में अनुमोदन किया गया।

भारत की वृद्धि गाथा में भागीदार बनें रोमानिया की कंपनियां : राष्ट्रपति मुर्मू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बुखारेस्ट (रोमानिया)/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को रोमानिया की कंपनियों से भारत की वृद्धि गाथा में सक्रिय भागीदारी का आह्वान करते हुए कहा कि दोनों देशों के बीच आर्थिक साझेदारी में अभी काफी संभावनाएं मौजूद हैं। भारत-रोमानिया व्यापार मंच को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भारत आज दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। देश की आर्थिक वृद्धि मजबूत, व्यापक आर्थिक आधार, जीवंत उद्यमिता परिवेश, कुशल कार्यबल और सुधारों के प्रति निरंतर प्रतिबद्धता से संचालित हो रही है।

राष्ट्रपति ने कहा कि भारत प्रौद्योगिकी, नवोन्मेष और सतत विकास के क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व की ओर तेजी से अग्रसर है। नवीकरणीय ऊर्जा, डिजिटल प्रौद्योगिकी, सूचना प्रौद्योगिकी, दूरसंचार, वाहन एवं वाहन कलपुर्जे, दवा एवं जैव-प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष तथा वित्त प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में देश ने उल्लेखनीय प्रगति की है। उन्होंने कहा कि यूरोप के केंद्र में अपनी रणनीतिक स्थिति, कुशल मानव संसाधन, उन्नत औद्योगिक क्षमताओं और यूरोपीय संघ के साथ मजबूत एकीकरण के कारण रोमानिया भारत का स्वाभाविक और महत्वपूर्ण साझेदार है। रोमानिया न केवल निवेश का एक महत्वपूर्ण केंद्र है, बल्कि व्यापक यूरोपीय बाजार तक पहुंच का प्रवेश द्वार भी है। मुर्मू ने कहा कि दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार में लगातार वृद्धि हुई है, लेकिन यह अभी भी अपनी वास्तविक क्षमता से काफी कम है।

भारतीय कंपनियां रोमानिया को यूरोपीय बाजार में प्रवेश के लिए रणनीतिक केंद्र के रूप में देख रही हैं, वहीं रोमानिया की कंपनियों के लिए भारत में नए अवसर उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा कि दोनों देशों का कारोबारी समुदाय उभरते अवसरों का लाभ उठाकर उन्हें सफल व्यावसायिक साझेदारी में बदलेगा।

राष्ट्रपति ने रोमानिया की कंपनियों से भारत की वृद्धि यात्रा में सक्रिय रूप से शामिल होने का आग्रह किया। राष्ट्रपति ने भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को दोनों पक्षों की रणनीतिक साझेदारी का महत्वपूर्ण पड़ाव बताते हुए कहा कि लगभग दो अरब लोगों के संयुक्त बाजार और करीब 25 खरब डॉलर के आर्थिक आकार वाला यह समझौता दुनिया की सबसे महत्वपूर्ण आर्थिक साझेदारियों में से एक होगा। इससे व्यापार, निवेश और मजबूत आपूर्ति श्रृंखलाओं को बढ़ावा मिलेगा।

राष्ट्रपति मुर्मू बृहस्पतिवार को रोमानिया की राजकीय यात्रा पर बुखारेस्ट पहुंची थीं। तीन दशक से अधिक समय में किसी भारतीय राष्ट्राध्यक्ष की यह पहली रोमानिया यात्रा है। इससे पहले उन्होंने रोमानिया के प्रधानमंत्री इली बोलोजान के साथ द्विपक्षीय संबंधों के विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत चर्चा की।

सुरक्षा कारणों से दिल्ली में 18 मेट्रो स्टेशन बंद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली में जंतर-मंतर के पास 'कॉकरोच जनता पार्टी' (कॉजपा) के जारी प्रदर्शन के बीच सुरक्षा कारणों से शुक्रवार को 18 मेट्रो स्टेशन बंद रहे। सुबह साढ़े सात बजे तक 17 मेट्रो स्टेशन बंद कर दिए गए थे, जबकि 18वां स्टेशन नई दिल्ली, कुछ घंटे बाद बंद किया गया।

नई दिल्ली के अलावा लोक कल्याण मार्ग, राजीव चौक, पटेल चौक, रामकृष्ण आश्रम मार्ग, बाराखंभा रोड, सुप्रीम कोर्ट, सेवा तीर्थ, जनपथ, मंडी हाउस, केंद्रीय सचिवालय, आईटीओ, दिल्ली गेट, इंद्रप्रस्थ, खान मार्केट, जोर बाग, शिवाजी स्टेडियम और झंडेवालान स्टेशन बंद रहे। यह लगातार चौथा दिन है जब विभिन्न मेट्रो स्टेशनों को बंद किया गया है।

दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) ने बृहस्पतिवार रात एक्स' पर पोस्ट कर कहा था कि शुक्रवार को सुरक्षा कारणों से 17 स्टेशन सुबह साढ़े सात बजे से अगले आदेश तक बंद रहेंगे। उसने कहा कि राजीव चौक, मंडी हाउस और केंद्रीय सचिवालय स्टेशनों पर इंटरचेंज' (दूसरी लाइन की मेट्रो बदलने) की सुविधा उपलब्ध है। शुक्रवार दोपहर किए गए एक अन्य पोस्ट में डीएमआरसी ने कहा, ''नई दिल्ली मेट्रो स्टेशन अगले आदेश तक बंद रहेगा। 'इंटरचेंज' सुविधा भी उपलब्ध नहीं रहेगी। असुविधा के लिए खेद है।''

ईडी ने गेम्सक्राफ्ट की 1906 करोड़ रुपये की और संपत्ति कुर्क की

नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार को कहा कि उसने ऑनलाइन गेमिंग कंपनी 'गेम्सक्राफ्ट' की 1,906 करोड़ रुपये की और संपत्ति कुर्क की है। एजेंसी का आरोप है कि इस मंच ने खेल का ऐसा लत लगाने वाला' माहौल बनाया, जिसने खिलाड़ियों को बार-बार 'दांव लगाने' के लिए प्रोत्साहित किया। अस्थायी रूप से कुर्क की गई इन संपत्तियों में बैंक सावधि जमा, म्यूचुअल फंड, इक्विटी शेयर, एक फार्महाउस और कई रिहायशी व वाणिज्यिक अचल संपत्तियां शामिल हैं। ये संपत्तियां 'गेम्सक्राफ्ट टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड' के शेयरधारकों, उनके परिवार के सदस्यों, निजी पारिवारिक न्यासों और उनसे जुड़ी संस्थाओं के नाम पर थीं।

एजेंसी ने एक बयान में कहा कि यह कार्रवाई 22 जुलाई को धन शोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत की गई। यह मामला 'रमीकल्चर', 'रमीप्राइम', 'प्लेशिप' और 'रमीटाइम' ऐप से जुड़ा है। ईडी ने कहा कि गेम्सक्राफ्ट और रमीटाइम टेक्नोलॉजीज इन ऐप के जरिए ऑनलाइन 'रियल मनी गेम्स' संचालित कर रही थीं और इनके पास मुख्य रूप से तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु राज्यों में लगभग तीन करोड़ खिलाड़ियों का उपयोगकर्ता आधार था।

प्रधान को बर्खास्त किए जाने तक कोई चर्चा नहीं करेंगे : राहुल

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शुक्रवार को कहा कि जब तक शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को बर्खास्त नहीं किया जाता तब तक विपक्ष किसी तरह का संवाद या चर्चा नहीं करेगा। उन्होंने संसद परिसर में संवाददाताओं से बातचीत में यह भी कहा कि नीट प्रश्नपत्र लीक मामले को लेकर छात्रों की तीन मांगें हैं और विपक्ष भी उन मांगों को पुरजोर तरीके से उठा रहा है।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष का कहना था, ''पहली मांग है कि भ्रष्ट शिक्षा मंत्री को जाना होगा। दूसरी मांग है कि छात्रों को पीटने वालों की जवाबदेही तय होनी चाहिए और तीसरी मांग है कि प्रधानमंत्री को छात्रों से माफी मांगनी चाहिए।'' राहुल गांधी ने कहा, ''जब तक धर्मेंद्र प्रधान को बर्खास्त नहीं किया जाता, हम कोई संवाद और चर्चा नहीं करेंगे।'' उन्होंने दावा किया कि उन्हें सदन में बोलने का मौका नहीं दिया गया, जबकि संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने उनके नाम का उल्लेख किया था।

कांग्रेस नेता ने कहा, ''रीजीजू जी ने सदन में कहा कि वह चाहते हैं कि हम अपने सांसदों से चर्चा में शामिल होने के लिए कहें। सामान्य व्यवस्था है कि जब किसी सदस्य का नाम लिया जाता है तो उसे जवाब देने का मौका दिया जाता है। जब मैं रीजीजू की बात का जवाब देना चाह रहा था, मुझे बोलने का मौका नहीं मिला।''

प्रधानमंत्री युवाओं को गुमराह कर रहे हैं, त्वरित अदालतों की घोषणा महज लीपापोती : कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी युवाओं को गुमराह कर रहे हैं और पेपर लीक के मामलों में जवाबदेही तय करने के बजाय त्वरित अदालतों की घोषणा के जरिए महज सुर्खियां बटोरने की कोशिश की जा रही है।

पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने पोस्ट कर कहा कि पिछले 24 घंटों में हुई दो घटनाओं ने शिक्षा व्यवस्था और पेपर लीक मामलों में कार्रवाई को लेकर केंद्र सरकार की मंशा पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि उच्च शिक्षा सचिव का तबादला कर उनकी जगह ऐसे अधिकारी को नियुक्त किया गया, जिनके परिवार के सदस्यों ने कथित तौर पर कृषि मंत्रालय से भारी-भरकम सब्सिडी ली थी, जबकि वह संबंधित पशुपालन, मत्स्य पालन एवं डेयरी मंत्रालय में शीर्ष नौकरशाह के रूप में कार्यरत थे। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो ने संजीव मुखिया को क्लीन चिट दे दी है, जिन्हें पहले नीट-यूजी 2024 पेपर लीक का सरगना बताया गया था। रमेश ने कहा कि मुखिया की पत्नी बिहार विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की घटक लोक जनशक्ति पार्टी (लोजपा) के टिकट पर चुनाव लड़ चुकी हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री द्वारा त्वरित अदालतों की घोषणा पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि दिल्ली उच्च न्यायालय ने बृहस्पतिवार सुबह ही सार्वजनिक परीक्षाओं में अनुचित साधनों की रोकथाम कानून, 2024 के तहत मामलों की सुनवाई के लिए तत्काल प्रभाव से एक नई त्वरित अदालत का गठन कर दिया।

सदन ने दी कारगिल युद्ध के शहीदों को श्रद्धांजलि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राज्यसभा ने शुक्रवार को कारगिल युद्ध के शहीदों को श्रद्धांजलि दी और सभापति सी पी राधाकृष्णन ने सैन्य बलों के साहस और शौर्य की सराहना करते हुए कहा कि उनकी निगरानी में सीमाएं सुरक्षित हैं।

उच्च सदन की बैठक शुरू होने पर सभापति सी पी राधाकृष्णन ने 26 जुलाई को मनाए जाने वाले कारगिल विजय दिवस का उल्लेख किया। सभापति ने कहा कि उच्च सदन उन बहादुर सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित करता है जिन्होंने कारगिल युद्ध के दौरान देश की रक्षा और राष्ट्र की क्षेत्रीय अखंडता को बनाए रखने में अपने प्राण न्यौछावर कर दिए। उन्होंने कहा, ''26 जुलाई को देश कारगिल विजय दिवस मनाएगा। यह दिन 1999 के कारगिल युद्ध में भारत की जीत की याद में और हमारी सशस्त्र सेनाओं के उन बहादुर अधिकारियों और सैनिकों के सम्मान में मनाया जाता है, जिन्होंने असाधारण साहस, वीरता और कर्तव्य के प्रति अटूट निष्ठा के साथ देश की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा की।'' सभापति ने कहा कि यह सदन उन वीर शहीदों को सादर श्रद्धांजलि अर्पित करता है जिन्होंने देश की सेवा में सर्वोच्च बलिदान दिया। उन्होंने कहा, ''हम सशस्त्र सेनाओं के उन सभी सदस्यों के प्रति भी गहरा आभार व्यक्त करते हैं, जिनका अदम्य साहस, दृढ़ संकल्प और असाधारण चुनौतियों के बीच निस्वार्थ समर्पण देश को प्रेरित करता रहता है और देश की एकता, संप्रभुता और अखंडता को बनाए रखने के हमारे सामूहिक संकल्प को और मजबूत करता है।'' कारगिल विजय दिवस हर वर्ष 26 जुलाई को मनाया जाता है, लेकिन इस बार 26 जुलाई को रविवार होने के कारण अवकाश होगा और संसद की बैठक नहीं होगी। इसलिए आज शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई। कारगिल विजय दिवस 1999 के युद्ध में पाकिस्तान पर भारत की जीत को चिह्नित करने के लिए हर साल 26 जुलाई को मनाया जाता है। भारतीय सेना ने कारगिल की महत्वपूर्ण पर्वत चोटियों पर कब्जा करने वाले पाकिस्तानी सैनिकों को खदेड़ने के लिए भीषण जवाबी कार्रवाई की थी।

झील से मोबाइल निकालने के प्रयास में दो जूनियर डॉक्टर की डूबकर मौत

जमशेदपुर/भाषा। झारखंड के पूर्वी सिंहभूम जिले में शुक्रवार तड़के एक झील से मोबाइल फोन निकालने के प्रयास के दौरान दो जूनियर डॉक्टर की डूबने से मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार के एमजीएम मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के तीन जूनियर डॉक्टर तड़के करीब तीन बजे टहलने के लिए जमशेदपुर स्थित डिमना झील गए थे। इसी दौरान एक डॉक्टर का मोबाइल फोन गलती से पानी में गिर गया। एमजीएम अस्पताल के अधीक्षक डॉ. बलराम झा ने बताया कि मोबाइल निकालने के लिए एक डॉक्टर जलाशय में उतरा, लेकिन गहरे पानी में जाने के कारण वह डूबने लगा।

उन्होंने कहा, ''उसे बचाने के लिए अन्य दो डॉक्टर भी पानी में कूद गए। इनमें से एक ही तैरकर सुरक्षित बाहर निकल सका और बाकी दोनों डूब गए।'' पुलिस उपाधीक्षक दयानंद कुमार ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही नागरिक सुरक्षा कर्मियों और गोताखोरों के साथ पुलिस मौके पर पहुंची और बचाव अभियान शुरू किया। उन्होंने कहा, ''चार घंटे से अधिक समय तक चले अभियान के बाद दोनों शव बरामद कर लिए गए और उन्हें पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।'' पुलिस ने बताया कि मृतकों के परिजनों के अभी तक नहीं पहुंचने और आवश्यक औपचारिकताएं पूरी नहीं होने के कारण उनकी पहचान सार्वजनिक नहीं की गई है।

सोनिया गांधी की आलोचना का कोई मतलब नहीं, कांग्रेस के शासन में कई प्रश्नपत्र लीक हुए : भाजपा

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने छात्रों के प्रदर्शन से निपटने के सरकार के तरीके की कांग्रेस नेता सोनिया गांधी द्वारा की गई आलोचना को शुक्रवार को खारिज करते हुए विपक्ष पर इस मुद्दे से राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश करने का आरोप लगाया। सोनिया ने कहा था कि छात्रों ने जवाबदेही और शैक्षणिक सुधार की मांग की है, लेकिन मोदी सरकार ने उनकी बहादुरी का जवाब कायरता और निर्मम क्रूरता से दिया है, उनके साथ भविष्य के कर्णधारों की तरह नहीं, बल्कि देश के शत्रुओं की तरह व्यवहार किया है। उन्होंने अंग्रेजी दैनिक 'द हिंदू' के लिए लिखे लेख में यह भी कहा कि प्रदर्शनकारी छात्रों की मांगें सीधी और स्पष्ट हैं कि भारत सरकार की जवाबदेही तय हो और शिक्षा में सुधार किया जाए। सोनिया के लेख पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने कहा कि कांग्रेस को आलोचना करने का नैतिक अधिकार नहीं है। उन्होंने संसद भवन परिसर में संवाददाताओं से कहा, ''आपको लगता है कि ऐसे लेख का कोई मतलब है? कांग्रेस के पास क्या नैतिक अधिकार बचा है? कांग्रेस झूठ की दुकान है।'' दुबे ने आरोप लगाया कि कांग्रेस केवल राजनीतिक लाभ के लिए छात्रों के मुद्दे का लाभ उठा रही है। उन्होंने कहा, ''कांग्रेस छात्रों के प्रदर्शन पर जनता की प्रतिक्रिया देखने के बाद ही आंदोलन में कूदी। उसने खुद कोई आंदोलन शुरू नहीं किया।'' भाजपा सांसद शशांक मणि त्रिपाठी ने कहा कि सोनिया गांधी द्वारा की गई आलोचना का कोई मतलब नहीं है क्योंकि कांग्रेस नीत सरकार के कार्यकाल में अनेक प्रश्नपत्र लीक हुए हैं, लेकिन किसी ने न तो इस्तीफा मांगा और ना ही किसी ने दिया।

बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु ने अभिनेता उत्तम कुमार की पुण्यतिथि पर उनकी प्रतिमा का अनावरण किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने प्रख्यात बांग्ला अभिनेता उत्तम कुमार की 47वीं पुण्यतिथि पर शुक्रवार को दक्षिण कोलकाता स्थित केवड़ातला श्मशान घाट पर उनकी प्रतिमा का अनावरण किया और सितंबर में उनकी जन्मशती के उपलक्ष्य में विभिन्न समारोहों के आयोजन सहित कई पहलों की घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने एक स्मारक पट्टिका का अनावरण किया और 'महानायक' के नाम से मशहूर उत्तम कुमार को श्रद्धांजलि दी। कुमार का 1980 में इसी दिन 54 साल की उम्र में निधन हो गया था। शुभेंदु ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य सरकार तीन सितंबर से चार दिनों तक उत्तम कुमार की जन्मशती के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करेगी। उन्होंने अभिनेता के नाम पर बने सभागार 'उत्तम मंच' के जीर्णोद्धार और आधुनिकीकरण की घोषणा भी की। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य सरकार के फिल्म केंद्र 'नंदन' अथवा किसी अन्य उपयुक्त स्थल पर एक प्रमुख समारोह आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार उत्तम कुमार को समर्पित एक फिल्म केंद्र भी स्थापित करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तम कुमार के परिवार के सदस्यों और बांग्ला फिल्म उद्योग के प्रतिनिधियों से विचार-विमर्श के बाद जन्मशती समारोह से जुड़े सभी कार्यक्रमों को अंतिम रूप दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने केवड़ातला महाश्मशान (जहां उत्तम कुमार का अंतिम संस्कार किया गया था) में उनकी प्रतिमा स्थापित करने का निर्णय लिया है, जबकि जन्मशती समारोह कहीं अधिक व्यापक स्तर पर आयोजित किए जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने दिवंगत अभिनेता को श्रद्धांजलि दी और उनके परिवार के सदस्यों का अभिवादन किया, साथ ही कार्यक्रम में शामिल होने के लिए राज्य सरकार का निमंत्रण स्वीकार करने के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। शुभेंदु अभिनेता के भवानीपुर स्थित पैतृक आवास भी पहुंचे।

नीट प्रश्नपत्र लीक मामले में आरोपी चिकित्सक की जमानत याचिका खारिज

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की एक अदालत ने राष्ट्रीय पात्रता प्रवेश परीक्षा (नीट) प्रश्नपत्र लीक मामले में आरोपी एक चिकित्सक की जमानत याचिका शुक्रवार को खारिज कर दी। विशेष न्यायाधीश अजय गुप्ता ने आरोपी बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. मनोज भगवानराव शिरुरे की जमानत याचिका खारिज की। अदालत के विस्तृत आदेश का इंतजार है। न्यायाधीश ने सभी 13 आरोपियों की न्यायिक हिरासत भी छह अगस्त तक बढ़ा दी।

केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने जमानत पर सुनवाई के दौरान दावा किया था कि लातूर के रहने वाले चिकित्सक ने एक परीक्षार्थी के परिवार से पांच लाख रुपये लिए और परीक्षा से पहले परीक्षार्थी को अपने अस्पताल में लीक हुआ रसायन विज्ञान का प्रश्नपत्र दिखाया। सीबीआई ने अदालत को यह भी बताया था कि शिरुरे ने मुख्य आरोपी पी. वी. कुलकर्णी से दो अन्य चिकित्सकों की मुलाकात कराई थी और इन चिकित्सकों के बच्चों को भी कथित रूप से प्रश्नपत्र लीक होने से फायदा मिला था।

अब जवाबदेही की 'शुरुआत', केंद्र से बातचीत जारी रहने के कारण दो दिन बढ़ाया था अनशन : वांगचुक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। शिक्षाविद एवं सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने शुक्रवार को अपने 26 दिन के अनशन की समाप्ति को जवाबदेही की ''शुरुआत'' करार देते हुए कहा कि उन्होंने परीक्षा प्रणाली में सुधार और शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों की सुरक्षा संबंधी अपनी प्रमुख मांगों पर सरकार तथा विभिन्न राजनीतिक दलों के सांसदों से आश्वासन मिलने के बाद ही अनशन समाप्त करने का निर्णय लिया।

वांगचुक ने यह भी कहा कि उन्होंने अपना अनशन दो दिन इसलिए बढ़ाया क्योंकि केंद्र सरकार के साथ बातचीत जारी थी। वांगचुक ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''अनशन समाप्त... जवाबदेही की शुरुआत।'' इसके साथ साझा किए गए एक वीडियो में उन्होंने अनशन समाप्त करने के अपने फैसले की जानकारी दी। उन्होंने नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर कॉजपा के नेतृत्व में चल रहे आंदोलन के समर्थन में 28 जून को अनिश्चितकालीन अनशन शुरू किया था। कॉजपा प्रतियोगी परीक्षाओं में प्रश्नपत्र लीक के मामलों में जवाबदेही तय करने, केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे और परीक्षा प्रणाली में सुधार सहित अन्य मांगों को लेकर आंदोलन कर रही है। वांगचुक की पोस्ट के अनुसार, उन्होंने 26 दिन बाद अपना अनशन तब समाप्त किया जब सरकार और विभिन्न राजनीतिक दलों के सांसदों ने उन्हें आश्वासन दिया कि परीक्षा प्रणाली की 'कथित विफलताओं' और उसमें जवाबदेही सुनिश्चित करने के मुद्दे पर संसद में चर्चा कराई जाएगी। सरकार ने यह भी आश्वासन दिया कि मई में नीट-यूजी प्रश्नपत्र लीक होने के बाद आत्महत्या करने वाले छात्रों के परिजनों को उचित मुआवजा दिया जाएगा तथा शांतिपूर्ण ढंग से प्रदर्शन कर रहे छात्रों और युवाओं के खिलाफ कोई मामला दर्ज नहीं किया जाएगा। वीडियो में वांगचुक ने बताया कि उन्होंने अपना अनशन दो दिन इसलिए बढ़ाया क्योंकि केंद्र सरकार के साथ बातचीत जारी थी। उन्होंने कहा, ''इन आश्वासनों को लेकर पिछले दो दिनों से बातचीत चल रही थी, इसलिए मुझे अपना अनशन दो दिन और बढ़ाना पड़ा। आवश्यकता पड़ती तो मैं इसे और भी आगे बढ़ा सकता था।'' वांगचुक ने उस आश्वासन पत्र का पाठ भी साझा किया, जिसे स्वास्थ्य मंत्री जे. पी. नड्डा ने गुरुग्राम स्थित मेदांता अस्पताल में उनके अनशन समाप्त करने से पहले पढ़कर सुनाया था। पत्र में कहा गया है, सरकार दिल्ली के जंतर-मंतर पर शांतिपूर्वक प्रदर्शन करने वालों तथा 20 जुलाई को संसद मार्च में शामिल हुए लोगों के खिलाफ कोई मामला दर्ज नहीं करने के पक्ष में है।

भोजशाला विवाद : वैकल्पिक नमाज स्थल को लेकर मुस्लिम पक्ष की याचिका पर 29 को होगी सुनवाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय शुक्रवार को मुस्लिम पक्ष की उस याचिका पर 29 जुलाई को सुनवाई करने के लिए सहमत हो गया, जिसमें आरोप लगाया गया है कि मध्य प्रदेश सरकार द्वारा नमाज पढ़ने के लिए चुनी गई वैकल्पिक जगह धार में विवादित भोजशाला परिसर से बहुत दूर है। मुस्लिम पक्ष शुक्रवार की नमाज पढ़ने के लिए भोजशाला परिसर के नजदीक जगह उपलब्ध कराने का

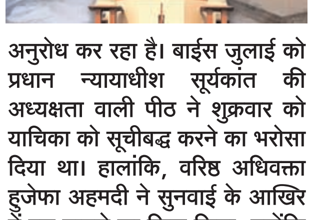

अनुरोध कर रहा है। बाईस जुलाई को प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने शुक्रवार को याचिका को सूचीबद्ध करने का भरोसा दिया था। हालांकि, वरिष्ठ अधिवक्ता हुजेफा अहमदी ने सुनवाई के आखिर में इस मामले का जिक्र किया, क्योंकि यह वाद सूची में नहीं दिखाया गया था।

वरिष्ठ वकील ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार के अधिकारी नमाज अदा करने के लिए आस-पास कोई जगह आवंटित नहीं कर रहे हैं, और जुमे की नमाज दो बार पहले ही छूट चुकी है। दी गई जगह 1.3 किलोमीटर दूर है। राज्य सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने इन दलीलों का विरोध करते हुए कहा, यह 900 मीटर दूर है। अहमदी ने कहा, ''हमारे पास हेलीकॉप्टर नहीं हैं... सड़क मार्ग से यह 1.3 किलोमीटर है। हमेशा इस अदालत के आदेशों का पालन न करने की कोशिश की जाती है।'' सॉलिसिटर जनरल ने जवाब दिया, ''मैं भावनाओं में नहीं बह सकता।'' प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि अंतरिम याचिका पर सुनवाई 29 जुलाई के लिए सूचीबद्ध की जाए। पीठ ने विवादित भोजशाला परिसर को देवी सरस्वती का मंदिर घोषित किए जाने के मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ मुस्लिम पक्ष की अपीलों पर विचार करते हुए 14 जुलाई को राज्य सरकार को निर्देश दिया था कि जब तक मामले में अंतिम निर्णय नहीं लिया जाता, तब तक अपराह्न एक बजे से तीन बजे तक जुमे की नमाज के लिए विवादित स्थल के पास कोई दूसरी

सुविचार

क्रोध निर्णय शक्ति को कमजोर करता है। शांत मन से लिया गया निर्णय, अधिक सही होता है। संयम रखें, संबंध मजबूत बनेंगे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

पेपर लीक पर सख्त कानून जरूरी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पेपर लीक की घटनाओं पर रोक लगाने और दोषियों को दंडित करने के लिए संसद में विधेयक लाने के संबंध में जो घोषणा की है, उसमें छात्रहितों का बहुत ध्यान रखा गया है। देश में ऐसा कानून बनने के बाद पेपर लीक में लिप्त लोग यह कृत्य करने से पहले हजार बार सोचेंगे। जो पेपर लीक करते हैं, वे उसे बेचकर मोटा मुनाफा कमाते हैं। अब केंद्र सरकार जो कदम उठाने जा रही है, उससे ऐसे लोग हतोत्साहित होंगे, क्योंकि अपराध करने के बाद उन्हें जेल और जुर्माने से दिन में तारे नजर आएंगे। पेपर लीक सिर्फ अपराध नहीं है। यह घोर पाप है। जो विद्यार्थी दिन-रात मेहनत करते हैं, उनके हक पर डाका डालने का नाम है- पेपर लीक। सरकार को परीक्षा प्रणाली की पवित्रता और विश्वसनीयता कायम रखने के लिए हर संभव कदम उठाना चाहिए। किसी भी विद्यार्थी के साथ अन्याय नहीं होना चाहिए। कड़ी मेहनत करने के बाद जब पता चलता है कि किसी को परीक्षा से पहले ही पेपर मिल गया था, तो वह खबर वज्रपात की तरह लगती है। इससे मेहनती बच्चों की हिम्मत टूटती है और उन लोगों के हौसले बढ़ते हैं, जो पैसे, पद और पहचान की धौंस जमाते हैं। अगर कोई व्यक्ति अयोग्य है, लेकिन वह पेपर लीक के दम पर डॉक्टर बन गया तो भविष्य में क्या करेगा? वह निश्चित रूप से लोगों को मारेगा! ऐसा व्यक्ति इंजीनियर बनकर व्यवस्था का नाश करेगा और दूसरों का जीवन घोर संकट में डालेगा। पेपर लीक पहले भी होते थे, लेकिन तब आसानी से पता नहीं चलता था। अब सोशल मीडिया पर ऐसी सामग्री तेजी से प्रसारित होती है, जिससे जल्द ही भेद खुल जाता है।

नीट पेपर लीक का मामला सामने आने के बाद दिल्ली में जिस तरह हंगामा खड़ा किया गया, उसे मामूली विरोध प्रदर्शन समझकर खारिज न करें। इसके पीछे निश्चित रूप से विदेशी शक्तियों का हाथ है। स्वार्थी तत्त्वों की फंडिंग है। सीजेपी के रूप में जो लोग इसे आगे बढ़ा रहे हैं, उनकी राजनीतिक महत्वाकांक्षाएं हैं। कथित आंदोलन में असामाजिक तत्त्वों का प्रवेश हो गया है। छात्रों के कुछ मुद्दे हो सकते हैं, लेकिन यह पूरी तरह छात्र-केंद्रित मामला नहीं है। वास्तव में, लोगों की कुछ कुंठाएं भी हैं, जिन्हें सीजेपी वाले भुनाने की कोशिश कर रहे हैं। अब तो विपक्षी दल इसमें कूद पड़े हैं। देशवासियों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बहुत उम्मीदें हैं। लगातार तीसरी बार सत्ता में वापसी इसका प्रमाण है। इस अवधि में देश में कई काम बहुत अच्छे हुए हैं। सेवाओं का डिजिटलीकरण, लाखों शौचालयों का निर्माण, मजबूत सुरक्षा व्यवस्था, आतंकवाद को करारा जवाब, बेहतर परिवहन सुविधाएं, अंतरिक्ष अनुसंधान, ग्रामोत्थान, कोरोना महामारी पर विजय जैसी उपलब्धियों पर सबको गर्व होता है। पश्चिम एशिया में अशांति के बावजूद केंद्र सरकार ने भारत में ईंधन की किल्लत नहीं होने दी। वहीं, आम आदमी कुछ समस्याओं से बहुत परेशान है। शिक्षा बहुत महंगी हो गई है। सरकारी स्कूलों की हालत में कोई खास सुधार नहीं आया है। सरकारी अस्पतालों में सुविधाओं का अभाव है। सरकारी दफ्तरों में घूसख़ोरी का रोग बढ़ता ही जा रहा है। आम आदमी के लिए पुलिस का रवैया कैसा है, यह बताने की जरूरत नहीं है। युवाओं के पास ऐसा कोई हुनर नहीं है, जिससे वे कमाई कर सकें। उनके मन में यह बात दृढ़ता से बैठी हुई है कि 'हमें तो पढ़-लिखकर सिर्फ सरकारी नौकरी करनी है।' जब ये लोग देखते हैं कि नेता और अधिकारी भरपूर सुविधाओं का उपभोग कर रहे हैं, उनके बच्चे विदेशों में पढ़ रहे हैं, विदेशों में छुट्टियों का लुत्फ उठा रहे हैं तो मन में कुंठा पैदा होती है। कुछ शातिर दिमाग उसे अपने फायदे के लिए इस्तेमाल करना जानते हैं। वे देर-सबेर भीड़ जुटा लेते हैं। जंतर-मंतर पर लगे जमावड़े में ज्यादातर लोगों का नीट से दूर-दूर तक कोई संबंध नहीं है, लेकिन उनके मन में छिपी कुंठा उन्हें वहां ले आई। बाकी काम शातिर दिमागों ने कर दिया। केंद्र सरकार को धरातल पर ठोस सुधार करने होंगे।

ट्वीटर टॉक

भारत की ग्रोथ की कहानी उसके लोगों की उम्मीदों से लिखी जा रही है, और कर्नाटक को इसके सबसे मज़बूत हिस्सों में से एक होने पर गर्व है। मेरा मानना है कि दक्षिण भारत भारत की ग्रोथ को बढ़ाने वाले मुख्य इंजनों में से एक के तौर पर उभरा है।

-डीके शिवकुमार

आप सभी देश की उम्मीदें और 1.4 अरब देशवासियों की शुभकामनाएँ लेकर मैदान में उतर रहे हैं। देश के हर नागरिक का प्यार, भरोसा आपके साथ है। आपकी हर कोशिश पर पूरे देश की उम्मीदें टिकी हैं। मुझे पूरा भरोसा है कि अपनी कड़ी मेहनत से आप भारत का नाम रोशन करेंगे।

-भजनलाल शर्मा

उन अमर वीरों की गाथा जिन्होंने कारगिल की दुर्गम पहाड़ी चोटियों पर मुश्किल हालात और खराब मौसम के बीच, अपने बेमिसाल पराक्रम, पक्के इरादे और सर्वोच्च बलिदान से मातृभूमि की एकता और संप्रभुता की रक्षा की हर भारतीय के लिए देशभक्ति, कर्तव्य और समर्पण की हमेशा प्रेरणा देती है।

-ओम बिरला

प्रेरक प्रसंग

सफाई से जीवन रक्षा

सन् 1847 में वियना के एक अस्पताल में डॉ. इग्नाज़ सेमेल्वाइस कार्यरत थे। उन्होंने एक विचित्र बात पर ध्यान दिया। जिस प्रसूति वार्ड में डॉक्टर प्रसव कराते थे, वहां माताओं की मृत्यु दर दूसरे वार्ड की तुलना में कहीं अधिक थी, जहां दाइयां प्रसव कराती थीं। उन्होंने कई महीनों तक कारण खोजा। अंततः उन्होंने देखा कि डॉक्टर शव-परीक्षण करने के तुरंत बाद बिना हाथ अच्छी तरह साफ किए प्रसूति कक्ष में चले जाते थे। सेमेल्वाइस ने सभी डॉक्टरों के लिए क्लोरीन मिले घोल से हाथ धोना अनिवार्य कर दिया। कुछ ही महीनों में मृत्यु दर नाटकीय रूप से घट गई। उन्हें लगा कि अब सब लोग इस व्यवस्था को अपनाएंगे। लेकिन वरिष्ठ चिकित्सकों ने उनकी बात मानने से इनकार कर दिया। सेमेल्वाइस के पास आंकड़े थे, परिणाम थे, फिर भी उन्हें स्वीकार नहीं किया गया। उन्होंने अपना काम जारी रखा। वर्षों बाद विज्ञान ने सिद्ध किया कि वे सही थे। रोगाणुओं के सिद्धांत के विकसित होने पर दुनिया ने समझा कि हाथ धोना केवल सफाई नहीं, जीवन बचाने का उपाय है। आज अस्पतालों में हाथ धोना सामान्य नियम है। लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि इस साधारण आदत के पीछे एक ऐसे चिकित्सक का संघर्ष छिपा है।

सामयिक

चातुर्मास को यदि सही अर्थों में जिया जाए तो यह जीवन की दिशा और दृष्टि दोनों को पूरी तरह से बदलने की क्षमता रखता है। यह कोई थोपा गया कठोर अनुशासन नहीं है, बल्कि स्वेच्छा से स्वीकार किया गया एक आनंदमयी तप है जो मनुष्य को सोने की तरह तपाकर कुंदन बनाता है। इन चार महीनों की अवधि में अर्जित की गई सकारात्मक ऊर्जा, संयम और अनुशासन व्यक्ति को शेष आठ महीनों के कठिन जीवन संग्राम में सफलतापूर्वक टिके रहने की असीम शक्ति प्रदान करते हैं।

चातुर्मास : आत्मपरिष्कार का अनुष्ठान

महेन्द्र तिवारी
मोबाइल : 9989703240

भारतीय धर्म और संस्कृति में समय को केवल घड़ी की सुइयों या कैलेंडर के पन्नों से नहीं मापा जाता, बल्कि इसे चेतना के निरंतर विकास और प्रकृति के चक्र के साथ जोड़कर देखा जाता है। चातुर्मास इसी सनातन परंपरा का एक अत्यंत महत्वपूर्ण और वैज्ञानिक आधार वाला कालखंड है। आषाढ़ शुक्ल एकादशी अर्थात देवशयनी एकादशी से लेकर कार्तिक शुक्ल एकादशी अर्थात देवउठनी एकादशी तक के ये चार महीने केवल व्रत और उपवास के दिन नहीं हैं, बल्कि यह मनुष्य की आंतरिक यात्रा, आत्मपरिष्कार और आध्यात्मिक जागरण का एक वृहद पर्व है। धार्मिक मान्यता है कि आषाढ़ शुक्ल एकादशी के दिन भगवान श्रीहरि विष्णु क्षीरसागर में शेषनाग की शय्या पर चार मास के लिए योगनिद्रा में चले जाते हैं। भगवान के योगनिद्रा में जाने का यह प्रतीकात्मक अर्थ यह है कि अब सृष्टि के पालन का कार्य कुछ समय के लिए विश्राम की अवस्था में है और यह समय बाहरी दौड़भाग को रोककर अपनी भीतर की दुनिया को संवारने का है। जिस तरह भगवान विष्णु अंतर्मुखी होकर योगनिद्रा का आश्रय लेते हैं, उसी तरह साधारण मनुष्य से लेकर साधु संतों तक को इस अवधि में अपनी इंद्रियों को समेटकर अंतर्मुखी होने का निर्देश दिया गया है। यह काल हमें बताता है कि जीवन में कर्म और गति जितनी आवश्यक है, उतनी ही आवश्यक शांति और स्थिरता भी है।

चातुर्मास का आरंभ वर्षा ऋतु के साथ होता है। प्रकृति भी इस समय अपने पुराने आवरण को उतारकर नवसृजन की प्रक्रिया में मग्न होती है। ग्रीष्म ऋतु की चिलचिलाती धूप और ताप से झुलसी हुई धरती पर जब आषाढ़ और श्रावण की फुहारें पड़ती हैं, तो चारो ओर हरियाली और जीवन का नया संचार होने लगता है। प्राचीन काल में यातायात के साधन अत्यंत सीमित थे और वर्षा के कारण कच्ची पगडंडियां दुर्गम हो जाती थीं। इसलिए परिव्राजक, संन्यासी और भिक्षु जो वर्ष भर निरंतर भ्रमण करते रहते थे, वे इन चार महीनों में अपनी यात्राएं रोककर किसी एक स्थान पर ठहर जाते थे। इसी ठहराव को चातुर्मास कहा गया। एक स्थान पर रुकने का यह नियम केवल शारीरिक विश्राम के लिए नहीं था, बल्कि इसके पीछे अहिंसा का एक बहुत बड़ा दर्शन छिपा हुआ था। वर्षा ऋतु में भूमि पर अनेक प्रकार के सूक्ष्म जीव जंतु और कीड़े मकोड़े उत्पन्न हो जाते हैं। यात्रा करने से अनजाने में ही इन जीवों की हत्या होने का पाप लग सकता है। इसलिए संतों ने एक स्थान पर रुक कर मौन और तपस्या का मार्ग चुना। इस ठहराव का एक उद्देश्य यह भी था कि साधु संत समाज के बीच रहकर ज्ञान का प्रकाश फैलाएं और स्वयं की साधना को और अधिक गहरा करें।

आध्यात्मिक दृष्टिकोण के साथ साथ चातुर्मास का शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी गहरा महत्व है। आयुर्वेद के अनुसार वर्षा ऋतु में मनुष्य की पाचन शक्ति बहुत कमजोर हो जाती है और जल तथा वायु में अनेक प्रकार के सूक्ष्म जीवाणुओं का संक्रमण बढ़ जाता है। ऐसे में आहार और विहार पर कठोर नियंत्रण रखना अत्यंत आवश्यक हो जाता है। चातुर्मास के दौरान सात्विक भोजन ग्रहण करने, एक समय उपवास करने और कुछ विशेष पदार्थों के त्याग का नियम बनाया गया है। यह केवल एक अंधविश्वास नहीं है बल्कि शरीर को निरोगी रखने की एक विशुद्ध वैज्ञानिक प्रक्रिया है। जब हम अपने स्वाद और भोजन की आदतों पर नियंत्रण स्थापित करते हैं, तो हमारा मन भी धीरे धीरे हमारे वश में आने लगता है। उपवास और व्रत का वास्तविक अर्थ केवल भूखा रहना नहीं है, बल्कि अपनी वृत्तियों को उप अर्थात समीप और वास अर्थात निवास कराना है। इसका सीधा अर्थ अपनी आत्मा के समीप निवास करना है। जब शरीर हल्का रहता है तो मन में तामसिक और राजसिक विचार कम उत्पन्न होते हैं। यही कारण है कि चातुर्मास में स्वाध्याय, सत्संग और नाम जप का विशेष विधान है ताकि मन को सकारात्मक ऊर्जा मिलती रहे और वह भौतिक विकारों से मुक्त हो सके।

सामान्यतः लोग चातुर्मास को केवल कुछ धार्मिक कर्मकांडों, पूजा पाठ और मंदिरों में होने वाले आयोजनों तक सीमित मान लेते हैं, किंतु इसकी परिधि इससे कहीं अधिक व्यापक है। सच्ची साधना केवल बंद कमरे या मंदिर के एकांत में नहीं होती, बल्कि वह मनुष्य के दैनिक आचरण और व्यवहार में झलकनी चाहिए। यदि कोई व्यक्ति महीनों तक व्रत करता है किंतु उसके व्यवहार में क्रोध, अहंकार, ईर्ष्या और कटुता बनी रहती है, तो उसकी सारी तपस्या निरर्थक हो जाती है। चातुर्मास मनुष्य को यही सिखाता है कि उसे अपने भीतर के विकारों को पहचान कर उन्हें दूर करने का निरंतर प्रयास करना चाहिए। वाणी में मधुरता लाना, विचारों में पवित्रता रखना, दूसरों के प्रति करुणा और दया का भाव रखना तथा असहायों की निस्वार्थ सहायता करना ही इस काल की सबसे बड़ी पूजा है। इन चार महीनों में व्यक्ति को यह दृढ़ संकल्प लेना चाहिए कि वह किसी भी जीव को अपने मन, वचन या कर्म से तनिक भी कष्ट नहीं पहुंचाएगा। यही सच्चा आत्मपरिष्कार है जहाँ मनुष्य अपनी कमजोरियों पर विजय प्राप्त कर एक बेहतर और संवेदनशील इंसान बनने की ओर कदम बढ़ाता है।

आज के आधुनिक और तेजी से भागते हुए जीवन में चातुर्मास की प्रासंगिकता और भी अधिक बढ़ गई है। आज मनुष्य ने विज्ञान और तकनीक के बल पर अपार भौतिक सुख सुविधाएं तो जुटा ली हैं, लेकिन उसकी मानसिक शांति कहीं बहुत पीछे छूट गई है। हर व्यक्ति एक अंधी दौड़ में शामिल है जहां उसे बस दूसरों से आगे निकलना है।

इस निरंतर प्रतिस्पर्धा, तनाव और प्रदर्शन की होड़ ने मनुष्य को भीतर से खोखला और अशांत कर दिया है। मोबाइल, इंटरनेट और सोशल मीडिया की आभासी दुनिया ने उसे अपने ही परिवार और स्वयं अपनी आत्मा से भी दूर कर दिया है। ऐसे समय में चातुर्मास हमें एक अमूल्य अवसर प्रदान करता है कि हम इस डिजिटल कोलाहल और मानसिक शोरगुल से खुद को कुछ समय के लिए पूरी तरह काट लें। यह एक प्रकार का मानसिक और आध्यात्मिक कायाकल्प है। कुछ समय एकांत में बैठकर स्वयं से संवाद करना, अपनी सफलताओं और विफलताओं का निष्पक्ष मूल्यांकन करना और यह गहराई से सोचना कि हम किस दिशा में जा रहे हैं, आज के समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बन चुकी है। चातुर्मास हमें बार बार याद दिलाता है कि स्थायी सुख और आनंद बाहर के शोर में नहीं, बल्कि भीतर के मौन में छिपा है।

चातुर्मास को यदि सही अर्थों में जिया जाए तो यह जीवन की दिशा और दृष्टि दोनों को पूरी तरह से बदलने की क्षमता रखता है। यह कोई थोपा गया कठोर अनुशासन नहीं है, बल्कि स्वेच्छा से स्वीकार किया गया एक आनंदमयी तप है जो मनुष्य को सोने की तरह तपाकर कुंदन बनाता है। इन चार महीनों की अवधि में अर्जित की गई सकारात्मक ऊर्जा, संयम और अनुशासन व्यक्ति को शेष आठ महीनों के कठिन जीवन संग्राम में सफलतापूर्वक टिके रहने की असीम शक्ति प्रदान करते हैं। जिस तरह एक छोटा सा बीज अंधकारमय मिट्टी के भीतर रहकर स्वयं को गलाता है और फिर वर्षा जल पाकर एक नए पौधे के रूप में फूटकर बाहर आता है, ठीक उसी प्रकार चातुर्मास की यह साधना मनुष्य के अहंकार और अज्ञान को पूरी तरह गलाकर उसमें से प्रज्ञा, विवेक और करुणा के नए अंकुर प्रस्फुटित करती है। इसलिए इसे केवल पंचांग का एक सामान्य हिस्सा या पुरानी परंपरा मानकर नहीं छोड़ देना चाहिए, बल्कि इसे आत्मनिर्माण के एक महान महोत्सव के रूप में मनाना चाहिए। यह कालखंड हम सभी का आह्वान करता है कि हम अपनी चेतना के सोए हुए देव को जगाएं और जीवन को उसकी पूर्णता, सार्थकता और दिव्यता के साथ जीने का सच्चा प्रयास करें।

नजरिया

नकली और एक्सपायरी दवाओं का फैला गोरखधंधा

बाल मुकुन्द ओझा
मोबाइल : 9414441218

भारत में नकली, घटिया और अवैध दवाओं का धंधा तेजी से फैल रहा है, जिसकी वजह से रोगियों की जान जोखिम में है। विशेषज्ञों के मुताबिक जो दवाएं धोखाधड़ी से निर्मित या पैक की गई हैं, उन्हें नकली और घटिया दवाएं कहा जाता है क्योंकि उनमें या तो सक्रिय अवयवों की कमी होती है या गलत खुराक होती है। देश में बनने वाली अंग्रेजी दवाएं पिछले कुछ सालों से अपनी गुणवत्ता को लेकर सवालों के घेरे में हैं। देश में आये दिन घटिया, मिलावटी और नकली दवाओं के जखीरे पकड़े जा रहे है जो साबित करते है आमजन का स्वास्थ्य खतरे में है। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन के नियमित निगरानी गतिविधि के तहत जून 26 के ड्रग अलर्ट में देशभर की 159 दवाएं एवं कास्मेटिक सैंपल फेल हुए हैं। इनमें 132 सैंपल राज्य औषधि परीक्षण प्रयोगशालाओं तथा 27 केंद्रीय प्रयोगशालाओं की जांच में गुणवत्ता की कसौटी पर खरे नहीं उतरे। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन के मुताबिक एंटीबायोटिक, हृदय रोग, दर्द एवं बुखार, बच्चों के सीरप, खांसी, पेट, आंखों की दवाओं सहित इंजेक्शन तथा विटामिन उत्पादों के सैंपल फेल पाए गए हैं। अधिकांश दवाएं डिसाल्यूशन, कंटेंट, एस्से, स्टेरिलिटी, पीएच, पार्टिकुलेट मैटर तथा सक्रिय औषधीय तत्व (एपीआइ) की निर्धारित मात्रा जैसे महत्वपूर्ण गुणवत्ता मानकों पर असफल रहीं। जून के ड्रग अलर्ट में हिमाचल में बनीं 45, उत्तराखंड की 30 और गुजरात की 28, मध्य प्रदेश के 13, तमिलनाडु, महाराष्ट्र व सिक्किम की सात-सात दवाओं के सैंपल फेल मिले हैं। पंजाब, हरियाणा, बिहार, राजस्थान, तेलंगाना, कर्नाटक, असम सहित अन्य राज्यों से भी कुछ दवाओं के सैंपल फेल पाए गए हैं। ये दवाएं अलग-अलग राज्यों से बाजार में उपलब्ध थीं और मरीजों तक पहुँच चुकी थीं। इस भांति साल भर में सैंकड़ों दवाएं जाँच में फेल हो चुकी है।

एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शीघ्र ही भारतीय दवा बाजार 60.9 अरब डालर के स्तर को पार कर जाएगा। ऐसे में अपने मुनाफे के लिए

भारत दवाओं का सबसे ज्यादा प्रोडक्शन करने वाला देश है। मगर देशवासियों को अच्छी गुणवत्ता की दवाएं नहीं मिल पा रही हैं। इंडिया ब्रांड इक्विटी फाउंडेशन के मुताबिक, भारत में फार्मा इंडस्ट्री बीते कुछ सालों में तेजी से बढ़ रही है। इसमें साल 2020 से 2025 के बीच 37 प्रतिशत कंपाउंड एनुअल ग्रोथ का अनुमान जताया गया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक सबसे अधिक मात्रा में दवाइयां बनाने में भारत विश्व का तीसरा सबसे बड़ा देश है।

लोगों की सेहत से खिलवाड़ करने वालों पर समय रहते सख्त कार्रवाई करनी होगी। आज के इस समय में नकली दवाइयां भी खूब मिलने लग गई हैं। ज्यादा पैसे कमाने के लालच में बाजार में नकली दवाइयों की बिक्री बढ़ गई है। बाजारों-अस्पतालों में घटिया और नकली दवाएं धड़ल्ले से बिक रही हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार नकली और घटिया दवाएं बनाने की सबसे अधिक कंपनियां हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और गुजरात में है। इनमें से बहुत सी ऐसी कंपनियां सरकारी अस्पतालों में दवा की सप्लाई का ठेका लेती हैं। नकली दवाओं का सेवन करने से आपके शरीर में कई गंभीर बीमारियां हो सकती हैं। ऐसे में अगर आप मेडिकल स्टोर या ऑनलाइन वेबसाइट से दवाओं को खरीदते हैं तो इस स्थिति में आपको सावधान हो जाने की जरूरत है। घटिया और नकली दवाओं को बनाना-बेचना भ्रष्टाचार ही नहीं हमारी सेहत के लिए एक बड़ा खतरा भी है। ऐसे में नियामकीय व्यवस्था को मजबूत बनाकर ही नकली और मिलावटी दवाओं से निजात मिलेगी।गंभीर बीमारियों की छोड़िये, छोटी मोटी मौसमी बीमारियां जैसे सर्दी, जुखाम, खांसी, बुखार, एसीडीटी, रक्तचाप और गैस आदि भी यदि अंग्रेजी दवाओं से ठीक नहीं हो रही है तो आप सावधान हो जाइये क्योंकि इन दवाओं के नकली और घटिया होने का खतरा मंडरा रहा है। अनेक मीडिया रिपोर्ट्स में यह खुलासा किया गया है कि देशभर में नकली और घटियां दवाओं का धड़ल्ले से निर्माण हो रहा है जिसका पुख्ता प्रमाण सरकारी एजेंसियों की छापामारी से मिल रहा है। जाँच में ये दवाइयां नकली निकल रही है जो जनता के स्वास्थ्य से सरेआम खिलवाड़ है। आम आदमी जीवन रक्षक दवाओं में मिलावट की ख़बरों से खासा परेशान है। हमारे बीच यह धारणा पुख्ता बनती जा रही है कि बाजार में मिलने वाली अंग्रेजी दवाओं में कुछ न कुछ मिलावट जरूर है। लोगों की यह चिंता बेबुनियाद नहीं है। ये दवाएं नामी ब्रांडेड कंपनियों की पैकेजिंग में बेची जा रही हैं। देशभर में हर दूसरे या तीसरे दिन खबरें छपती रहती है कि इतने करोड़ की नकली दवाई पकड़ी गयी। इतनी दवाओं को नष्ट किया गया या सील किया गया। इसके बावजूद नकली दवाओं का धंधा बजाय कम होने के बढ़ता ही जा रहा है।

भारत दवाओं का सबसे ज्यादा प्रोडक्शन करने वाला देश है। मगर देशवासियों को अच्छी गुणवत्ता की दवाएं नहीं मिल पा रही हैं। इंडिया ब्रांड इक्विटी फाउंडेशन के मुताबिक, भारत में फार्मा इंडस्ट्री बीते कुछ सालों में तेजी से बढ़ रही है। इसमें साल 2020 से 2025 के बीच 37 प्रतिशत कंपाउंड एनुअल ग्रोथ का अनुमान जताया गया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक सबसे अधिक मात्रा में दवाइयां बनाने में भारत विश्व का तीसरा सबसे बड़ा देश है। देश में सबसे तेज गति से बढ़ रहे इस कारोबार के 55 बिलियन डॉलर तक पहुंचने के साथ ही नकली और घटिया की दवाओं का अवैध कारोबार भी बढ़ रहा है जिससे लोगों की जान पर खतरा बढ़ता जा रहा है। एसोचैम ने अपनी एक रिपोर्ट में देश में बनने वाली कुल दवाओं का 25 प्रतिशत नकली और खराब गुणवत्ता वाली दवाएं बनने और बिकने का खुलासा किया था, जो विश्व की कुल नकली दवाओं का 35 प्रतिशत है। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भारत सहित विभिन्न देशों में नकली दवाओं का कारोबार लगभग तीस अरब डॉलर तक पहुंच गया है।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री एंडी बर्नहम ने नंबर '10 नॉर्थ' कार्यालय से शुरू किया कामकाज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लंदन/भाषा। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री एंडी बर्नहम ने शुक्रवार को मैनचेस्टर स्थित नए नंबर '10 नॉर्थ' कार्यालय से कामकाज शुरू किया। इस पहल का उद्देश्य सरकार की सत्ता और प्रशासनिक गतिविधियों का केंद्र केवल लंदन स्थित '10 डाउनिंग स्ट्रीट' तक सीमित न रखकर उसका विकेंद्रीकरण करना है। मैनचेस्टर के हेरॉन हाउस में प्रधानमंत्री कार्यालय की नई उत्तरी शाखा नंबर '10 नॉर्थ' का बर्नहम के आगमन के साथ औपचारिक रूप से कामकाज के लिए ''खुला'' घोषित किया गया। यहां उन्होंने वरिष्ठ मंत्रियों, महापौरों और उद्योग जगत के प्रमुख प्रतिनिधियों की राष्ट्रीय आर्थिक परिषद की पहली बैठक की अध्यक्षता की। बर्नहम की योजना है कि वह ''नंबर 10 नॉर्थ' कार्यालय में हर सप्ताह कम से कम एक दिन काम करेंगे। उनका कहना है कि यह केवल एक नया कार्यालय नहीं होगा। कार्यालय के अधिकारियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, ''यह सिर्फ एक नया दफ्तर नहीं है। इस स्थान के माध्यम से सत्ता का विकेंद्रीकरण होगा, नई ऊर्जा का संचार होगा और नए विचारों को आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा।'' बर्नहम ने कहा, ''मैं शब्दों में बयां नहीं कर सकता कि यह मेरे लिए कितना गर्व का क्षण है। मुझे लगता है कि यह शायद मेरे जीवन का सबसे बेहतरीन दिन है।'' उन्होंने कहा, ''मेरी पीढ़ी के लोगों के लिए, जो यहां पले-बढ़े, और यही बात देश के कई अन्य इलाकों पर भी लागू होती है, जीवन में आगे बढ़ने के लिए अपने शहर या क्षेत्र को छोड़ना पड़ता था, क्योंकि वहां अवसर नहीं थे। नंबर 10 नॉर्थ' का उद्देश्य इसी सोच को बदलना है- देश के हर इलाके तक निर्णय लेने की शक्ति पहुंचाना, ताकि लोग अपने क्षेत्र में रहकर ही बदलाव ला सकें और विकास कर सकें, जैसा इस शहर और इंग्लैंड के अन्य शहरों ने सत्ता के विकेंद्रीकरण के जरिए किया है।'' सोमवार को प्रधानमंत्री पद की जिम्मेदारी संभालने वाले बर्नहम के साथ मैनचेस्टर में वित्त मंत्री जॉन हीली और लुईस हेग भी मौजूद थीं। हेग नवगठित प्रधानमंत्री और मंत्रिमंडल के लिए कार्यालय की जिम्मेदारी संभाल रही हैं। यह नया विभाग 10 डाउनिंग स्ट्रीट', नंबर 10 नॉर्थ' और मंत्रिमंडल कार्यालय को एकीकृत रूप से संचालित करेगा।

पूजा

पश्चिम बंगाल के हुगली ज़िले में शुक्रवार को 'महेश उल्टा रथ यात्रा' के दौरान बीजेपी की पश्चिम बंगाल महासचिव लॉकेट चटर्जी ने भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा की पूजा-अर्चना की।

इमरान खान के बेटे ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से दखल की अपील की, कहा : उन्हें तत्काल चिकित्सा मदद चाहिए

लाहौर/भाषा। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के बेटे ने 1100 दिन से जेल में बंद अपने पिता के लिए तत्काल चिकित्सकीय देखभाल की जरूरत के सिलसिले में अंतरराष्ट्रीय समुदाय से दखल देने की अपील की है। पूर्व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर और नेता इमरान खान (73) अभी रावलपिंडी की आडियाला जेल में एकांत कारावास में हैं। उन्हें पांच अगस्त 2023 को इस्लामाबाद की एक अदालत ने तोशाखाना मामले में भ्रष्टाचार का दोषी ठहराया था जिसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया था। इसके बाद इमरान खान को कई अन्य मामलों में भी गिरफ्तार किया गया और दोषी ठहराया गया, जिसके कारण वह लगातार जेल में हैं।

कासिम खान (26) ने शुक्रवार को 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''मेरे पिता इमरान खान को जेल में बंद हुए अब लगभग 1,100 दिन हो चुके हैं। मैंने और मेरे भाई ने मार्च के बाद से उनकी आवाज नहीं सुनी है। महीनों से हमें उनसे संपर्क नहीं करने दिया गया है।'' उन्होंने कहा, ''हमें इस बात की कोई जानकारी नहीं है कि उन्हें स्वास्थ्य सेवाएं मिल रही हैं या नहीं, जबकि उनकी आंखों की रोशनी लगातार कम होती जा रही है। उन्हें तुरंत चिकित्सकीय मदद की जरूरत है। परिवार या कानूनी पहुंच न होने के कारण, हमें उनके बारे में कोई भी जानकारी या भरोसा नहीं मिल पाता है।''

कासिम खान और उनके 29 वर्षीय भाई सुलेमान खान ब्रिटेन में रहते हैं। पाकिस्तान सरकार ने दिसंबर 2025 से इमरान खान की सभी तरह की मुलाकातों पर रोक लगा रखी है क्योंकि उन्होंने अपनी एक बहन के साथ भेंट के दौरान फील्ड मार्शल जनरल आसिम मुनीर को मानसिक रूप से ''अस्थिर व्यक्ति'' कहा था। कासिम खान ने कहा, मुझे उनकी बहुत याद आ रही है। मैं उनसे आम चीज़ों के बारे में बात करना चाहता हूं, जैसे मेरा क्रिकेट, मैं जो किताबें पढ़ रहा हूं और कौन सी नई फ़िल्म अच्छी हैं, वगैरह। मैं समझता हूं कि पाकिस्तान के लोग अपने चुने हुए नेता को आजाद देखना चाहते हैं, लेकिन मुझे अपने पिता की पहले से कहीं ज़्यादा याद आ रही है।

'लॉकअपः सच या सजा' में हर्षद चोपड़ा पर बरसीं फराह

मुंबई/एजेन्सी

टीवी के लोकप्रिय अभिनेता हर्षद चोपड़ा इन दिनों रियलिटी शो 'लॉक अप: सच या सजा' को लेकर लगातार चर्चा में बने हुए हैं। शो में उनकी मौजूदगी दर्शकों का ध्यान खींच रही है। हाल ही के एपिसोड में ऐसा ही एक पल सामने आया, जब अभिनेत्री शिवांगी जोशी ने क्रैकडाउन टास्क के दौरान मुकाबले के लिए हर्षद चोपड़ा को चुना। इसके बाद हर्षद की प्रतिक्रिया देखकर शो की जेलर फराह खान ने उनकी चुप्पी को एक्टिंग बताया और उन्हें खुलकर अपनी बात कहने की सलाह दी। दरअसल, एपिसोड में सभी कंटेस्टेंट्स को क्रैकडाउन टास्क के लिए एरीना में बुलाया गया। इस टास्क में नई वाइल्ड कार्ड कंटेस्टेंट अपूर्वा मखीजा को यह जिम्मेदारी दी गई कि वह कंटेस्टेंट्स की जोड़ियां बनाए। इसके लिए कंटेस्टेंट्स से कहा गया कि वे उस खिलाड़ी को चुनें, जिसे वे मुकाबले के लिए सबसे कमजोर प्रतिद्वंद्वी मानते हैं। इस फैसले ने घर के अंदर तनाव का माहौल बना दिया। टास्क के दौरान शिवांगी जोशी ने मुकाबले के लिए हर्षद चोपड़ा का नाम लिया। उनके इस फैसले ने सभी को हैरान कर दिया। हर्षद भी इस फैसले के बाद काफी शांत नजर आए। इसी बीच फराह खान ने शिवांगी से पूछा कि उन्होंने किसे चुनौती दी है। इस पर शिवांगी ने जवाब दिया- 'हर्षद।'इसके बाद अभिनेता राम कपूर ने हर्षद को समझाते हुए कहा कि शिवांगी ने सही फैसला लिया है। अगर वह ऐसा नहीं करतीं, तो हर्षद सीधे जजमेंट डे में पहुंच जाते और उन्हें मुकाबला करने का मौका भी नहीं मिलता।फराह खान ने इसके बाद शिवांगी से पूछा, 'क्या तुमने हर्षद को इसलिए चुना क्योंकि तुम्हें लगता है कि वह कमजोर हैं?' इस सवाल के जवाब में शिवांगी ने कहा, 'अगर मैं उन्हें नहीं चुनती तो वह सीधे जजमेंट डे में चले जाते। अब कम से कम मुकाबला बराबरी का होगा और हम दोनों में से किसी एक को सुरक्षित रहने का मौका मिलेगा।'

इस दौरान हर्षद चोपड़ा लगातार चुपचाप खड़े रहे। उनकी इस प्रतिक्रिया को देख फराह खान ने कहा, 'हर्षद, अगर आपकी एक्टिंग खत्म हो गई हो तो क्या मैं आपसे एक सवाल पूछ सकती हूं? आखिर हो क्या रहा है? आप ऐसे क्यों व्यवहार कर रहे हैं? अपनी बात मन में मत रखिए, खुलकर बोलिए।'फराह के कहने पर हर्षद ने अपनी चुप्पी तोड़ी। उन्होंने कहा कि वह सिर्फ यह सोच रहे थे कि आगे उन्हें क्या करना है और इस स्थिति में गेम कैसे खेलना चाहिए।इस पर फराह ने उनसे मजाकिया अंदाज में पूछा, 'क्या आप जानबूझकर हारने के बारे में सोच रहे थे?' हर्षद ने इस सवाल का तुरंत जवाब देते हुए कहा, 'नहीं। शिवांगी इतनी मजबूत खिलाड़ी हैं कि वह मुझे हरा सकती हैं।'

बांग्लादेश के राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने इस्तीफा दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ढाका/भाषा। बांग्लादेश के राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने अपने कार्यकाल के खत्म होने से दो साल पहले ही शुक्रवार को इस्तीफा दे दिया। वह अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के पूर्व सहयोगी थे। 'द डेली स्टार' अखबार के अनुसार, 76 वर्षीय नेता ने अपने इस्तीफे की वजह के बारे में पूछे गए एक सवाल का जवाब देते हुए कहा, ''मैं स्वास्थ्य संबंधी कई दिक्कतों से जूझ रहा हूं।'' राष्ट्रपति भवन 'बंगभवन' के एक प्रवक्ता ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि शहाबुद्दीन के प्रतिनिधि उनका त्यागपत्र लेकर संसद के लिए निकल चुके हैं।

त्यागपत्र संसद के अध्यक्ष हफीजुद्दीन अहमद को सौंपा जाएगा, जो बांग्लादेश के संविधान के अनुसार नए राष्ट्रपति के चुने जाने तक कार्यवाहक राष्ट्रपति के तौर पर काम करेंगे। प्रवक्ता ने कहा, ''जब तक संसद के अध्यक्ष को त्यागपत्र नहीं मिल जाता, मैं इस्तीफे पर कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं कर सकता।'' वर्ष 1971 के मुक्ति संग्राम में भूमिका निभाने वाले और निचली अदालत के न्यायाधीश रहे शहाबुद्दीन ने अप्रैल 2023 में पांच साल के कार्यकाल के लिए राष्ट्रपति के तौर पर शपथ ली थी।

उन्हें देश की पिछली संसद ने सर्वोच्च पद के लिए चुना था और वह एकमात्र ऐसे व्यक्ति थे, जो जुलाई-अगस्त 2024 में छात्रों के हिंसक विरोध-प्रदर्शनों के बाद भी अपने संवैधानिक पद पर बने हुए थे। इन विरोध-प्रदर्शनों के बाद हसीना की अवामी लीग सरकार गिर गई थी।

गोलू गुप्ता का सफर मेरे करियर का सबसे खास अनुभव : श्वेता त्रिपाठी

मुंबई/एजेन्सी

लंबे समय से दर्शकों के दिलों पर राज कर रही 'मिर्जापुर' फ्रेंचाइजी अब ओटीटी की दुनिया से निकलकर बड़े पर्दे पर दस्तक देने जा रही है। 'मिर्जापुर: द फिल्म' में एक बार फिर अभिनेत्री श्वेता त्रिपाठी अपने लोकप्रिय किरदार गोलू गुप्ता के रूप में नजर आएंगी। फिल्म की रिलीज से पहले अभिनेत्री ने अपने किरदार की यात्रा, फ्रेंचाइजी से जुड़े अनुभव और दर्शकों के प्यार को लेकर कई बातें साझा की। उन्होंने बताया कि गोलू का किरदार समय के साथ काफी बदल गया है और एक ऐसी लड़की से एक मजबूत महिला तक का सफर तय कर चुका है, जो सही और गलत की समझ से आगे बढ़ते हुए ताकत, दर्द, बदले और महत्वाकांक्षा जैसी भावनाओं से गुजरती है। श्वेता त्रिपाठी ने कहा, ''जब हमने करीब आठ साल पहले मिर्जापुर की शूटिंग शुरू की थी, तब हममें से किसी ने नहीं सोचा था कि यह सफर इतना लंबा और खास होगा।

एक कलाकार के तौर पर आप हमेशा चाहते हैं कि आपका काम लोगों तक पहुंचे, लेकिन बहुत कम ऐसा होता है जब कोई शो लोगों की बातचीत, मीम्स, सेलिब्रेशन और उनकी भाषा का हिस्सा बन जाए। मिर्जापुर ने यह कर दिखाया।''

उन्होंने कहा, ''इस फ्रेंचाइजी ने कलाकारों को ऐसी पहचान दी, जिसकी उन्होंने कल्पना भी नहीं की थी। दर्शकों ने सिर्फ कहानी को पसंद नहीं किया, बल्कि इसके किरदारों से गहरा जुड़ाव महसूस किया। लोग मुझे आज भी मेरे असली नाम से ज्यादा गोलू दीदी के नाम से पहचानते हैं।''

फिल्म के रूप में 'मिर्जापुर' के विस्तार को लेकर श्वेता ने कहा, ''यह सिर्फ एक सीरीज को बड़े पर्दे पर लाने की कोशिश नहीं है, बल्कि यह उन दर्शकों के प्यार का नतीजा है, जिन्होंने कई सालों तक इस कहानी और किरदारों को अपना माना। हर सीजन के बाद लोग और कहानी देखना चाहते थे, किरदारों पर चर्चा करते थे और अपनी-अपनी थ्योरी बनाते थे। कई मायनों में यह फिल्म जितनी हमारी है, उतनी ही दर्शकों की भी है।''

श्वेता त्रिपाठी ने अपने किरदार गोलू गुप्ता के बदलाव को लेकर भी बात की। उन्होंने कहा, ''गोलू का सफर बेहद भावनात्मक रहा है। शुरुआत में गोलू एक ऐसी लड़की थी, जो सही और गलत की अपनी समझ के साथ आगे बढ़ती थी, लेकिन परिस्थितियों ने उसे धीरे-धीरे बदल दिया। उसने अपने सफर में कई दर्द झेले, बदले की भावना से गुजरी और ताकत के साथ अपनी पहचान बनाने की कोशिश की।''श्वेता ने कहा, ''मेरे लिए इस किरदार को निभाना इसलिए भी खास रहा क्योंकि मैंने लंबे समय तक गोलू के हर बदलाव को महसूस किया। मैंने उसे कई सालों तक जिया है। वह एक ऐसी युवा महिला थी, जो सही काम करने में विश्वास रखती थी और धीरे-धीरे ऐसी इंसान बनी, जो ताकत, दुख, बदले और महत्वाकांक्षा के बीच खुद को संभाल रही थी।''उन्होंने कहा, ''किसी किरदार का लोगों के जीवन से जुड़ जाना किसी भी कलाकार के लिए सबसे बड़ी उपलब्धि होती है। गोलू गुप्ता का किरदार मेरे करियर के सबसे यादगार किरदारों में से एक रहेगा।''

हर कहानी के कई पहलू होते हैं : श्रेया कालरा

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री सोनिया बंसल एक बार फिर सुर्खियों में हैं। हालांकि, इस बार वजह उनका कोई नया प्रोजेक्ट नहीं, बल्कि अपनी दोस्त और 'लॉक अप सीजन 2' की कंटेस्टेंट श्रेया कालरा को लेकर दिया गया बयान है। सोशल मीडिया पर श्रेया कालरा और आकांक्षा चौधरी के बीच हुए विवाद को लेकर काफी चर्चा हो रही है। इसी बीच सोनिया ने खुलकर अपनी राय रखी है और श्रेया का समर्थन करते हुए कहा है कि किसी भी इंसान को सिर्फ एक घटना या सोशल मीडिया पर चल रही बातों के आधार पर नहीं आंकना चाहिए। सोनिया बंसल ने श्रेया कालरा के समर्थन में बात करते हुए कहा कि वह उन्हें लंबे समय से जानती हैं और उनके काम करने के तरीके से अच्छी तरह परिचित हैं। श्रेया मेरे लिए सिर्फ कंटेस्टेंट नहीं, बल्कि अच्छी दोस्त भी हैं।

सोनिया ने कहा, ''मैं 'लॉक अप सीजन 2' के लिए पूरी तरह श्रेया कालरा का समर्थन कर रही हूं, क्योंकि सबसे पहले वह मेरी दोस्त हैं। उन्होंने पहले मेरा इंटरव्यू लिया था और हर बातचीत में मैंने उन्हें बेहद मेहनती, सम्मान देने वाली और अपने काम को लेकर गंभीर पाया है। जिस आत्मविश्वास के साथ वह खुद को पेश करती हैं और लोगों से जुड़ने के लिए कंटेंट बनाती हैं, वह काबिल-ए-तारीफ है।'' आकांक्षा चौधरी से जुड़े विवाद पर बात करते हुए सोनिया ने कहा, ''इस मामले को लेकर सोशल मीडिया पर कई तरह की बातें सामने आ रही हैं। मैं किसी भी व्यक्ति के बारे में सिर्फ ऑनलाइन चर्चाओं के आधार पर राय नहीं बनातीं।

हर कहानी के कई पहलू होते हैं और किसी भी मामले को पूरी तरह समझने के लिए सभी पक्षों को जानना जरूरी है। मैं जानती हूं कि श्रेया किस तरह की इंसान हैं, इसलिए मैं उनका समर्थन कर रही हूं।''

उन्होंने आगे कहा, ''हम सभी से गलतियां होती हैं, गलतफहमियां भी होती हैं और कई बार परिस्थितियों को जरूरत से ज्यादा बढ़ा दिया जाता है। सबसे जरूरी बात यह है कि इंसान अपनी गलतियों से क्या सीखता है और आगे कैसे बढ़ता है।''उन्होंने कहा, ''मेरे लिए दोस्ती का मतलब सिर्फ तब साथ देना नहीं है, जब सब कुछ अच्छा चल रहा हो। असली दोस्ती तब होती है, जब कोई आलोचनाओं का सामना कर रहा हो और आपको उसके साथ खड़ा होना पड़े। मैं चाहती हूं कि लोगों को श्रेया को अपनी बात रखने का मौका देना चाहिए।

मुझे उम्मीद है कि दर्शक श्रेया की शो की जर्नी को खुले मन से देखेंगे और पहले से कोई धारणा नहीं बनाएंगे।'' वहीं, 'लॉक अप सीजन 2' में श्रेया कालरा की क्षमता को लेकर भी सोनिया ने उनकी तारीफ की। उन्होंने कहा कि श्रेया में एक मजबूत खिलाड़ी बनने की सभी खूबियां हैं। वह समझदार हैं, निडर हैं और दर्शकों से जुड़ना अच्छी तरह जानती हैं।

प्रदर्शन

हैदराबाद के नारायणगुड़ा में शुक्रवार को नीट पेपर लीक मामले को लेकर स्टूडेंट फेडरेशन ऑफ इंडिया तेलंगाना राज्य समिति और अन्य छात्र संगठनों के बैनर तले छात्र केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन करते हुए।

छात्रों के प्रदर्शन पर अनुपम खेर ने तोड़ी चुप्पी, कहा- 'आपकी लड़ाई आपकी ही रहनी चाहिए, किसी और का एजेंडा मत बनने दीजिए'

मुंबई/एजेन्सी

जंतर-मंतर पर हो रहे छात्रों के प्रदर्शन और उससे जुड़ी तस्वीरों ने पूरे देश का ध्यान अपनी ओर खींचा है। इस मुद्दे पर कई फिल्मी सितारे अपनी-अपनी राय रख चुके हैं। अब अभिनेता अनुपम खेर ने भी छात्रों के समर्थन में खुलकर बात की है। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा करते हुए कहा कि इस आंदोलन को बाहरी लोगों के एजेंडे का हिस्सा नहीं बनने देना चाहिए। अनुपम खेर ने इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए वीडियो की शुरुआत छात्रों को संबोधित करते हुए की। उन्होंने कहा, मेरे प्यारे छात्रों, नमस्ते। एक-दो दिन पहले आपके प्रदर्शन की तस्वीरें देखकर मन व्याकुल भी हुआ और दुखी भी। किसी भी छात्र को अपनी बात रखने के लिए ऐसी परिस्थितियों से नहीं गुजरना चाहिए। मैं भी कभी छात्र था। मैंने भी सपने देखे, सवाल पूछे, और व्यवस्था से असहमति जताई। आज भी मेरे संस्थान में सैकड़ों विद्यार्थी हैं, इसलिए मैं आपकी बेचैनी, आपका गुस्सा और आपकी उम्मीदें तीनों को समझ सकता हूं। मेरी नजर में छात्र आंदोलन समाज की सबसे सच्ची आवाज होती है। उनमें कोई स्वार्थ नहीं होता; उनमें उन्हें बस अपने भविष्य की चिंता होती है, अपने अधिकारों की बात होती है, और देश को बेहतर बनाने का सपना भी होता है। वीडियो में आगे अनुपम खेर ने छात्रों को सावधान रहने की सलाह भी दी। उन्होंने कहा, ''इसलिए मैं दिल से आपके साथ हूं, लेकिन एक बात और, मैं आपसे बड़े भाई की तरह कहना चाहता हूं। जब आपके आंदोलन में बाहर के लोग घुसने लगते हैं- राजनैतिक अवसरवादी, हर आंदोलन में अपनी मौजूदगी दर्ज कराने वाले लोग, ऐसे तत्व जिनका मकसद आपका मुद्दा नहीं, बल्कि अपना एजेंडा होता है। तब सावधान हो जाइए। शुरू में आपको लगेगा कि जितने ज्यादा लोग जुड़ेंगे आपकी ताकत उतनी बढ़ेगी, लेकिन हमेशा ऐसा नहीं होता। बहुत बार वही लोग आपकी सबसे बड़ी ताकत को आपकी सबसे बड़ी कमजोरी बना देते हैं। वो आपकी आवाज नहीं बनते, वो आपकी आवाज का इस्तेमाल करने लगते हैं। वो आपके दर्द को महसूस करने नहीं आते, वो आपके दर्द पर अपनी राजनीति की इमारत खड़ी करने आते हैं।''

उन्होंने आगे कहा, ''धीरे-धीरे मुद्दा आपका नहीं रह जाता है; कैमरे उनके हो जाते हैं, नारे उनके हो जाते हैं, मकसद उनका हो जाता है और शायद नुकसान आपका। आपकी सच्चाई पीछे छूट जाती है। आपकी लड़ाई आपकी ही रहनी चाहिए। उसे किसी और के एजेंडे का मंच मत बनने दीजिए। लोकतंत्र में सवाल पूछना आपका अधिकार है, प्रदर्शन करना आपका अधिकार है। अपनी बात मजबूती से कहना आपका अधिकार है, लेकिन, उतनी ही बड़ी जिम्मेदारी ये भी है कि आपकी आवाज पर किसी और का कब्जा ना हो।''

वीडियो के आखिर में अनुपम खेर ने छात्रों को हौसला देते हुए कहा, याद रखिए, छात्र किसी भी देश की सबसे बड़ी पूंजी होते हैं। आपकी ऊर्जा, आपकी ईमानदारी, और आपका आदर्शवाद ही आपकी असली ताकत है। उसे किसी के हाथ का औजार मत बनने दीजिए। मैं आपके साथ हूं, आज भी... कल भी... मैं चाहता हूं कि आप निडर होकर अपनी बात कहें, लेकिन अपनी शर्तों पर, अपने विवेक से, अपने आत्मसम्मान के साथ। ईश्वर आपको स्वस्थ रखें, सुरक्षित रखें और हमेशा सच के साथ खड़े रहने का साहस दे।

अनुपम खेर ने वीडियो के साथ एक लंबा कैप्शन भी लिखा। उन्होंने कहा, ''छात्र किसी भी देश की सबसे बड़ी उम्मीद होते हैं। उनकी आवाज को सुना जाना चाहिए, समझा जाना चाहिए और उसका सम्मान होना चाहिए। मेरी केवल एक प्रार्थना है अपनी लड़ाई, अपना मुद्दा और अपनी सोच किसी और के हाथों का औजार मत बनने दीजिए। यह संदेश किसी के पक्ष या विपक्ष में नहीं, बल्कि हमारे युवाओं के भविष्य के पक्ष में है।

बड़े पर्दे पर पहली बार खुद को देख इमोशनल हुईं डोनल बिष्ट

मुंबई/एजेन्सी

टीवी अभिनेत्री डोनल बिष्ट कॉमेडी-थ्रिलर फिल्म 'एमआरपी' से तेलुगु सिनेमा में डेब्यू किया है। तेलुगु सिनेमा में अपना अनुभव शेयर करते हुए अभिनेत्री ने कहा कि खुद को पहली बार बड़े पर्दे पर देखना उनके लिए एक यादगार पल में से एक था। हैदराबाद में एमआरपी के प्री-रिलीज इवेंट के दौरान अभिनेत्री ने खुद को बड़े पर्दे पर देखने के इमोशनल पल को याद करते हुए कहा, एक अलग माध्यम और भाषा में काम करना मेरे लिए बेहद शानदार था। तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री अपनी शानदार कहानियों और फिल्म निर्माताओं की वजह से दुनियाभर में अलग पहचान रखता है और ऐसी जगह से इतना प्यार मिलना मेरे लिए बहुत मायने रखता है। डोनल बिष्ट ने कहा कि हिंदीभाषी दर्शक भी तेलुगु फिल्मों को उतना ही प्यार देते हैं। मैं बहुत खुश हूं कि साउथ फिल्म इंडस्ट्री ने मुझे खुले दिल से स्वीकार किया। मेरे मन में सिर्फ आभार है और मैं खुद को बहुत भाग्यशाली महसूस करती हूं।

अभिनेत्री ने कहा, मैंने टीवी और वेब प्लेटफॉर्म पर काम किया है, लेकिन खुद को पहली बार इतने बड़े पर्दे पर देखना बहुत भावुक कर देने वाला था। हर नया अवसर मुझे कुछ नया सिखाता है और इस फिल्म ने मुझे फिल्म निर्माण को एक नए नजरिए से समझने का मौका दिया। इससे मुझे एहसास हुआ कि एक कलाकार के तौर पर अभी मुझे बहुत कुछ सीखना है। डोनल ने यह भी कहा कि वह आगे भी हिंदी फिल्मों के साथ-साथ तेलुगु सिनेमा में काम करना चाहती हैं।

‘देश में सबसे ज्यादा रोजगार पैदा करने वाला है गारमेन्ट उद्योग’

तीन दिवसीय ‘सिगा फेयर-2026’ की तैयारियां जोरों पर

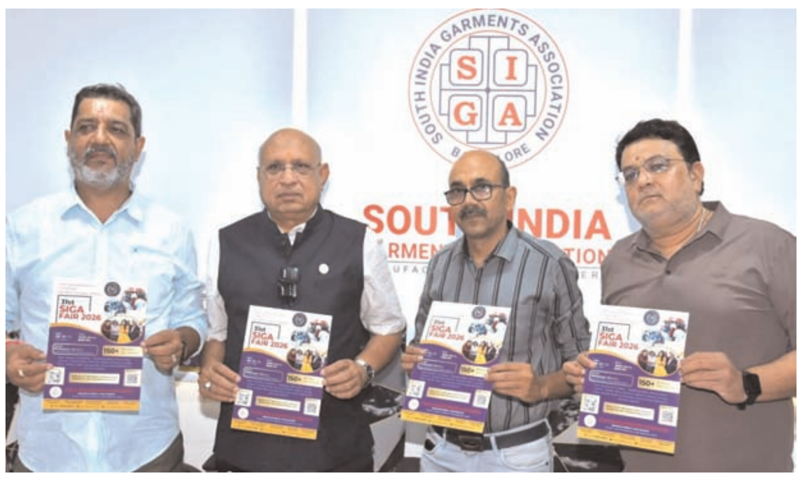

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। साउथ इंडिया गारमेंट्स एसोसिएशन(सिगा) गारमेन्ट उद्योग के 31वें बहुप्रतीक्षित 31वें 'सिगा फेयर -2026' की तैयारियों में जुटा है। शुक्रवार को एक पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए एसोसिएशन के अध्यक्ष अनुराग सिंघला ने बताया कि यह फेयर 28 जुलाई से तीन दिनों तक पैलेस ग्राउंड के प्रिंसेस श्राइन सभागार में होने जा रहा है। उन्होंने कहा कि आज गारमेन्ट उद्योग मंदी के दौर से गुजर रहा है और ऐसे में सिगा फेयर जैसे फेयर गारमेन्ट उद्योग को नई दिशा देने में सहायक होते हैं। आज गारमेन्ट उद्योग सरकार की उपेक्षा और ग्राहकों का ऑनलाइन व्यापार की ओर बढ़ते रूझान की डबल मार झेल रहा है। अध्यक्ष ने बताया कि पूरे देश में गारमेन्ट उद्योग ही वह क्षेत्र है जो देश में सबसे ज्यादा रोजगार पैदा करता है। उन्होंने बताया कि इस उद्योग में सामान्य(अकुशल)महिला व पुरुष भी रोजगार पाते हैं और हजारों अनस्किल्ड मजदूरों का इस उद्योग से घर चलता है परन्तु बड़े दुख की बात है कि केन्द्र व राज्य सरकार की ओर से इसे उपेक्षित रखा गया है। सिंगला ने कहा कि यदि गारमेन्ट उद्योग की ओर सरकार थोड़ा सा ध्यान दे दे और जीएसटी की दरों को कुछ कम कर दे तो देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

उन्होंने ऑनलाइन से होने वाले नुकसानों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जब एक परिवार खरीददारी के लिए बाजार आता है तो वह कपड़े खरीदने के साथ साथ बाजार में और भी खरीददारी करता है जैसे आटो-बस का उपयोग, खानपान सामग्री की खरीददारी भी बढ़ती है परन्तु ऑनलाइन के माध्यम से गारमेन्ट उद्योग के साथ साथ सहयोगी बाजार में भी उदासीनता छा रही है। उपाध्यक्ष नरेश लखनपाल ने कहा कि यदि सरकार गारमेन्ट उद्योग की नीतियों पर यदि बदलाव कर या सरलीकरण कर दे तो भी बाजार में एक बार फिर रौनक लौट सकती है। उपाध्यक्ष राजेश चावत ने कन्नड़ भाषा में कहा कि हमारी कर्नाटक सरकार को भी चाहिए कि वह गारमेन्ट उद्योग के बाजार को सुव्यवस्थित करें और कर्नाटक में गारमेन्ट उद्योग की मूलभूत सुविधाओं को और बढ़ावा दे।

सचिव तेजस मेहता ने बताया कि 'सिगा' समय समय पर निर्माताओं और खुदरा विक्रेताओं को विभिन्न सरकारी योजनाओं, नियमों और विनियमों, कानूनों में बदलाव, औद्योगिक विकास पहलों, श्रम कानूनों, कानूनी मापन और वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के बारे में शिक्षित करता आ रहा है। कोषाध्यक्ष व ट्रेड फेयर के चेयरमैन गोविंद मूंदड़ा ने बताया कि इस ट्रेड फेयर में देशभर के 150 से अधिक प्रतिष्ठित गारमेंट प्रतिष्ठान महिला, पुरुष वर्ग सहित किड्स वेयर की विस्तृत रेंज प्रदर्शित करेंगे। यह ट्रेड फेयर बी-टू-बी है तथा आगामी त्यौहारों के मद्देनजर इस प्रदर्शनी में नए उत्पादों का प्रदर्शन किया जा रहा है।

आचार्य हीरचंद्रसूरी का उत्साह और उमंग से हुआ चातुर्मास प्रवेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां साहुकारपेट स्थित श्री चंद्रप्रभु जैन नया मंदिर ट्रस्ट के तत्वावधान में आयोजित 'आत्मशोध चातुर्मास-2026' के अंतर्गत आचार्यश्री प्रेम-भुवनभानुसूरी समुदाय के आचार्यश्री अभयचन्द्रसूरीश्वरजी म.सा. के शिष्य, चेन्नईरत्न आचार्य श्रीमद् विजय हीरचंद्रसूरीश्वरजी म.सा. एवं साध्वी कर्तव्यश्रीजी म.सा. आदि श्रमण-श्रमणीवृंद का मंगल चातुर्मास प्रवेश शुक्रवार प्रातः श्रद्धा, भक्ति और उल्लासपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ।

इस पावन अवसर पर आचार्यश्री कुलबोधिसूरीश्वरजी म.सा., पंन्यास परमयश विजयजी म.सा., मुनि योगप्रेम महाराज, मुनि तीर्थकलश विजयजी म.सा. सहित अनेक साधु-साध्वी भगवंतों का मंगल सान्निध्य प्राप्त हुआ। कार्यक्रम के अंतर्गत प्रातः एलीफेंट गेट-वॉल्टैक्स रोड चौराहे से भव्य सामैया (शोभायात्रा) निकाला गया, जो श्रद्धालुओं के जयघोष के बीच आराधना भवन पहुंचकर विशाल धर्मसभा में परिवर्तित हुआ।

ट्रस्ट के अध्यक्ष संघवी रमेशभाई मूथा ने ट्रस्ट की ओर से आचार्यद्वय एवं समस्त श्रमण-श्रमणीवृंद की अगवानी करते हुए उनका भावपूर्ण स्वागत एवं अभिनंदन किया। ट्रस्ट के सचिव सुरेश कागरेसा ने चातुर्मास के दौरान आयोजित होने वाले विविध आध्यात्मिक कार्यक्रमों की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की। अपने प्रेरणादायी उद्बोधन में आचार्यश्री कुलबोधिसूरीश्वरजी म.सा. ने चंद्रप्रभु जैन नया मंदिर संघ की पावन भूमि, भोमिया और भाता की महिमा का उल्लेख करते हुए कहा कि यह भूमि सदैव महान संतों के आगमन और उत्कृष्ट मेहमाननवाजी के लिए विख्यात रही है। उन्होंने चातुर्मास को आत्मचिंतन, संयम और धर्माराधना का अमूल्य अवसर बताते हुए प्रत्येक श्रावक-श्राविका से इसका भरपूर लाभ लेने का आह्वान किया। आचार्य हीरचंद्रसूरीश्वरजी म.सा. ने भावुक स्वर में कहा कि उनका बाल्यकाल इसी भूमि पर बीता है और पुण्योदय से उन्हें अपनी ही कर्मभूमि पर चातुर्मास करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। उन्होंने इसे अपने जीवन का अत्यंत भावनात्मक और अविस्मरणीय क्षण बताया।

पंन्यास परमयश विजयजी म.सा. ने कहा कि चातुर्मास आत्मशुद्धि और आध्यात्मिक जागरण का महापर्व है, जबकि पंन्यास विमलपुण्य विजयजी म.सा. ने सभी श्रद्धालुओं से अधिकाधिक संख्या में धर्माराधना से जुड़कर अध्यात्म की ओर सशक्त कदम बढ़ाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान श्रमण-श्रमणीवृंद का गुरुपूजन एवं कांबली अर्पण का लाभ क्रमशः विमलकुमार लहरचंद राजहंस परिवार तथा सुरेशभाई (एस.सी. शाह) परिवार को प्राप्त हुआ।

मंगल प्रवेश महोत्सव में चेन्नई के अलावा कोयंबत्तूर, भिवंडी, दावणगेरे, बल्लारी सहित अनेक नगरों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे और चातुर्मास प्रवेश के इस ऐतिहासिक एवं आध्यात्मिक क्षण के साक्षी बने। धर्मसभा का संचालन विपिन सतावत ने किया तथा साधु-साध्वी भगवंतों के गुणों एवं तपस्वी जीवन से उपस्थित संघ का प्रेरक परिचय कराया।

इरोड चैप्टर के नए अध्यक्ष चेतनसिंह राजपुरोहित और महासचिव बने जेठमल पालीवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इरोड(तमिलनाडु)। विप्र फाउंडेशन जोन 17 ए की बैठक इरोड में शंकर लाल रावल की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। रावल ने अपने स्वागत भाषण में क्षेत्रीय महामंत्री(दक्षिण) भगवान व्यास, जोन के अध्यक्ष श्रवण बोहरा, निर्मल शर्मा एवं उपस्थित सदस्यों का स्वागत किया और विगत चार वर्षों में दिए गए सहयोग के लिए सदस्यों का आभार प्रकट किया।श्रवण बोहरा ने संगठन का महत्व बताते हुए कहा कि समाज की एकजुटता में ही सबका लाभ है इसलिए हम सबको साथ मिल कर संगठन को मज़बूत करना चाहिए। भगवान व्यास ने विप्र फाउंडेशन की स्थापना से लेकर अभी तक किए गए कार्यों एवं नीतियों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने विप्र फाउंडेशन के प्रकल्पों एवं संगठनात्मक निर्णयों की भी विस्तृत जानकारी सदस्यों को दी।

बैठक में सर्वसम्मिति से इरोड चैप्टर के पदाधिकारियों का मनोनयन किया एवं कार्यकारिणी समिति का गठन किया गया। नए पदाधिकारियों में, अध्यक्ष चेतनसिंह राजपुरोहित, महासचिव जेठमल पालीवाल, कोषाध्यक्ष अनिल बोहरा, उपाध्यक्ष भुपेन्द्र रावल एवं सुभाष शर्मा, सहमंत्री शंकरलाल दाधिच, संतोष पारीक को बनाया गया। कार्यकारिणी समिति सदस्यों में परबत सिंह राजपुरोहित, विकास महाराज, गुमानसिंह राजपुरोहित, हरिश रावल, अनिल शर्मा,बाबुसिंह राजपुरोहित बारवा, नवल किशोर शर्मा, महेन्द्र बोहरा,गणपत सिंह राजपुरोहित का नाम सर्वसम्पति से चुना गया। मनोनीत पदाधिकारियों का सम्मान रीजनल महा मंत्री एवं जोन प्रेसिडेंट ने सम्मान किया।शैतान सिंह राजपुरोहित के धन्यवाद प्रस्ताव के उपरांत बैठक सम्पन्न हुई।

श्रीमाधोपुर के घनिष्ठ शर्मा ने बनाया भगवान जगन्नाथ का मनमोहक चित्र

गोपीनाथ मंदिर को भेंट किया

श्रीमाधोपुर/दक्षिण भारत। राजस्थान के श्रीमाधोपुर निवासी घनिष्ठ शर्मा ने भगवान जगन्नाथ का मनमोहक चित्र बनाया है, जिसकी काफी चर्चा हो रही है। बचपन से ही चित्रकारी का शौक रखने वाले घनिष्ठ ने खुद को इस कला के लिए समर्पित कर दिया है। जब उन्होंने कागज पर पेंसिल और रंगों से भगवान जगन्नाथ का स्वरूप उकेरा तो भक्त उसे देखकर मंत्रमुग्ध हो गए। रथयात्रा के पावन अवसर पर बनाए गए इस चित्र के दर्शन करने के लिए दूर-दूर से लोग आ रहे हैं।

घनिष्ठ शर्मा ने बताया कि यह चित्र बनाने के लिए उन्होंने एक हफ्ते तक कड़ी मेहनत की। उन्होंने भगवान जगन्नाथ के राजसी स्वरूप को उकेरने में कई बारीकियों का खास ध्यान रखा। श्याम रंग की आभा, विशाल नेत्र, पीत मुकुट, मोरपंख एवं पुष्प माला से अलंकृत चित्र दिव्य अनुभूति कराता है। यह लटकनों के कारण आकर्षक लगता है। घनिष्ठ शर्मा की भगवान में गहरी आस्था है। वे चित्र बनाने के लिए भगवान को ही प्रेरणा स्रोत बताते हैं। उन्होंने यह चित्र गोपीनाथ मंदिर को भेंट किया है।

भक्त इस चित्र स्वरूप में विराजमान भगवान जगन्नाथ की मनोहारी छवि को निहार रहे हैं। उन्होंने घनिष्ठ शर्मा की चित्रकला, भक्ति और भगवान के लिए समर्पण की सराहना की है।

कर्नाटक में पशु चिकित्सकों ने भर्ती घोटाले का आरोप लगाया

बेंगलूरु। पशु चिकित्सकों के एक समूह ने पशुपालन एवं मत्स्य विभाग में पशु चिकित्सा अधिकारी के 400 पदों की भर्ती के लिए कर्नाटक लोक सेवा आयोग (केपीएससी) की चयन प्रक्रिया में बड़े पैमाने पर अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए विधान सौधा पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है और मामले की जांच की मांग की है। कर्नाटक लोक सेवा आयोग ने भर्ती परीक्षा जनवरी 2026 में आयोजित की थी और अंतिम चयन सूची 17 जुलाई को जारी की गई।

शिकायतकर्ताओं ने आरोप लगाया कि कई अभ्यर्थियों से बिचौलियों ने संपर्क किया और नियुक्ति दिलाने के बदले 70 लाख से 80 लाख रुपये तक की मांग की। उन्होंने दावा किया कि उनके पास इस संबंध में हुई बातचीत की ऑडियो रिकॉर्डिंग हैं, जिन्हें पुलिस को सौंप दिया गया है।

उन्होंने यह आरोप भी लगाया कि कुछ परीक्षाएं रिजॉर्ट में आयोजित की गईं। शिकायतकर्ताओं ने चयनित कुछ अभ्यर्थियों को मिले अंकों पर भी सवाल उठाते हुए दावा किया कि परिणामों से भर्ती प्रक्रिया की निष्पक्षता को लेकर गंभीर संदेह पैदा हुआ है। उन्होंने अपनी शिकायत में यह भी आरोप लगाया कि अधिक अंक हासिल करने वाले कई अभ्यर्थी कर्नाटक लोक सेवा आयोग में प्रभावशाली पदों पर बैठे लोगों के रिश्तेदार हैं।

कुछ शिकायतकर्ताओं ने आरोप लगाया कि कई सफल अभ्यर्थी स्नातक की परीक्षाओं में अनुत्तीर्ण हुए थे। यह शिकायत राज्यपाल थावरचंद गहलोत द्वारा 13 जुलाई को केपीएससी के अध्यक्ष शिवशंकरप्पा एस. साहुकार को निलंबित किए जाने के बाद सामने आई है। साहुकार पर अपनी दो बेटियों का औद्योगिक विस्तार अधिकारियों के पद पर अवैध चयन कराने में मदद करने का आरोप है।

चेन्नई डिवीजन के 71 वें रेलवे सप्ताह समारोह

रेल सेवा पुरस्कार 2026 का हुआ आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। दक्षिणी रेलवे के चेन्नई डिवीजन के लिए 71वां रेल सप्ताह समारोह और रेल सेवा पुरस्कार 2026 डॉ. बी.आर. अंबेडकर अरंगम, आईसीएफ, अयानवरम में 23 जुलाई में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में भारत के सबसे व्यस्त परिवहन नेटवर्क में से एक को सुचारू रूप से चलाने वाले रेलवे कर्मचारियों के समर्पण और उत्कृष्टता को सम्मानित किया गया। चेन्नई डिवीजन के मंडल रेलवे प्रबंधक शैलेंद्र सिंह ने मुख्य अतिथि के रूप में इस अवसर की शोभा बढ़ाई, जबकि वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी एम. सेंथिल कुमार ने उपस्थित लोगों का स्वागत किया। इस कार्यक्रम का शुभारंभ रेलवे कर्मचारियों और रेलवे बाला भवन स्कूल और रेलवे हायर सेकेंडरी स्कूल, पेरम्बूर के छात्रों द्वारा एकल और समूह प्रस्तुतियों के साथ एक जीवंत सांस्कृतिक कार्यक्रम से हुआ।

अपने अध्यक्षीय भाषण में शैलेंद्र सिंह ने विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों की समर्पण, कड़ी मेहनत और उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता की सराहना की। उन्होंने सभी कर्मचारियों के प्रेरणादायक योगदान की प्रशंसा करते हुए उन गुमनाम नायकों को विशेष रूप से सम्मानित किया जो विभाग के सुचारू संचालन और प्रगति को सुनिश्चित करने के लिए पर्दे के पीछे निरंतर प्रयास करते रहते हैं। समारोह के दौरान, वर्ष 2025-26 के दौरान उत्कृष्ट सेवा के लिए तीन अधिकारियों और 70 कर्मचारियों को सम्मानित किया गया।

शैलेंद्र सिंह ने चेन्नई डिवीजन की वृद्धि और सफलता में उनके समर्पण, अनुकरणीय उपलब्धियों और बहुमूल्य योगदान के लिए सभी पुरस्कार विजेताओं को हार्दिक बधाई दी। वर्ष की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए, श्री शैलेंद्र सिंह ने 2025-26 वित्तीय वर्ष के दौरान चेन्नई डिवीजन द्वारा हासिल की गई महत्वपूर्ण उपलब्धियों का विस्तृत विवरण दिया। सात दशकों से अधिक समय से इस क्षेत्र की सेवा कर रहा यह डिवीजन वर्तमान में लगभग 1,000 ट्रेनों का संचालन करता है और प्रतिदिन लगभग 14 लाख यात्रियों को सेवा प्रदान करता है। डिवीजन ने मजबूत आर्थिक विकास और परिचालन उत्कृष्टता का प्रदर्शन किया है।

इस कार्यक्रम में अंकुर चौहान, डॉ. आई सेंथिल कुमार, अतिरिक्त मंडल रेलवे प्रबंधक, वरिष्ठ शाखा अधिकारी, कर्मचारी और उनके परिवार के सदस्य उपस्थित थे। समारोह का समापन चेन्नई डिवीजन की सहायक कार्मिक अधिकारी ए.एच. देवीकुमारी द्वारा धन्यवाद के साथ हुआ।

आमंत्रण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कोयम्बटूर में शुक्रवार को तमिलनाडु सरकार में पिछड़ा वर्ग, अत्यंत पिछड़ा वर्ग और विमुक्त समुदाय कल्याण मंत्री वी. संपत कुमार को राजस्थानी संघ के अध्यक्ष संतोष मूंदड़ा, सचिव प्रदीप करनानी, कमिटी सदस्य और मीडिया प्रभारी किशोर जैन, सुरेश बाफना ने मुलाक़ात की और उन्हें आगामी 9 अगस्त को उदयपुर के नारायण सेवा संस्थान द्वारा दिव्यांगों के सहायतार्थ आयोजित निःशुल्क जापानी एवं जर्मन तकनीक से निर्मित 3डी प्रिंटेड नारायण मॉड्यूलर कृत्रिम अंग एवं कैलिपर वितरण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप मे शामिल होने का निमंत्रण दिया। इस शिविर में दुर्घटना में हाथ पैर खोकर अंगविहीन हुए 371 से अधिक जरूरतमंदों को अत्याधुनिक कृत्रिम अंग वितरित किए जायेंगे। नारायण सेवा संस्थान के अचल सिंह भाटी ने बताया कि माहेश्वरी भवन में 9 अगस्त को मुख्य अतिथि मंत्री सम्पतकुमार, जिला कलेक्टर पवन कुमार, विधायक कनिमोझी और समाजसेवी एवं गणमान्य महानुभाव शामिल होंगे। भाटी ने बताया की यह कैंप माहेश्वरी भवन में आयोजित होगा।

आध्यात्मिक ज्ञान से सुषुप्त शक्ति और प्रतिभा को जागृत करें : राष्ट्रसंत कमलमुनि

मैसूरु। शहर के स्थाकवासी जैन संघ हल्लदकेरी के तत्वावधान में राष्ट्रसंतश्री कमलमुनिजी कमलेश, घनश्याम मुनिजी, कौशल मुनिजी, अक्षत मुनिजी, सक्षम मुनिजी का शुक्रवार को चातुर्मासिक मंगल प्रवेश हुआ। शहर के फाउंटेन सर्कल से सकल संघ के साथ जैन मुनिजनों का अहिंसा के जयघोष के साथ वरघोड़ा रवाना हुआ। वरघोड़ा में महिलाओं ने अपने संघ की गणवेश धारण कर मंगल गीत गाए, तो पुरुष वर्ग ने साफा व पारंपरिक वेशभूषा धारण कर वरघोड़ा की शोभा बढ़ाई।

इस मौके पर साध्वी संस्कारनिधिश्रीजी तथा कमल मुनिजी कमलेश का आध्यात्मिक मिलन हुआ।चातुर्मास के प्रवेश के पश्चात स्थानक भवन में कमल मुनिजी ने समाज सुधार व चातुर्मास की महत्ता पर प्रवचन देते कहा कि विज्ञान के माध्यम से आध्यात्मिक ज्ञान' की रिसर्च कर जनता के सामने लाना चाहिए। आध्यात्मिक ज्ञान' ही विज्ञान की कसौटी पर खरा उतरेगा और संपूर्ण मानव समाज के लिए आस्था का केंद्र बनेगा, क्योंकि सब धर्म के ग्रंथ अलग-अलग है, परंपराओं का परस्पर विरोधाभास है, संत परंपरा में भी अलग-अलग मान्यता है, भगवान और उपासना को लेकर मतभेद होने से एक मंच में नहीं आ पा रहे हैं, इसलिए विज्ञान को नकारने की ताकत किसी में नहीं हो सकती है, वह सर्वमान्य होगा।

ईएसआईसी मेडिकल हॉस्पिटल के डीन बनी डॉ. स्वप्नताई मेश्राम

चेन्नई। यहां के केकेनगर स्थित ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज और हॉस्पिटल के डीन के रूप में डॉ. स्वप्नताई ए. मेश्राम ने 13 जुलाई को पदभार संभाला।

स्वप्नताई एक कुशल शिक्षाविद और एडमिनिस्ट्रेटर होने के नाते, उन्होंने पहले इस संस्थान में फिजियोलॉजी विभाग की डायरेक्टर प्रोफेसर और हेड, और वाइस प्रिंसिपल के तौर पर काम किया है। साथ ही, उन्होंने ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज और हॉस्पिटल, राजाजीनगर, बेंगलूरु में मेडिकल सुपरिटेंडेंट (प्रभारी) और डिप्टी मेडिकल सुपरिटेंडेंट के तौर पर भी सेवाएं दी हैं। पदभार संभालने पर, डॉ. स्वप्नताई ए. मेश्राम ने मरीज़ों की देखभाल की सेवाओं को बेहतर बनाने, एकेडमिक एक्सीलेंस को बढ़ावा देने, रिसर्च को बढ़ाने और क्वालिटी व नैतिक हेल्थकेयर का माहौल बनाने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

मोक्ष का मार्ग सबके लिए खुला है : आचार्य कुलबोधिसूरी

चेन्नई। वेपेरी स्थित श्री संभवनाथ जिनालय उपाश्रय में विराजित आचार्यश्री कुलबोधिसूरीश्वरजी म. ने शुक्रवार प्रातःकालीन प्रवचन में धर्म आराधना के वास्तविक स्वरूप तथा उसके फल में बाधक बनने वाले कारणों का अत्यंत सरल एवं प्रभावशाली विवेचन किया। आचार्यश्री ने कहा कि भगवान महावीर ने केवलज्ञान प्राप्ति के पश्चात समस्त जीवों पर करुणामयी दृष्टि डाली और पाया कि प्रत्येक जीव किसी न किसी दुःख, पीड़ा अथवा उपाधि से ग्रस्त है। उन दुःखों से मुक्ति का एकमात्र उपाय प्रभु ने मोक्ष मार्ग के रूप में बताया, जहां केवल शाश्वत सुख है। प्रभु की असीम करुणा का उद्देश्य प्रत्येक जीव को दुःखों से मुक्त कर मोक्ष की दिशा प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि सम्यक दर्शन, सम्यक ज्ञान और सम्यक चारित्र मोक्ष मार्ग के आधार स्तंभ हैं। यदि व्यक्ति स्वाध्याय और चारित्र की आराधना को अपने जीवन में आत्मसात कर ले, तो वह निश्चित रूप से मोक्ष पथ पर अग्रसर हो जाता है। आज नहीं तो कल उसे मोक्ष की प्राप्ति अवश्य होती है।

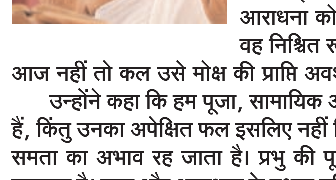

उन्होंने कहा कि हम पूजा, सामायिक और विभिन्न धार्मिक आराधनाएं तो करते हैं, किंतु उनका अपेक्षित फल इसलिए नहीं मिलता क्योंकि आराधना में शुद्धता और समता का अभाव रह जाता है। प्रभु की पूजा का वास्तविक फल मन की निर्मल प्रसन्नता है। पूजा और आराधना के पश्चात यदि अंतर्मन आनंद और शांति का अनुभव न करे, तो आत्मचिंतन की आवश्यकता है। सामायिक का सार केवल बैठना नहीं, बल्कि समता की अनुभूति प्राप्त करना है। उन्होंने आधुनिक उदाहरण देते हुए कहा कि जैसे किसी लैपटॉप में वायरस होने पर वह सुचारु रूप से कार्य नहीं कर पाता, उसी प्रकार हमारी आराधना भी अनेक 'वायरसों' से प्रभावित हो जाती है।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.